हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 25.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 211 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये   RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

झारखंड विस बजट सत्र : 1,58,560 करोड़ का 'अबुआ दिशोम' बजट पेश

झारखंड के अंतिम आदमी तक पहुंचेगा हेमन्त सरकार का विकास, बजट में संकल्प

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राज्य के माननीय वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लोक भवन, रांची में भेंट की तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की प्रति समर्पित की। उक्त अवसर पर राज्य के वित्त सचिवप्रशांत कुमार भी उपस्थित थे।

वहीं बजट पेश करने से पहले झारखंड विधान सभा में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को बजट 2026-27 की प्रति सौंपते हुए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर।

- कृषि विभाग को मिला 4,884 करोड़ का प्रावधान
- पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में बड़ा निवेश
- आत्मनिर्भर झारखंड की दिशा में मजबूत कदम
- महिला किसानों के लिए खास पहल
- हर विधानसभा क्षेत्र में बनेगा मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स
- बीज, सिंचाई और आधुनिक खेती पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले हेमंत सोरेन सरकार ने 2025-26 में 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया था।

झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर की ओर से पेश किए गए बजट में कृषि गतिविधियों में लगी महिलाओं के लिए एक योजना की घोषणा की गई। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग गरीब, किसान, आदिवासी और महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि अबुआ दिशोम बजट झारखंडवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाएगा और गरीबों के आंसू पोंछेगा। महिला किसानों के लिए महिला खुशहाली योजना शुरू की जा रही है। इसके लिए सरकार की ओर से 25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में 100 नए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है। इसके अलावा यहां देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर और राजरप्पा मंदिर जैसे धार्मिक स्थल के साथ-साथ नेतरहाट जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी हैं। राज्य सरकार लोगों की समावेशी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से बाधाएं उत्पन्न किए जाने के बावजूद हम झुकेंगे नहीं और राज्य के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने झारखंड को पर्याप्त वित्तीय सहायता न देकर केंद्र पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य को केंद्रीय करों में 5,000 करोड़ रुपये का हिस्सा नहीं मिला और अनुदान सहायता के रूप में 11,000 करोड़ रुपये भी नहीं मिले।

वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी धीरे-धीरे घट रही है। विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी (वीबी - जी राम जी) के कारण राज्य को 5,640 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कोयला आपूर्ति के बदले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि का भुगतान न करने को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये का सकल बजट अनुमान है, जो गत वर्ष से लगभग 9 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजस्व व्यय के लिए 1 लाख 20 हजार 851 करोड़ 90 लाख पये प्रस्तावित है, जो गत वर्ष से 9.2 प्रतिशत अधिक है। पूंजीगत व्यय अन्तर्गत गत वर्ष के बजट पर 8. 5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 37 हजार 708 करोड़ 10 लाख रुपये का प्रस्ताव है।

वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में प्रावधानित राशि के लिए निधि की व्यवस्था इस प्रकार होगी। राज्य को अपने कर राजस्व से 46 हजार करोड़ रुपये और गैर कर राजस्व से 20 हजार 700 करोड़ रुपये केन्द्रीय सहायता से 18 हजार 273 करोड़ 66 लाख रुपये तथा केन्द्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी के रूप में 51 हजार 236 करोड़ 38 लाख रुपये, लोक ऋण से 22 हजार 49 करोड़ 96 लाख रुपये एवं उधार तथा अग्रिम की वसूली से 300 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा 13 हजार 595 करोड 96 लाख रुपये होने का अनुमान है, जो कि अनुमानित जीएसडीपी का 2.18 प्रतिशत है।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने बताया कि वर्तमान मूल्य पर झारखण्ड का जीएसडीपी वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 5 लाख 16 हजार करोड़ रुपये रहा। सरकार का प्रयास होगा कि अगले 5 वर्षों में इसे दोगुना किया जाय। इसके लिए हमें वर्तमान मूल्य पर करीब 14 प्रतिशत का विकास करना होगा। स्थिर मूल्य पर यह करीब 9 से 10 प्रतिशत की विकास दर होगी। उन्होंने कहा कि 14.1 प्रतिशत की लक्षित विकास दर राज्य के मौजूदा संसाधनों का उपयोग करके, बाहरी कारकों, विशेष रूप से सूखे के प्रभाव को निष्प्रभावी करके और विकास को बढ़ावा देने वाले उपायों को लागू करके हासिल की जाएगी। इस क्रम में ग्रोथ इंजन कृषि, उद्योग, भौतिक संरचनाओं का विकास, वित्तीय सेक्टर का विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास तथा सामाजिक सुरक्षा पर विशेष बल दिया जायेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि महिला किसान खुशहाली योजना प्रारम्भ की गयी है, जिसके अंतर्गत महिला किसानों को एकीकृत खेती से जोड़कर अद्यतन तकनीक की मदद दी जाएगी और ऑफलाईन एवं ऑनलाईन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इस योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 25 करोड़ का बजटीय उपबंध किया गया है।

अबुआ दिशोम बजट झारखंडवासियों के चेहरे पर लाएगा मुस्कान, गरीबों का पोंछेगा आंसू : राधा कृष्ण किशोर

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग को 12,347 करोड़ रुपये का बजट : दीपिका

रांची : झारखंड में ग्रामीण विकास कार्य एवं पंचायती राज विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026झ27 में ग्रामीण विकास विभाग का बजट बढ़ाकर 12,347 करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, आजीविका सृजन, आवास योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को गति प्रदान करने में सहायक होगा। मंत्री मंगलवार को विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि गांवों की तस्वीर बदलने और ग्रामीणों के जीवन में ठोस सुधार लाने के उद्देश्य से सरकार लगातार प्रयासरत है, ताकि झारखंड देश के मानचित्र पर एक सशक्त और समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित हो सके। मंत्री ने बताया कि केवल ग्रामीण कार्य विभाग का बजट 4,576 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5,081 करोड़ रुपये किया गया है।

किसानों और महिलाओं को मिलेगी नई ताकत : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची : झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये का 'अबुआ दिशोम' बजट पेश किए जाने के बाद कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इसका स्वागत किया है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि यह बजट राज्य के किसानों, महिलाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने साफ तौर पर यह संदेश दिया है कि विकास की असली धुरी गांव और खेती हैं। इस बजट में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के लिए 4 हजार 884 करोड़ 20 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। मंत्री ने कहा कि यह राशि केवल योजनाओं की घोषणा नहीं है, बल्कि खेत तक बदलाव पहुंचाने की प्रतिबद्धता है। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, खेती को तकनीक से जोड़ना और उन्हें बाजार से सीधा संपर्क देना है। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में राज्य सरकार ने 'महिला किसान खुशहाली योजना' की शुरूआत की है।

झारखंड में समय से कैंसर जांच, हृदय रोग इलाज की सुविधा

कैंसर-हृदय रोग पर सरकार गंभीर, इलाज को नई मशीनें लगेंगी

750 अबुआ दवाखाना और सात नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे

राज्य में डॉक्टरों की कमी दूर करने को एमबीबीएस सीटें बढ़ेंगी

झारखंड सरकार-पीएनबी वेतन खाता पैकेज पर समझौता, मुख्यमंत्री रहे उपस्थित

व्यवसाय, कृषि, ग्रामीण विकास सहित हर क्षेत्र में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक एवं राज्य सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर हो रहा है। पंजाब नैशनल बैंक आज राज्य सरकार के साथ एक नए अध्याय के रूप में जुड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनमानस के साथ-साथ राज्य सरकार में कार्यरत कर्मचारियों की आर्थिक लेन-देन की कड़ी में बैंक की अहम भूमिका होती है। वर्तमान समय में व्यवसाय, कृषि, ग्रामीण विकास सहित हरेक क्षेत्र में बैंक की बड़ी भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी कार्यों के साथ-साथ कई संस्थानों की कुछ सामाजिक जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसी क्रम में आज राज्य सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के बीच एक एमओयू साइन हुआ है। इससे पहले भी राज्य सरकार एवं अन्य बैंकों के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर हुए हैं और उक्त एमओयू के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाया भी जा रहा है। मुझे विश्वास है कि जिस उद्देश्य से पंजाब नैशनल बैंक राज्य सरकार के साथ जुड़ी है उस उद्देश्य और कर्तव्य को सफलता पूर्वक पूरा करेगी। राज्य सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के बेहतर समन्वय का लाभ राज्य सरकार के कर्मचारियों सहित आम जनमानस को भी मिलेगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री ने मंगलवार को झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में आयोजित झारखंड सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के मध्य राज्य सरकार कर्मचारियों के वेतन खाता पैकेज का समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में अपने संबोधन में कही। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से एमओयू हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों एवं कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री डॉ० इरफान अंसारी, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महाप्रबंधक पंजाब नैशनल बैंक आशीष कुमार चतुवेर्दी, मंडल प्रमुख रांची अवधेश झा, उप मंडल प्रमुख राकेश कुमार श्रीवास्तव सहित राज्य सरकार के अन्य अधिकारी एवं पंजाब नैशनल बैंक के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

एयर एम्बुलेंस हादसे पर सीएम ने जताया दुःख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची से दिल्ली जा रहे एयर एम्बुलेंस के क्रैश होने की खबर ने पूरे राज्य को हिला दिया है। इस हादसे में 7 लोगों की जान चली गई। हेमन्त सोरेन ने घटना पर गहरा दुख जताया है और कहा है कि यह बहुत ही दर्दनाक खबर है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि सरकार इस मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी है।

हेमन्त सोरेन ने अपने बयान में कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है और पूरे राज्य के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि जिन लोगों की जान गई है, उनकी आत्मा को शांति मिले। साथ ही उन्होंने कहा कि परिवारों को इस दुख को सहने की ताकत मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पीड़ित परिवारों तक तुरंत मदद पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार हर प्रभावित परिवार की मदद करेगी। जरूरत के मुताबिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। अधिकारियों को कहा गया है कि परिवारों से संपर्क कर उनकी जरूरतों का पता लगाया जाए और तुरंत सहायता दी जाए।

जानकारी के मुताबिक एयर एम्बुलेंस रांची से दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही विमान से संपर्क टूट गया। बाद में उसके दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि हुई। आसपास के लोगों ने जोर की आवाज सुनी और फिर प्रशासन को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि विमान में पायलट, मेडिकल टीम के सदस्य और एक मरीज सवार थे। हादसा इतना गंभीर था कि किसी को बचाया नहीं जा सका। हादसे की खबर मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। पूरे इलाके को घेर लिया गया। मलबे से शवों को बाहर निकाला गया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल का जायजा लिया और राहत कार्यों की समीक्षा की। अभी तक हादसे की असली वजह साफ नहीं हो पाई है। शुरूआती जानकारी में तकनीकी खराबी या मौसम को कारण माना जा रहा है।

शर्टलेस प्रदर्शनः युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पिछले दिनों भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के 'शर्टलेस प्रोटेस्ट' के मामले में की गई है। इस मामले में इससे पहले सात अन्य लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, उदय भानु चिब को एक दिन पहले पूछताछ के लिए तिलक मार्ग थाने में बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान सामने आए तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उनकी भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर गिरफ्तारी की गई। इस कार्रवाई के बाद अब तक इस प्रकरण में कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले पुलिस ने ग्वालियर से जितेंद्र यादव को दबोचा था। जांच एजेंसियां अब पूरे घटनाक्रम में साजिश के एंगल से भी पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन की पूर्व योजना, इसमें शामिल लोगों की भूमिका और संगठनात्मक स्तर पर की गई तैयारियों की गहन जांच की जा रही है।

एक नजर

राष्ट्रपति के रांची दौरे को लेकर एयरपोर्ट क्षेत्र 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित

रांची : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 26 फरवरी को एक दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं। उनके आगमन और प्रस्थान को देखते हुए राजधानी रांची में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। राष्ट्रपति रांची पहुंचने के बाद जमशेदपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर रांची सदर अनुमंडल दंडाधिकारी ने भारतीय न्याय संहिता की धारा-163 के तहत आदेश जारी करते हुए बिरसा मुंडा एयरपोर्ट की पूरी परिधि को 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित कर दिया है। इस दौरान ड्रोन, पैराग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलून सहित सभी प्रकार के मानवरहित या हल्के विमानों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

कैबिनेट : इंफ्रास्ट्रक्चर और रेलवे परियोजनाओं के लिए 12,236 करोड़ मंजूर, केरल का नाम बदलकर होगा केरलम

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नए पीएम कार्यालय सेवा तीर्थ में हुई पहली कैबिनेट बैठक में हुए फैसलों की जानकारी दी। बुनियादी ढांचे को मजबूती देने और कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, केंद्रीय कैबिनेट ने कुल 12,236 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इस बड़े निवेश का मुख्य हिस्सा रेलवे और शहरी परिवहन के विस्तार पर केंद्रित है, जिसमें गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए सबसे

अधिक 5,236 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

इसके अलावा, रेलवे नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए पुनरख-किऊल की तीसरी और चौथी लाइन के लिए 2,668 करोड़ रुपये तथा गम्हरिया-चांडिल की तीसरी व चौथी लाइन के लिए 1,168 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। विमानन और शहरी यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से श्रीनगर में 1,667 करोड़ रुपये की लागत से एक नए इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल के निर्माण और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 28 के विस्तार (1,067 करोड़ रुपये) को भी कैबिनेट की हरी झंडी मिल गई है। वित्तीय आवंटन के अलावा, कैबिनेट ने कई महत्वपूर्ण नीतिगत और कृषि संबंधी फैसलों पर भी मुहर लगाई है। एक प्रमुख नीतिगत फैसले के तहत, राज्य का नाम 'केरल' से बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। ऊर्जा क्षेत्र की दक्षता बढ़ाने के लिए नए पावर सेक्टर रिफॉर्म्स को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही, कृषि क्षेत्र और किसानों को वित्तीय सुरक्षा देते हुए, कच्चे जूट के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है, जिसके लिए 430 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फाल्गुन मास की शुक्ल अष्टमी, मंगलवार को पहली बार यहां नवनिर्मित प्रधानमंत्री कार्यालय भवन 'सेवा तीर्थ' में अपनी पहली बैठक में 'सेवा संकल्प' प्रस्ताव पारित किया और इसे भारत की विकास यात्रा में एक नया आरंभ बताया। इस प्रस्ताव में पिछले एक दशक की उपलब्धियों और सुधारों को गिनाते हुए संकल्प व्यक्त किया गया है कि यह सरकार सुधारों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए भारत को निकट भविष्य में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम करेगी।

'सेवा तीर्थ' में पहली बार बैठा मोदी मंत्रिमंडल, नये कार्यालय को बताया देश के नवनिर्माण की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति

सिंगापुर में मिले एक लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव, 60 हजार करोड़ के हुए एमओयू : योगी

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ सिंगापुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सिंगापुर में टीम यूपी को लगभग एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उनमें से 60 हजार करोड़ के एमओयू 'इन्वेस्ट यूपी' ने विभिन्न कंपनियों के साथ हस्ताक्षरित किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया आज पूरी तरह पारदर्शी हो चुकी है। निवेशकों को उत्तर प्रदेश में हो रही प्रत्येक गतिविधि की जानकारी है। यही कारण है कि कम समय में ही यूपी को इतना बड़ा निवेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह निवेश प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि उनके साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर व जापान की यात्रा पर आया है। सिंगापुर पहुंचने के बाद सुबह 8:30 बजे से देर रात तक लगातार बैठकें चलीं और दूसरे दिन भी प्रातःकाल से ही कार्यक्रम जारी रहे।

एक नजर

नटराज नगर में बर्तन दुकान से जेवरात की चोरी

बड़कागांव : बड़कागांव के नटराज नगर में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक जेवरात एवं बर्तन दुकान को निशाना बनाया। दुकानदार महेश साव पिता माधव सोनी ने बताया कि दुकान से चांदी का चैन जिसकी कीमत करीब 5000 तथा कांसा पीतल के बर्तन करीब 20000 की चोरी हुई है। घटना की जानकारी बड़कागांव पुलिस को दी गई । पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया एवं जांच में जुट गई।पुलिस का कहना है की आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इलाके में इस घटना के बाद व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

लिटिल एंजल्स पब्लिक स्कूल का 12वां स्थापना दिवस व वार्षिक खेल-कूद 27 फरवरी को

बड़कागांव : प्रखंड के पंचायत तलसवार के ग्राम कोयलंग–करमाटांड़ में अंग्रेजी माध्यम से संचालित लिटिल एंजल्स पब्लिक स्कूल का 12 वां स्थापना दिवस सह वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 27 फरवरी 2026, दिन – शुक्रवार को होगा। जिसकी जानकारी विद्यालय प्राचार्य अजय कुमार ने दी है। प्राचार्य अजय कुमार ने यह भी बताया कि हमारे विद्यालय का 12वां स्थापना दिवस के अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2026 – 2027 के लिए कक्षा नर्सरी से आठवीं तक दिनांक – 25 फरवरी से 28 फरवरी तक निः शुल्क नामांकन लिया जाएगा।

चोरी के फरार अभियुक्त विशाल गिरफ्तार भेजा गया जेल

बड़कागांव : थाना कांड संख्या 117 / 25 अंतर्गत घर में चोरी करने संबंधित मामले को लेकर एक फरार नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर हजारीबाग करावास भेज दिया गया है। उक्त संबंध में बड़का गांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि बड़कागांव मध्य पंचायत अंतर्गत भुंइया टोली निवासी अभियुक्त 28 वर्षीय विशाल भुईंया पिछले कई महीनो से फरार था। गिरफ्तारी के पश्चात उसे जेल भेजा गया है। विशाल पर चोरी का आरोप है।

हाथी भगाने के लिए ग्रामीणों को बांटी गई 45 टॉर्च

बरही : बरही के हाथी प्रभावित गांव (जैसे बधिया जवाड़, पुरहरा, बैरिसाल, तेतरिया, भंडारों, गुड़ियो एवं बेलहरा समेत अन्य प्रभावित गांवों में) वन विभाग द्वारा ग्रामीण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए टॉर्च का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य रात में जंगली हाथियों के आने की सूचना मिलने पर ग्रामीणों को रौशनी की मदद से सतर्क करना और उन्हें सुरक्षित रखना है। वहीं ग्रामीणों को हाथियों से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई। मौके पर मौजूद भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि ग्रामीण हाथी को भगाने में टॉर्च का इस्तेमाल कर सकेंगे, जो ग्रामीणों के लिए लाभदायक साबित होगा। वनरक्षी संजीत कुमार समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

अदाणी फाउंडेशन ने 80 टीबी मरीजों को वितरित किए पोषण किट

- टीबी पोषण वितरण कार्यक्रम का पांचवां शिविर आयोजित
- उपचार के दौरान संतुलित आहार पर दिया गया विशेष जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : अदाणी फाउंडेशन की ओर से टीबी पोषक आहार वितरण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को 80 मरीजों के बीच पोषण किट वितरित किए गए। इसका उद्देश्य मरीजों के उपचार एवं शीघ्र स्वस्थ होने की प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करना था। शिविर का आयोजन चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंजू प्रभा की उपस्थिति में किया गया, जिसमें सीएसआर टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। लाभार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. अंजू प्रभा ने टीबी रोग के लक्षण, बचाव के उपाय एवं उपचार अवधि में संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नियमित दवा सेवन और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर विशेष बल दिया, जिससे पूर्ण रूप से स्वस्थ होने में सहायता मिल सके।

जागरूकता सामग्री का वितरण

शिविर के दौरान टीबी जागरूकता, सावधानियों एवं पोषण संबंधी मार्गदर्शन से संबंधित सूचना-पत्र भी मरीजों के बीच वितरित किए गए, ताकि दी गई जानकारियों को वे व्यवहार में ला सकें।

कार्यक्रम के अंत में यह भी घोषणा की गई कि इस चरण का अगला एवं अंतिम शिविर 17 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। सभी लाभार्थियों को समय पर उपस्थित होकर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने की सलाह दी गई। क्षेत्र में जारी है सीएसआर के तहत अन्य कार्य भी अदाणी फाउंडेशन की ओर से बड़कागांव क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका संवर्धन एवं सामुदायिक विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, पोषण एवं जागरूकता अभियान, स्कूलों में शैक्षणिक सहयोग, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तथा कौशल विकास प्रशिक्षण जैसी पहलें शामिल हैं।

चोचरो पार्क के पर्यटकीय विकास का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने विधानसभा बजट सत्र के दौरान पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री से हजारीबाग एवं कोडरमा जिला से जुड़े तिलैया जलाशय किनारे स्थित चोचरो पार्क के विकास को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाया। विधायक श्री यादव ने पूछा कि क्या यह सही है कि हजारीबाग एवं कोडरमा जिला में निर्मित तिलैया जलाशय के किनारे स्थित चोचरो पार्क प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक आइलैंड है। इस पर विभागीय मंत्री ने स्वीकारात्मक उत्तर दिया। इसके बाद विधायक ने सवाल किया कि क्या चोचरो-2 पार्क पर्यटकीय दृष्टिकोण से एक एडवेंचर स्थल के रूप में विकसित होने की क्षमता रखता है। इस प्रश्न का भी मंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया। इसके उपरांत विधायक मनोज कुमार यादव ने सरकार से स्पष्ट पूछा कि जब दोनों तथ्य सही हैं, तो क्या सरकार चोचरो पार्क के समुचित पर्यटकीय विकास का विचार रखती है। यदि हां, तो यह कार्य कब तक किया जाएगा और यदि नहीं, तो इसके पीछे क्या कारण हैं। इस पर पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि कोडरमा जिलांतर्गत चोचरो पार्क को विभागीय अधिसूचना संख्या-05, दिनांक 12 मार्च 2021 के तहत श्रेणी डी के पर्यटक स्थल के रूप में अधिसूचित किया गया है। हालांकि, उपायुक्त कोडरमा के पत्रांक 51, दिनांक 18 फरवरी 2026 के अनुसार यह स्थल हजारीबाग जिला में अवस्थित है, जिसके कारण कोडरमा जिला से पर्यटकीय विकास कार्य संभव नहीं है।

यशोदा की मेहनत लाई रंग, नेट परीक्षा में लाई 68 वां रैंक, लहराया परचम

प्रोफेसर बनना चाहती हूं : यशोदा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग जिला अंतर्गत का बड़कागांव प्रखंड हमेशा किसी न किसी मामले को सुर्खियों में रहता है। और एक बार फिर बड़कागांव की माटी की एक बेटी ने लगन और मेहनत का परिचय देते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित सीएसआईआर नेट परीक्षा के परिणाम घोषित किया गया। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी पंचायत अंतर्गत ग्राम सोनपुरा निवासी यशोदा कुमारी पिता लखन प्रसाद दांगी एवं माता जयंती देवी की पुत्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है। इनके चाचा पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद हैं। यशोदा कुमारी सीएसआईआर नेट की परीक्षा में रसायन विज्ञान विषय से जेआरएफ ऑल इंडिया में 68 वां रैंक प्राप्त कर अपने परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन की है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। और शुभचिंतकों द्वारा उन्हें लगातार हार्दिक बधाई दी जा रही है। प्रातःआवाज के संवाददाता शमशेर आलम से बातचीत के दरमियान उन्होंने बताया कि खुशी की पहली सीढ़ी है। हमें निरंतर और मेहनत करना है। आगे उन्होंने बताई की मैने मैट्रिक तक की शिक्षा संत मेरी स्कूल बड़कागांव से प्राप्त की।मैट्रिक परीक्षा 2017 में 80.80 % अंक लाकर पास की , और 11 + 12 68% अंक लाकर एवं ग्रेजुएशन सीजीपीए 8.24 लाकर संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग से की। वहीं अपनी पढ़ाई को जारी रखते हुए हमने एमएससी विनोबा भावे यूनिवर्सिटी से 2024 में सीजीपीए 8.25 लाकर फाइनल की। मैने नेट परीक्षा की तैयारी घर में रहकर ऑनलाइन एवं स्थानीय शिक्षकों के सहयोग से करती थी। आगे पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आगे पीएचडी करना एवं प्रोफेसर बनना चाहती हूं। इनके सफलता पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यशोदा की उपलब्धि प्रतिभा दृढ़ता और उत्कृष्ट के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। निश्चित तौर पर आगे भी बड़ी सफलताएं हासिल करेगी।

प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए शिक्षकों को नवीन तकनीक से अद्यतन रहने की जरूरत : शर्मेंद्र कुमार साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मालवीय मार्ग,हजारीबाग में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में विद्यालय परिसर में “कक्षा- कक्ष पाठन में आने वाली चुनौतियाँ एवं उनका निवारण” विषय पर एक दिवसीय इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों से अवगत कराना तथा कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली के प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू तथा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ,मालवीय मार्ग के प्रभारी मनोज कुमार पांडे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में बदलती शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षकों को निरंतर स्वयं को अद्यतन करना आवश्यक है। प्रशिक्षण सत्र का संचालन मणिका कुमारी, आचार्या, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुम्हारटोली सह विषय विशेषज्ञ द्वारा किया गया। उन्होंने कक्षा - कक्ष पाठन के दौरान आने वाली प्रमुख चुनौतियों जैसे विद्यार्थियों की विविध सीखने की क्षमता, ध्यान की कमी, भाषा संबंधी बाधाएँ, तथा तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही इन समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय अधिगम, समूह गतिविधियां, सहपाठी शिक्षण, तथा तकनीक के समुचित उपयोग जैसे उपाय सुझाए गए। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से समस्याओं के समाधान की रणनीतियों को समझा। कार्यक्रम में सहभागी शिक्षकों ने इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

राज्य बजट आंकड़ों का मायाजाल, जनता के मुद्दों से कोसों दूर : मनोज कुमार यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

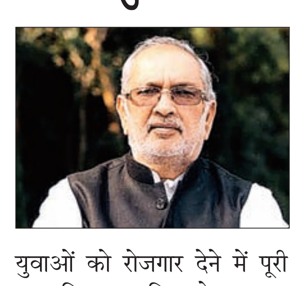

बरही : विधायक मनोज कुमार यादव ने राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आंकड़ों का मायाजाल करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट के माध्यम से विकास के बड़े-बड़े दावे तो किए हैं, लेकिन वास्तविकता में यह बजट राज्य की ज्वलंत समस्याओं के समाधान से पूरी तरह कटा हुआ है। विधायक श्री यादव ने कहा कि झारखंड आज बेरोजगारी, पलायन और किसानों की बदहाली जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन प्रस्तुत बजट में इन मुद्दों के समाधान के लिए कोई ठोस और प्रभावी योजना नहीं दिखाई देती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। मनोज कुमार यादव ने कहा कि यह बजट युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल साबित होगा। राज्य के लाखों शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार की स्पष्ट दिशा और अवसर नहीं मिल पाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि किसानों के हित में भी कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी, सिंचाई व्यवस्था के विस्तार और कर्ज से राहत जैसे मुद्दों पर बजट मौन है। इससे किसानों पर कर्ज का बोझ और बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की बुनियादी सुविधाओं सड़क, बिजली और स्वास्थ्य की अनदेखी की गई है।

बरही के तीन विद्यालयों को एनटीपीसी ने उपलब्ध कराया खेल किट

सांसद के प्रयास से छात्र-छात्राओं को मिली खेल सामग्री, सांसद व विधायक प्रतिनिधि ने किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल व बरही विधायक मनोज यादव के प्रयास से एनटीपीसी द्वारा बरही क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में खेल किट उपलब्ध कराया गया। इसके तहत परियोजना बालिका उच्च विद्यालय बरही, प्लस टू उच्च विद्यालय बरही एवं प्लस टू उच्च विद्यालय गौरियाकरमा को खेल सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद सह प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, रामस्वरूप पासवान, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, बरही पश्चिमी मंडल सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, बरही पूर्वी मंडल प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, मुखिया समशेर आलम, मुखिया प्रतिनिधि राजन ओम मुख्य रूप से उपस्थित थे। सांसद व विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि बहुत जल्द परियोजना बालिका उच्च विद्यालय को प्लस टू कराने का प्रयास सांसद हजारीबाग व बरही विधायक के द्वारा किया जा रहा है जो जल्द ही प्लस टू परियोजना बालिका उच्च विद्यालय हो जाएगा। विद्यालय के बच्चों को सम्बोधित करते हुए विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कहा कि सांसद मनीष जयसवाल शिक्षा के साथ-साथ खेल के विकास के प्रति भी प्रतिबद्ध हैं। विद्यार्थियों को खेल सामग्री उपलब्ध कराना उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि खेल से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस प्रकार की पहल से ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। सांसद सह प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, रामस्वरूप पासवान, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, मोतीलाल चौधरी व मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने संयुक्त रूप से कहा कि एनटीपीसी द्वारा उपलब्ध कराई गई खेल सामग्री से विद्यालयों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और छात्र-छात्राएं जिला एवं राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। वितरित खेल सामग्री में क्रिकेट किट, फुटबॉल किट, वॉलीबॉल किट, बैडमिंटन किट तथा फर्स्ट एड किट शामिल हैं। विद्यालय परिवार ने सांसद मनीष जयसवाल, बरही विधायक मनोज यादव एवं एनटीपीसी के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार यादव, मंडल महामंत्री प्रमोद चंद्रवंशी, राजकुमार केशरी, कैलाशपति सिंह, परियोजना बालिका उच्च विद्यालय प्रधानाध्यापक रविकांत ओम, प्लस टू उच्च विद्यालय प्रधानाध्यापक शिव कुमार, शिक्षक सुनील द्विवेदी समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चलकुशा प्रखंड मुख्यालय का महीनों से लोग लगा रहे हैं चक्कर, नहीं हो रहा है कोई काम

चलकुशा : प्रखंड मुख्यालय में इन दिनों कर्मचारियों द्वारा लापरवाही बरतने की बात सामने आ रही है जिससे आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है प्रति दिन कार्यालय की ताला समय से लेट खुलती है अंचल कार्यालय की स्थिति ऐसी है की मंगलवार को कार्यालयों की ताला दोपहर के लगभग 2 बजे खुली थी वहीं प्रखंड मुख्यालय में वृद्धा पेंशन,विधवा पेंशन, राशन कार्ड जन्म प्रमाण पत्र जैसी समस्या को लेकर बारियोंन के बिरहोर परिवार से आने वाले लोग लगभग 1 महीनों से प्रखंड मुख्यालय का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनका काम नहीं हो रहा है बिरहोर परिवार की परेशानी देख कर प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी और मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह ने तुरंत पंचायत सचिव,अंचलाधिकारी और संबंधित अधिकारियों से बात की जिसमें पंचायत सचिव के द्वारा बोला गया कि को भी कागजी प्रक्रिया है उसके अनुसार काम किया जा रहा है जिसके बाद जनप्रतिधियों ने कहा कि अगर इनलोगों की समस्या का समाधान जल्द से जल्द नहीं होता है तो हमलोग धरना प्रदर्शन करेंगे वहीं लोगों का यह भी कहना है।

अबुआ दिशोम बजट जन आकांक्षाओं को साकार करने वाला बजट है : मुन्ना सिंह

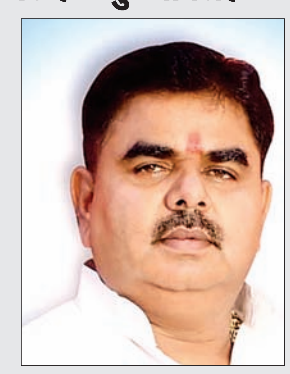

हजारीबाग : हजारीबाग में पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी एवं कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के अबुआ दिशोम बजट का स्वागत करते हुए इसे राज्य की जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं का दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों, महिलाओं और युवाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जो झारखंड के समग्र विकास की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। मुन्ना सिंह ने कृषि, रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की विशेष सराहना करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में बढ़ाया गया निवेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और युवाओं को नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इसे केवल आंकड़ों का लेखा–जोखा नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को सशक्त बनाने की ठोस कार्ययोजना बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह बजट जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सरकार व जनता के बीच विश्वास का सेतु बनकर राज्य के विकास को नई दिशा देगा।

हड़ताल से निबटने के लिए विद्यालय की शिक्षिकाएं बनी रसोइया, बच्चों को खाना बना खिलाया

बरही : झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण प्रखंड के कई विद्यालयों में मध्याह्न भोजन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। हड़ताल के कारण रसोइयों के काम पर नहीं आने के कारण प्रखंड के कई विद्यालयों में शिक्षिकाओं ने स्वयं खाना बनाकर बच्चों को परोसा, ताकि उनकी पढ़ाई और पोषण प्रभावित ना हो। इसी क्रम में राजकीय मध्य विद्यालय तिलैया बस्ती की प्रधानाध्यापिका कुमारी निर्मला पंडित समेत अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने रसोइया का काम किया और मध्याह्न भोजन बना बच्चों को भोजन परोसा। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कुमारी निर्मला पंडित ने कहा कि विद्यालय हमारा परिवार है, और विद्यालय के छात्र हमारे बच्चे समान है। इसीलिए बच्चों का ध्यान रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। बता दें कि रसोइया अपनी सात सूत्री मांग को लेकर 18 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है, रसोइया संघ की मुख्य मांगों में मानदेय में वृद्धि, सेवा का स्थायीकरण, मेडिकल सुरक्षा, 10 लाख का बीमा, बकाया मानदेय का भुगतान, पीएफ एवं पेंशन योजना का लाभ आदि शामिल है।

श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई संत गाडगे महाराज जयंती समाज सुधार और संगठन विस्तार का लिया गया संकल्प

चौपारण : महान समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की जयंती अखिल भारतीय धोबी महासंघ, इकाई चौपारण के तत्वावधान में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उनके जीवन आदर्शों को याद करते हुए समाज के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया गया। संत गाडगे महाराज का वास्तविक नाम देबूजी जिंगराजी जनोरकर था। उनका जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती क्षेत्र में हुआ था। वे वैज्ञानिक सोच, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन दलित वंचित एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा, अंधविश्वास उन्मूलन और समाज जागरूकता के लिए समर्पित कर दिया। गाडगे महाराज गांव–गांव घूमकर स्वयं सफाई करते थे और लोगों को शिक्षा, समानता तथा सद्भाव का संदेश देते थे। धर्म के नाम पर आडंबरों का विरोध करते हुए उन्होंने सेवा को ही सच्चा धर्म बताया। इसी क्रम में आयोजित बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार रजक ने की तथा मंच संचालन चंद्रदेव रजक ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से सेलहार पंचायत इकाई का गठन किया गया, जिसमें अर्जुन रजक को अध्यक्ष, लक्ष्मण रजक को सचिव और विनय कुमार रजक को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है। बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने, नशा और अंधविश्वास से दूर रहने तथा सामाजिक एकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने संत गाडगे महाराज के बताए मार्ग पर चलकर स्वच्छ, शिक्षित और संगठित समाज बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुखिया संघ अध्यक्ष वीरेंद्र रजक, प्रयाग रजक, जितेंद्र रजक, दिलीप रजक, रामचंद्र रजक और प्रकाश रजक सहित प्रखंड के रजक समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी ने संत गाडगे महाराज के आदर्शों को जीवन में अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

एक नजर

संतुलित, विकासोन्मुखी जनकल्याणकारी बजट : राजु महतो

सिल्ली : मंगलवार को झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश होने पर झामुमो छात्र मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सह छात्र नेता राजु महतो ने इस आम बजट की जमकर तारीफ करते हुए इसे। संतुलित, विकासोन्मुखी, जनकल्याणकारी बजट बताया है। राजु महतो ने कहा कि इस बजट में शिक्षा, कृषि,स्वास्थ्य,रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना को प्राथमिकता देने की बात कही। बजट में ग्रामीण सड़कों, सिंचाई, पेयजल, सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के कौशल विकास के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। बजट में विशेष रूप से ग्रामीण परिवेश को सशक्त बनाने वाला है और गांवों के सर्वांगीण विकास की दिशा में मजबूत आधार तैयार करेगा। यह बजट गांव, गरीब, किसान और महिलाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है । इससे ग्रामीण आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी और आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

बजट आकार बढ़ना झारखंड के विकास के लिए जरूरी : डॉ हरिश्वर

रांची: अर्थशास्त्री डॉ हरिश्वर दयाल ने झारखंड विधान सभा में बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट राशि में की गई वृद्धि को सही ठहराते हुए इसे विकासोन्मुख बताया है। डॉ हरिश्वर दयाल ने मंगलवार को बताया कि राज्या के 9 प्रतिशत वृद्धि अच्छी मानी जाएगी, क्योंकि जो हमारा आर्थिक विकास दर है उससे ज्यादा हम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से फिजीकल ऑटोनोमी की तरफ बढ रहे हैं वह अच्छी पहल है। इसके बाद अगर बजट की संरचना को देखेंगे तो उसमें विकासीय मदों पर ज्यादा खर्च है रही है। बजट में योजनाओं पर ज्यादा खर्च किया गया है, जबकि स्थापना मद में कम खर्च हो रहा है जो सही पहल है। उन्होंने कहा कि इससे विकास ज्यादा प्रभावित होगा। डॉ दयाल ने बताया कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य पर विशेष प्रावधान स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने कहा कि कैंसर पीड़ितों के लिए हर मेडिकल कॉलेज हास्पिटल में किए गए प्रावधान को लेकर प्री-बजट कंसल्टेशन में चर्चा भी की गई थी।

झारखंड में बारिश से चार डिग्री गिरा तापमान

रांची: झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में हुई बारिश से तापमान में चार डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। आनेवाले तीन से चार दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक बारिश पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ में 28.2 मिमी रिकार्ड की गई। पिछले 24 घंटों में राज्य में जिन इलाकों में बारिश हुई उनमें कांके के बीएयू के पास 19.2 मिमी, हजारीबाग के बरही में 12.2 मिमी, मझगांव में 12.4, रांची में 9.6, हजारीबाग डीवीसी इलाके में 9.2, गुमला के बिशुनपुर में 8.5, लोहरदगा में 8.5 मिमी, लातेहार जिले के बालूमाथ में 08 मिमी, रामगढ़ में 7.8 मिमी, गोविंदपुर और रांची के मांडर में 6.4 सहित कई इलाकों में बारिश रिकॉर्ड की गई। विभाग के अनुसार, मंगलवार की देर शाम तक राज्य के उत्तर-पश्चिमी भाग को छोड़कर शेष भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हलके दर्जे की बारिश होने की संभावना है।

कैबिनेटः राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 30 हजार पेंशन देगी सरकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के विभिन्न प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों द्वारा पूर्व में नामांकित अभ्यर्थियों को राज्य सरकार ने राहत देने का फैसला किया है। इसके लिए मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में तय नियमों को एक बार क्षांत करने का फैसला लिया गया है। इस फैसले से वैसे छात्र जो झारखंड संयुक्त प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा पर्षद के द्वारा काउंसिलिंग के आधार पर नहीं, सीधे प्राइवेट नर्सिंग कॉलजों द्वारा नामांकित कर लिए गए थे, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल सकेगी। जानकारी के अनुसार निजी नर्सिंग कॉलेजों द्वारा अपनी संस्था को तकनीकी मान्यता नहीं मिलने तथा कतिपय अन्य अनियमितताओं के बावजूद नर्सिंग कोर्स में नामांकन ले लिया था। इस कारण झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलोजी द्वारा उनकी परीक्षा नहीं ली जा रही थी। ऐसे नामांकित अभ्यर्थियों की वर्षों से परीक्षा नहीं हो पा रही थी। अब राज्य सरकार द्वारा छूट दिए जाने के बाद वे परीक्षा

में बैठ सकेंगे और नर्सिंग की डिग्री प्राप्त कर सकेंगे। निकाय चुनाव को लेकर जारी आचार संहिता के कारण आज कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय की प्रेस ब्रीफिंग नहीं की गयी। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुल 22 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी। एक को स्थगित कर दिया गया। इनमें लगभग एक दर्जन फैसले कोर्ट के आदेश से जुड़े थे। इसमें अलग-अलग स्तर के खिलाड़ियों के कम से कम 12 हजार और अधिकतम 30 हजार रुपये पेंशन देने के मामले में कैबिनेट की सहमति मांगी गई थी। कैबिनेट ने विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया।

अब नेतरहाट आवासीय विद्यालय में नियुक्तियां जेपीएससी या जेएसएससी करेगी

राज्य सरकार ने मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति संबंधी नियमावली में बड़ा बदलाव किया है। यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि 2010 में नेतरहाट विद्यालय को दी गयी स्वायतता के बाद स्कूल का रिजल्ट लगातार खराब होता जा रहा था। देश का प्रीमियर इंस्टीट्यूट होने के बाद भी यहां बच्चे फेल करने लगे थे। तीन साल पहले विद्यालय का एक छात्र केमेस्ट्री की परीक्षा में फेल कर गया था। पूर्व में नियुक्ति का अधिकार एक्स चेयरमैन को था, जो सभापति होते थे। सभापति कोई एक्स नेतरहाटीयन हुआ करता था। इसके लिए कोई योग्यता निर्धारित नहीं थी। लेकिन अब सभापति के लिए योग्यता निर्धारित कर दी गयी है। अब इस पद पर नियुक्ति के लिए कला, संस्कृति, विज्ञापन, प्रबंधन या कई अन्य क्षेत्रों में 10 वर्ष का अनुभव जरूरी होगा। यह भी बदलाव किया गया है कि अब विद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति जेपीएससी या जेएसएससी के माध्यम से होगी। यहां मालूम हो कि राज्य सरकार ने लगभग डेढ़ महीने पहले नेतरहाट आवासीय विद्यालय संचालन नियमावली को भी स्वीकृति दी थी। उसमें चार बॉडी का गठन किया गया था। एपेक्स बॉडी मुख्यमंत्री, जेनरल बॉडी विभागीय मंत्री, तीसरा कार्यकारिणी समिति सभापति की अध्यक्षता में गठित करने का प्रावधान किया गया है। यहां सभापति अब एक्स नेतरहाटीयन होंगे, लेकिन उनके लिए योग्यता निर्धारित कर दी गयी है। और चौथा विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया गया है।

अबुआ आवास का निर्माण क्षेत्र के लोगों के रहन-सहन के अनुरूप होगा

कैबिनेट की बैठक में चाईबासा क्षेत्र में अबुआ आवास निर्माण संबंधी प्रस्ताव भी रखा गया। इसमें एसबेस्टस और सीट से निर्माण की बात कही गयी थी। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव को स्थगित करते हुए ग्रामीण विकास विभाग को नये सिरे से प्रस्ताव देने का निर्देश दिया है। उसमें उस क्षेत्र के लोगों के रहन सहन को ध्यान में रखते हुए अबुआ आवास निर्माण की प्रक्रिया निर्धारित करने की बात कही गयी है।

प्रगतिशील झारखंड का रोडमैप है बजट : शशि भूषण राय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि भूषण राय ने वित्त वर्ष 2026-27 के 'अबुआ दिशोम बजट' की सराहना करते हुए इसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वित्त मंत्री की दूरदर्शी सोच और कुशल नेतृत्व का परिचायक बताया है, जो सीधे तौर पर राज्य की सवा तीन करोड़ जनता की उम्मीदों और भरोसे को समर्पित है, यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि राज्य के सवा तीन करोड़ लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी, गठबंधन सरकार के एक सक्रिय और संकल्पित साझेदार के रूप में, राज्य के इस समावेशी विकास एजेंडे के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री मंईयां

सम्मान योजना के जरिए महिलाओं को सशक्त करने और शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी बुनियादी ढांचा तैयार करना है। राय के अनुसार, यह बजट केवल वित्तीय आवंटन नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की एक ईमानदार कोशिश है, जो जल-जंगल-जमीन की रक्षा के साथ-साथ झारखंड को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगा।

झारखंड विधानसभा में बालू घाटों की कैटेगरी पर बहस, मंत्री ने कहा-ग्रामसभा की अनुमति अनिवार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन कोलेबिरा से कांग्रेस विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने बालू घाटों की कैटेगरी व्यवस्था को लेकर सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में बालू घाटों को अलग-अलग कैटेगरी में विभाजित किया गया था। पेशा नियमावली का हवाला देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामसभा की सहमति के बिना किसी भी प्रकार की टेंडर प्रक्रिया नहीं की जा सकती। विधायक ने सवाल उठाया कि क्या सरकार कैटेगरी-वन और कैटेगरी-टू की व्यवस्था समाप्त कर पूर्व की तरह बिना कैटेगरी का नियम लागू करने पर विचार कर रही है। इस पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बताया कि पहले बालू घाट बिना कैटेगरी के लघु खनिज के अंतर्गत आते थे, लेकिन अब उन्हें श्रेणीबद्ध किया गया है। उन्होंने कहा कि नई नियमावली के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा की अनुमति के बिना कोई भी खनिज पट्टा जारी नहीं किया जा सकता। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि झारखंड रेत खनन खनिज नियम के अनुसार, बालू घाटों की नीलामी जिला स्तर पर टेंडर प्रक्रिया से की जाती है। किसी भी बालू घाट की लीज ग्रामसभा की अनुमति के बिना जारी नहीं होगी। हालांकि विधायक कोनगाड़ी ने दोहराया कि उनका मुख्य प्रश्न यह है कि सरकार कैटेगरी व्यवस्था को समाप्त करना चाहती है या नहीं। उन्होंने कैटेगरी-टू के टेंडर शर्तों में अनुसूचित क्षेत्रों की आदिवासी समितियों के खनन अधिकारों के हनन का मुद्दा भी उठाया। मंत्री ने जवाब में कहा कि कैटेगरी-वन के अंतर्गत बालू खनन का अधिकार सीधे ग्राम समिति को दिया जा रहा है।

झारखंड विधानसभा में गूंजा नदियों के प्रदूषण का मुद्दा, दामोदर में अतिक्रमण पर सरकार सख्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन मंगलवार को सदन में नदियों के प्रदूषण और कथित अतिक्रमण का मामला प्रमुखता से उठा। जमशेदपुर पश्चिम से विधायक सरयू राय ने इस मुद्दे को सदन में उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। विधायक ने विशेष रूप से दामोदर नदी में बढ़ते प्रदूषण और अतिक्रमण का प्रश्न उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या नागरिक प्रयासों से औद्योगिक प्रदूषण से लगभग मुक्त हुई दामोदर नदी फिर से प्रभावित हो रही है। सवाल में आरोप लगाया गया कि दामोदर घाटी निगम के चंद्रपुरा ताप विद्युत गृह के ऐश पॉन्ड विस्तार के दौरान नदी क्षेत्र में अतिक्रमण हुआ है। साथ ही बोकारो ताप बिजली घर की क्षतिग्रस्त

पाइपलाइन से दूषित बहिस्त्राव के कोनार नदी में गिरने की बात कही गई। इसके अलावा राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम पर टंडवा क्षेत्र में कोयला खनन से निकले दूषित पानी को सीधे दामोदर नदी में प्रवाहित किए जाने का आरोप भी लगाया गया। विधायक के सवाल के जवाब में राज्य के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार मामले को गंभीरता से ले रही है। पूरे प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई थी, जिसने अपनी जांच पूरी कर आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। मंत्री ने बताया कि विभाग को प्रत्येक माह प्रगति रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिससे कि प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

झारखंड बजटः शिक्षा, आवास, किसान और पर्यटन पर बड़ा फोकस–अब चुनौती क्रियान्वयन की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 100 नए उत्क्रिस्ट विद्यालय सीएम स्कूल ऑफ एक्सलेंस के संचालन का प्रावधान बजट में किया गया है। हम पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे, इस मुहिम को लेकर अबुआ सरकार ने अपना इरादा स्पस्ट किया है। 4100 करोड़ अबुआ आवास योजना के लिए लेकर हर गरीब को छत मुहैया करवाने की प्रतिबद्धता दिखाई है। किसानों के हालात में सुधार के लिए सरकार ने कर्ज मुक्त किसान की धारना को परिलक्षित किया है। महिलाओं किसी परिवार की रीढ़ होती हैं और साकार ने बजट में महिला को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया गया है। पर्यटन के क्षेत्र में रांची जिलान्तर्गत दशम जलप्रपात में ग्लास ब्रिज का निर्माण, जोन्हा जलप्रपात्त में ग्लास ब्रिज एवं रोप वे का निर्माण तथा हुण्डरू जलप्रपात

रोप वे का विकास की योजनायें ली गई हैं। इसके अलावा रामगढ़ जिलान्तर्गत रजरप्पा में पर्यटकीय विकास के साथ-साथ पतरातु में स्काइवोंक एवं पतरातु जलाशय में सोलर बोट तथा फ्लोटिंग रेस्टोरेन्ट का अधिष्ठापित करने को भी बजट में शामिल किया गया है। पर्यटन की बढ़ावा देकर राज्य को विश्व स्तर पर स्थापित करने का संकल्प दिखाया गया है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत तमाम विपक्षी दलों ने की बजट की आलोचना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में पेश किए गए राज्य बजट को लेकर विपक्षी नेताओं ने सरकार पर तीखे सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक सरयू राय और जेएलकेएम के विधायक जयराम महतो ने बजट को अव्यावहारिक, निराशाजनक और केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित बताया है। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बजट राशि के प्रभावी उपयोग में विफल रहने का आरोप लगाया है ।मंगलवार को विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ष बड़ा बजट पेश करती है, लेकिन

उसे समय पर और प्रभावी तरीके से खर्च नहीं कर पाती। कई विभागों में आवंटित राशि लंबित रह जाती है, जिससे विकास कार्य अधूरे रह जाते हैं। मरांडी ने कहा कि राज्य में आज भी लोग सड़क, नाली, पेयजल और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार आंकड़ों का खेल खेल रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अपनी प्रशासनिक कमजोरियों को छिपाने के लिए केंद्र सरकार पर दोष मढ़ती है।

सरयू राय ने बजट को बताया निराशाजनक

विधायक सरयू राय ने राज्य सरकार के बजट को निराशाजनक करार दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई नई सोच या ठोस पहल नजर नहीं आती और यह मूल रूप से पिछले बजट की पुनरावृत्ति प्रतीत होता है। विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पुराने प्रावधानों को नए शब्दों में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन इसमें दूरगामी और प्रभावी योजनाओं का अभाव है। उन्होंने कहा कि राज्य को ऐसे बजट की आवश्यकता है, जो वास्तविक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करे और आर्थिक अनुशासन के साथ विकास की स्पष्ट रूपरेखा दे।

सिर्फ कागजों में लोकलुभावन बजट : जयराम महतो

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के विधायक जयराम महतो ने भी बजट पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे कागजों पर लोकलुभावन बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट में आकर्षक घोषणाएं और बड़ी योजनाएं जरूर दिखाई देती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका असर नजर नहीं आता।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से पूर्व मुख्य सचिव सुधीर त्रिपाठी ने की शिष्टाचार भेंट

रांची : संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राज्य के पूर्व मुख्य सचिव सुधीर त्रिपाठी ने लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान राज्य के प्रशासनिक अनुभवों, विकास संबंधी विषयों एवं समसामयिक मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। राज्यपाल ने उनके दीर्घ प्रशासनिक योगदान की सराहना की। यह मुलाकात सौजन्यपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय सामूहिक पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मण्डल के रंग रंगीलो श्री श्याम फागन अमृत महोत्सव में मंगलवार को श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय सामूहिक पाठ का आयोजन किया गया। धनबाद से आए पंकज मोदी एवं पंकज सांवरिया ने भजनों की गंगा बहाते हुए गणेश जी महाराज के चरणों में प्रथम आराधना लगाते हुए कार्यक्रम का प्रारंभ किया। भव्य शोभा यात्रा श्री श्याम मित्र मंडल शोभा यात्रा कल मंदिर सेवा सदन पत्र बड़ा तालाब के पास से प्रारंभ होगा। इस शोभा यात्रा की तैयारी भव्य पैमाने पर चल रही है। लक्ष्मी नारायण मंदिर में मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया ने विधि विधान के साथ गणेश पूजन के साथ तैयारी का प्रारंभ करवाया। इसी क्रम में आज मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया महामंत्री गौरव अग्रवाल मंत्री पंकज गाड़ोदिया विष्णु चौधरी उपमंत्री आदित्य लोहिया प्रवीण सिंघानिया प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल एवं सैकड़ो श्याम सेवकों ने आज ध्वजा निशान बांधकर को स्थापित किया। निशान धारियों के साथ भव्य यात्रा में राजस्थान की कलाकार सर पर धूप धवन की सिगड़ी लेकर बाबा के रथ के आगे चलेंगे। गुजरात का डांडिया आकर्षण का केंद्र रहेंगे। पुरी यात्रा में शहर की गणमान्य संस्थाएं निशन धारियों का स्वागत पूरे रास्ते करेंगी। श्री राम जय राम जय जय राम श्री राम जय राम राम भजनों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था।

आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत कदम है झारखंड का बजट : कमलेश

रांची: राज्य सरकार सरकार की ओर से पेश किए गए आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि बजट राज्य के समग्र विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने मंगलवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट न केवल मौजूदा जरूरतों को ध्यान में रखता है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के समाधान की भी स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। कमलेश ने कहा कि सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संतुलित और प्रभावी प्रावधान किया है। ग्रामीण विकास और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं का विस्तार राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देगा। सिंचाई, सड़क और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं पर बढ़ा हुआ निवेश ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को कम करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग के लिए रोजगार सृजन, कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान अत्यंत सराहनीय हैं। इससे राज्य के युवाओं को अपने ही प्रदेश में बेहतर अवसर मिलेंगे और पलायन की समस्या में कमी आएगी।

झारखंड आंदोलनकारियों का विधानसभा मार्च 10 मार्च से

रांची: झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा मांगों को लेकर में 10 मार्च से अनिश्चितकालीन विधानसभा मार्च करेगा। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ होगी। यह जानकारी मंगलवार को मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने दी। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रर्दशन कार्यकर्मों की लिखित सूचना मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन को दे दी है। पुष्कर महतो ने कहा कि आंदोलनकारी रहने-खाने की व्यवस्था के साथ विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि मोर्चा की स्वाभिमान और अधिकार की लड़ाई जारी रहेगी। महतो ने बताया कि राज्य गठन के बाद 3503 आंदोलनकारियों का निधन हो चुका है और उनके आश्रित उपेक्षा झेल रहे हैं। आंदोलनकारियों ने सम्मान और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया है। मोर्चा की मांग है कि जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी झारखंड आंदोलनकारियों को 50-50 हजार रुपये सम्मान पेंशन दी जाए। साथ ही आंदोलनकारियों के आश्रितों के अधिकारों की रक्षा और दिशोम गुरु शिबू सोरेन को गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से सर्वोच्च सम्मान दिया जाए।

हिंडालको कंपनी मुरी की ओर से निःशुल्क चश्मा का किया गया वितरण

सिल्ली : हिंडालको कंपनी मुरी के सीएसआर विभाग की ओर से बांसारुली पंचायत भवन एवं विसरिया पंचायत भवन में निशुल्क लाभुकों के बीच में चश्मा का वितरण बुधवार को सुबह 8.00 बजे से किया जाएगा। बताते चले कि इसके पूर्व में हिंडालको कंपनी मुरी के द्वारा निशुल्क नेत्र जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन दोनों पंचायत में किया गया था इसके तहत वितरण किया जा रहा है। इसकी जानकारी हिंडालको सीएसआर विभाग के अनिल सिंह ने दिया।

एक नजर

होली पर्व को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

मरकच्चो : होली पर्व को लेकर मंगलवार को मरकच्चो थाना में शांति समिति की बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता सी ओ परमेश्वर कुशवाहा ने की। जबकि संचालन उत्तरी पंचायत के मुखिया रंजीत कुमार सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व प्रमुख मरकच्चो सावित्री देवी, थाना प्रभारी नन्दकिशोर तिवारी एस आई गोविंद सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में होली पर्व शांति व सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में शराब बेचने वालों, शराब पीने वालों, व हुड़दंग मचाने वाले, सड़को पर पानी बहाने वालों, तीन दिन हाइवा पर पूरी तरह से रोक, हुड़दंगियों से सख्ती से निपटा जायगा। थाना प्रभारी नन्दकिशोर तिवारी ने कहा कि होली के दिन हुड़दंग करने वाले शराबियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सी ओ परमेश्वर कुशवाहा ने कहा कि होली के दौरान अशांति फैलाने वाले हुड़दंगियों से शक्ति से निपटा जाएगा व कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में समाजसेवी सुरेन्द्र प्रताप सिंह, जिला महामंत्री भाजपा विजय यादव, बिससुत्री अध्यक्ष रविशंकर सिंह, पुर्व मुखिया दिवाकर तिवारी, रवींद्र पांडेय, एम चंद्रा, पंसस धानेश्वर यादव, उपेंद्र यादव, अणेश्वर सिंह एसआई विशाल कुमार सिंह, एसआई गोविंद समेत कई ग्रामीण व थाना कर्मी मौजूद थे।

तोरपा विधायक ने विस में उठाई बानो व तोरपा को अनुमंडल बनाने की मांग

सिमडेगा : तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदीप गुड़िया जी ने विधानसभा में क्षेत्र के विकास एवं प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिमडेगा जिला के बानो प्रखंड एवं खूंटी जिला के तोरपा प्रखंड को अनुमंडल का दर्जा देने की मांग उठाई। विधायक ने सदन में कहा कि बानो प्रखंड जिला मुख्यालय सिमडेगा से लगभग 65 किलोमीटर तथा तोरपा प्रखंड जिला मुख्यालय खूंटी से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दोनों प्रखंड अनुमंडल बनने की सभी आवश्यक अहताएं पूर्ण करते हैं, इसके बावजूद स्थानीय लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रशासनिक सुविधा एवं क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए बानो एवं तोरपा प्रखंड को शीघ्र अनुमंडल का दर्जा दिया जाए, ताकि आम जनता को सरकारी सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सके।

एस एस स्कूल बांसजोर में शिक्षकों का श्रमदान, स्कूल विकास की अनूठी पहल

सिमडेगा : एस एस स्कूल बांसजोर के शिक्षकों ने विद्यालय के विकास के लिए श्रमदान कर एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। विद्यालय परिसर की साफ–सफाई, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्य में शिक्षकों ने स्वयं भाग लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। इस अभियान में अलोक कुमार सिन्हा, लक्ष्मीनारायण सिंह, नरेश कुमार, अम्बेश्वर सिंह, आशा रानी, पूनम खलखो, शालीमा कुल्लू, सुष्मिता कुमारी तथा अजीत यादव ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिक्षकों का उद्देश्य छात्रों को स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता का संदेश देना था। इस पहल से विद्यालय का वातावरण बेहतर हुआ और समुदाय में सकारात्मक संदेश गया। ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की पहल अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

रसोईया दीदियों के साथ अन्याय और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : अजय एक्का

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ठेठईटांगर : पश्चिमी के जिला परिषद सदस्य सह संयोजक आदिवासी छात्रसंघ अजय एक्का ने रसोईयाओं के पिछले 18 फरवरी से जारी हड़ताल को लेकर रसोईया संघ के सचिव एवं अन्य सदस्यों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए रसोईया बहनों ने अपनी समस्याओं और मांगों को रखते हुए कहा कि सरकार हमारी मांगों के प्रति उदासीन है उन्होंने यह भी कहा कि हमलोग वर्षों से दिनभर विभिन्न जोखिमों को उठाते हुए विद्यलयों में खाना बनाने का काम करते हैं लेकिन हमारा मानदेय सम्मानजनक नहीं है। जिप सदस्य अजय एक्का ने कहा कि झारखंड राज्य के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन बनाने वाली रसोईया दीदियाँ अपनी विभिन्न जायज मांगों जैसे मानदेय में वृद्धि, कार्य का नियमितीकरण तथा सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर आंदोलनरत हैं। इस हड़ताल के कारण विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई और पोषण व्यवस्था दोनों गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि राज्य सरकार माईया सम्मान योजना के अंतर्गत ?2500 प्रतिमाह मुफ्त राशि दे रही है, लेकिन जो महिलाएँ प्रतिदिन लगभग छह घंटे विद्यालयों में मेहनत कर बच्चों के लिए भोजन तैयार करती हैं, उन्हें मात्र ?2000 प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है। यह न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण भी है। इतनी अल्प राशि में किसी भी परिवार का भरण-पोषण संभव नहीं है। अजय एक्का ने कहा कि झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। शिक्षा और पोषण जैसे संवेदनशील विषयों पर सरकार की उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है। रसोईया दीदियाँ वर्षों से समर्पित भाव से कार्य कर रही हैं, फिर भी उनकी मांगों को लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि रसोईया दीदियों का मानदेय तत्काल सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाया जाए। उनके कार्य को नियमित कर स्थायी सेवा शर्तें लागू की जाएँ। सामाजिक सुरक्षा, बीमा एवं पेंशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो यह आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। अंत में उन्होंने कहा कि वे बच्चों के हित, शिक्षा के भविष्य और मेहनतकश रसोईया दीदियों के सम्मान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहेंगे।

डीसी-एसपी ने लिया मतगणना केंद्र का जायजा, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत मतगणना की तैयारियों का जायजा लेने हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे ने सिमडेगा कॉलेज, सिमडेगा में बने स्ट्रांग रूम एवं प्रस्तावित मतगणना केंद्र का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई मतपेटियों की सुरक्षा व्यवस्था का गहन अवलोकन किया तथा वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों को चौबीसों घंटे सतर्क रहकर कड़ी निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सीसीटीवी निगरानी, प्रवेश-नियंत्रण व्यवस्था तथा सुरक्षा रजिस्टर के नियमित संधारण पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस अवसर पर मतगणना केंद्र में आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे टेबल व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास मार्ग तथा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो, सभी निवार्ची पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

विधानसभा सत्र में विधायक भूषण बाड़ा ने की वन आधारित आजीविका को मजबूत करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने विधानसभा सत्र के माध्यम से ग्राम स्तर पर संग्रहण व प्रसंस्करण केंद्र खोलने की मांग की है। विधायक भूषण बाड़ा ने मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान सवाल पूछते हुए कहा कि सिमडेगा जैसे आदिवासी बहुल जिले में जंगल केवल पर्यावरण का विषय नहीं बल्कि ग्रामीण जीवन और आर्थिक स्थिरता की रीढ़ है। भूषण बाड़ा ने सदन में कहा कि सिमडेगा के हजारों परिवार आज भी महुआ, चिरौंजी, साल बीज, लाह, करंज और अन्य लघु वनोपज पर निर्भर हैं। जंगल ही जिले में आजीविका का साधन, परंपरा का हिस्सा और अर्थव्यवस्था की धड़कन है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे जिलों में आजीविका उन्नयन को प्राथमिकता देनी चाहिए। ताकि ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। सदन में उठाए गए दूसरे प्रश्न में भूषण बाड़ा ने कहा कि खंडझ1 में वगीर्कृत सिमडेगा जिला वन आधारित आजीविका मिशन के लिए चयनित होने के बावजूद आज तक योजना शुरू नहीं हो सकी है। इस देरी को उन्होंने ग्रामीण पलायन का बड़ा कारण बताया। उनके अनुसार मिशन शुरू न होने से लघु वनोपज का प्रसंस्करण, उचित पैकेजिंग और मार्केटिंग की सुविधाए जिले तक नहीं पहुँच पाईं। इस कारण पारंपरिक वनवासियों और ग्रामीणों को अपने उत्पाद का सही मूल्य नहीं मिल पाता। यदि मिशन शुरू होता तो गाँव की महिलाएँ और युवक संगठित रूप से उत्पादों का एकत्रीकरण, प्रसंस्करण और पैकेजिंग कर पाते। जिससे उनकी आय में 40झ60% तक वृद्धि संभव थी। परंतु व्यवस्था के अभाव में अभी भी ग्रामीण कच्चा माल औनेझपौने दामों पर व्यापारी बिचौलियों को बेचने को मजबूर हैं। विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि प्रक्रियाकरण इकाइयों और बाजार लिंक की कमी के कारण युवाओं का बाहर पलायन बढ़ रहा है। उन्होंने इस स्थिति को जिले के भविष्य के लिए चिंताजनक बताते हुए सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की।

यह अबुआ दिशोम नहीं पिछुआ करोम बजट है : डॉ नीरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मंगलवार को झारखंड विधानसभा में प्रस्तुत बजट अबुआ दिशोम बजट नहीं पिछुआ करोम बजट है। यह राज्य को आगे ले जाने वाला नहीं बल्कि विकास के मामले में पीछे करने वाला बजट है। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने आज राज्य के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि एक ओर जहां बजट भाषण के दौरान संसदीय कार्य मंत्री, वित्त विभाग राधाकृष्ण किशोर जी ने यह दावा किया कि मईया सम्मान योजना में भुगतान के बाद भी 78 हजार करोड रुपए की राशि राजकोष में उपलब्ध है। वहीं केंद्र सरकार का आर्थिक सहयोग नहीं होने और केंद्रीय करों में हिस्सेदारी नहीं मिलने का रोना भी रोए। आखिर यह दो तरफा बातें क्यों। अगर राज्य में राशि का अभाव नहीं है तो फिर विकास योजनाएं ठप क्यों हैं, विकास योजनाओं में राशि क्यों नहीं मिल पा रही है, भुगतान क्यों नहीं हो पा रहा है, यह बड़ा प्रश्न है। विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि विकास के नाम पर पूरे झारखंड में लूट खसोट चल रहा है जिसे देखने वाला कोई नहीं है, राज्य में विकास योजनाएं ठप पड़ी है। भाजपा सरकार में पूरे राज्य में कई डिग्री कॉलेज भवन बने पर इनमें इतने सालों के बाद भी पढ़ाई शुरू करने की व्यवस्था नहीं हो सकी है।

इस बजट में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। सिर्फ विश्वविद्यालय बनाने की घोषणा से कुछ नहीं होता, उसके लिए कार्य करना पड़ता है, जो कहीं दिखता नहीं है। कुल मिलाकर इस बजट में दावे तो कई हैं, पर सभी खोखले हैं।

नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : दिमोदर वैली कॉर्पोरेशन के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत केटीपीएस द्वारा तिलैया बांध स्थित डीवीसी क्लब परिसर में जलागम क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। शिविर में कुल 402 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण किया गया। जांच के दौरान 46 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिनमें से 40 मरीजों को शल्य चिकित्सा के लिए संदर्भित किया गया। इसके अलावा 245 जरूरतमंदों के बीच चश्मों का वितरण किया गया तथा 293 मरीजों को आवश्यक दवाइयां प्रदान की गईं। स्वास्थ्य जांच के क्रम में 85 मरीजों में मधुमेह (शुगर) तथा 90 मरीजों में उच्च रक्तचाप की पहचान की गई, जिन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर फ्रांसिस हेम्ब्रम (उप महाप्रबंधक, मानव संसाधन), डॉ. संगमित्रा नंदी (उप महाप्रबंधक, स्वास्थ्य सेवाएं), एस.एम. कादरी, कौशिक राय, आशीष कुमार, अनुपम तिवारी एवं आशुतोष पांडेय (हिंदी अधिकारी, केटीपीएस) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय आकाश कुमार आनंद द्वारा किया गया। उनके समर्पित प्रयासों से शिविर का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हक की लड़ाई के लिए एकजुट हों : रोहित कुमार सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद के तत्वावधान में पर्यटन स्थल बाघ मुंडा में वार्षिक मिलन समारोह सह वनझभोज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों सदस्य, पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग परिवार सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद बख्तर साय मुंडन सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। इसके बाद समाज की एकता, संगठन विस्तार और भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में बसिया एवं कामडारा प्रखंड समितियों के पुनर्गठन किया गया। विभिन्न पदों पर नई जिम्मेदारियां सौंपते हुए समाज को मजबूत एवं संगठित बनाने का संकल्प दोहराया गया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रोहित कुमार सिंह ने कहा कि समाज की मजबूती शिक्षा, संगठन और सांस्कृतिक एकजुटता से ही संभव है. उन्होंने सभी को हक की लड़ाई के लिए एकजुट होने का आवाहन किया। उन्होंने जोर देते हुवे कहा कि युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा सामूहिक विकास के लिए ठोस कार्ययोजना लागू करने पर बल दिया। उन्होंने रौतिया समाज की पुरानी मांग अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जा दिलाने की दिशा में सामूहिक प्रयास तेज करने की बात कही। उनका कहना था कि समाज के हित में सरकार एवं जनप्रतिनिधियों से लगातार संवाद किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएनटी में रौतिया समाज को शामिल नहीं किया जा रहा है, जबकि लोकतंत्र में सभी वर्गों का समान विकास होना चाहिए। प्रदेश उपाध्यक्ष हीरा प्रसाद सिंह ने समाज के कोष को सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई, ताकि सामाजिक कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित किया जा सके। प्रदेश महासचिव शालिग्राम सिंह ने सभी समितियों का बैंक खाता खोलने पर जोर देते हुए कहा कि एकजुटता ही लक्ष्य प्राप्ति का मूल मंत्र है। केंद्रीय महासचिव आजाद सिंह ने भी संगठनात्मक मजबूती और जनजागरूकता अभियान पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, आपसी परिचय और विचार-विमर्श का दौर चला, जिससे सामाजिक सौहार्द और भाईचारा और अधिक सुदृढ़ हुआ। अंत में वनझभोज के साथ कार्यक्रम का समापन सामूहिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में संत प्रसाद सिंह, गोपाल सिंह, श्याम सुंदर सिंह, शालिग्राम सिंह, जागेश्वर सिंह, भरत सिंह, तेजनारायण सिंह, खिरोधर सिंह, लालमोहन सिंह, कर्मपाल सिंह, बालमुकुंद सिंह एवं राजेश सिंह सहित अन्य समाजसेवियों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। प्रदेश समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, समाज बंधुओं एवं स्थानीय सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

प्रखंड सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कुरडेग : कार्यालय बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, कुरडेग एवं सिनी संस्था के जीवन परियोजना के संयुक्त तत्वाधान में 24 फरवरी को प्रखंड सभागार कुरडेग में पंचायती राज सदस्यों हेतु एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यशाला का विषय पंचायती राज सदस्यों की भागीदारी एवं समुदाय की जागरूकता और जिम्मेदारी–पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रतिह्व रहा। मातृ–शिशु पोषण, कुपोषण की पहचान, आईवाईसीएफ, स्थानीय पौष्टिक आहार, वीएचएनडी एवं बाल विवाह रोकथाम पर चर्चा की गई। साथ ही वीएचएसएनसी की नियमित बैठक, ग्राम सभा/आम सभा में स्वास्थ्य–पोषण पर चर्चा, आंगनबाड़ी की समीक्षा में भागीदारी, वीएचएनडी को सशक्त बनाने तथा अन्नप्राशन व गोद भराई जैसे सामुदायिक कार्यक्रमों में माताओं के साथ पुरुषों एवं परिवारजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अंत में सभी ने पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं बाल विवाह रोकथाम हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

नवदिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ के पांचवें दिन उमड़ी भीड़

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड के धरगांव पंचायत में चल रहा श्री श्री 1008 नवदिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ के पांचवें दिन यज्ञ मंडप का परिक्रमा एवं भागवत कथा सुनने के लिए श्रद्धालु भक्त हजारों हजार की संख्या में यज्ञ स्थल पर पहुंच रहे हैं । वहीं वृंदावन से पहुंची कथा वाचिका दीदी दिव्यांशी श्रद्धालु भक्तों को भागवत कथा के माध्यम से रसपान करवा रही है उनकी पूरी टीम संगीतमय हे। श्रद्धालु भक्त यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते हुए ओम नम :शिवाय, राधे राधे, जय श्री राम का जाप भी कर रहे हैं। महायज्ञ में 5 किलोमीटर तक धोनी एवं आधुनिक लाइट लगने से पुरे पंचायत रौशनीमय हो गया है। महायज्ञ में रात्रि में भव्य मेले का आयोजन एवं प्रतिदिन महाप्रसाद खिचड़ी का भव्य भंडारा का आयोजन होता है। महायज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष बाबूलाल यादव सचिव रामू यादव सहायक अध्यापक एवं कोषाध्यक्ष सुखदेव मेहता, पूर्व मुखिया सुरेश यादव के साथ–साथ समिति के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्य गण लगे हुए हैं। महायज्ञ कार्यक्रम को बेहतर बनाने में सकलदेव यादव, पिंटू लाल यादव, सुभाष मेहता, रवि यादव,संतोष मेहता, प्रदीप मेहता, राधेश्याम रसिया, वीरेंद्र साव मिथिलेश यादव, नितेश यादव, रामजतन यादव विनय यादव, विकास उर्फ विकाय सहित सैकड़ो कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। यज्ञ समिति के मीडिया प्रभारी रामकृष्ण मेहता,सोशल मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर की भूमिका अहम हैं। महायज्ञ कार्यक्रम स्थल पर डोमचांच प्रमुख सत्यनारायण यादव धरगांव मुखिया प्रतिनिधि विनय प्रसाद यादव पूर्व मुखिया विनोद यादव वीरेंद्र कराटे प्रवीण रवानी, प्रयाग यादव कैलाश मेहता शंभू शरण मेहता, कालेश्वर यादव रामदेव यादव रामकृष्ण यादव कुमार यादव मनोज मेहता सुगी मेहता, मिट्ठू मेहता, विनोद मेहता संजय मेहता सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

गेस्ट ऑफ ऑनर बने प्रमोद शर्मा, रवीन्द्रनाथ टैगोर नेशनल प्रिंसिपल अवॉर्ड से हुए सम्मानित

कोडरमा : रांची स्थित होटल रामाडा में उपदेश मीडिया द्वारा आयोजित एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव एवं रवीन्द्रनाथ नेशनल अवॉर्ड समारोह में देशभर के शिक्षाविदों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से 200 से अधिक स्कूल प्राचार्य, निदेशक एवं चेयरमैन ने भाग लिया। इस अवसर पर सेक्रेड हार्ट स्कूल, झुमरी तिलैया के प्राचार्य सह: कोडरमा स्कूल्स सहोदय कॉम्प्लेक्स के सचिव प्रमोद शर्मा को कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद शिक्षा के भविष्य, नेतृत्व क्षमता और नवीन शिक्षण पद्धतियों पर सार्थक पैनल चर्चा आयोजित की गई। समारोह के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देशभर के शिक्षाविदों को ट्रॉफी, मोमेंटो एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में प्रमोद शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, शैक्षणिक नेतृत्व एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित रवीन्द्रनाथ टैगोर नेशनल प्रिंसिपल्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में एक उपदेश मीडिया के निदेशक गगनदीप सिंह ने गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उनकी उपस्थिति पर प्राचार्य प्रमोद शर्मा को स्मृति–चिह्न भेंट किया। कोडरमा स्कूल्स सहोदया कॉम्प्लेक्स भी इस कार्यक्रम में भागीदार के रूप में सम्मिलित रहा।

ताराटांड गांव में राहु पूजा का हुआ आयोजन

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड अंतर्गत बच्छेडीह पंचायत के ताराटांड गांव में पासवान समाज द्वारा राहु पूजा का आयोजन किया गया। जहाँ चंदवारा के मदनगुंडी गांव से आए राह बाबा भगत रविंद्र पासवान ने पाररंपारिक तरीके से विधि विधान के साथ अपने कुल देवता का पूजन किया। जिसके बाद 21 फिट के बांस पर चढ़कर हैरत अंगेज कारनामे दिखाए वहीं भगत जी के अहुवाई में श्रद्धांलु भक्तों ने 21 फिट के लंबे दहकते अंगारे पर नंगे पाव चलकर भक्ति और शक्ति का आस्था मिशाल पेश किया इसके साथ ही भगत ने धारदार लतवार पर नंगे पैर खड़े होकर शक्ति का परिचय दिया. उसके बाद खस्सी व बकरे की बली देकर समापन हुआ। जिसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धांलुओं का कहना है कि राह बाबा पूजा के दौरान मांगी गयी मनोकामना पूरी होती है। पूजा कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत सचिव सुरेशचंद्र पासवान, गोबिद पासवान, मिथलेश पासवान, तुलसी पासवान, रामदेव पासवान, संजय पासवान,अरुण पासवान, कपिलदेव पासवान, सूरज पासवान, राहुल पासवान, गेंदों पासवान, रवि पासवान,मुन्ना पासवान, पंकज पासवान आदि समेत कई लोगों का नाम शामिल हैं ।इस दौरान पासवान समाज के पुरुष व महिलाएं एवं बच्चे और सभी वर्गो के लोगों ने पूजा अर्चना की। समाज में एकजुट होकर इस पर्व को मनाया।

एक नजर

पायलट विवेक विकाश भगत के निधन से मातम

लातेहार : चतरा और लातेहार जिले के सीमा पर स्थित सिमरिया थाना क्षेत्र के जंगल में सोमवार की रात हुई विमान हादसे का शिकार हुआ पायलट विवेक विकाश भगत लातेहार सदर प्रखंड के लूटी गांव का रहने वाला था। मृतक पायलट विवेक विकाश भगत के पिता देव सहाय भगत वर्तमान समय में ग्रामीण कार्य विभाग चतरा में कार्यपालक अभियंता के रूप में कार्यरत हैं। विवेक की मौत की खबर सुनने के बाद पूरे लातेहार में मातम का माहौल बन गया है। सदर प्रखंड के आरागुंडी पंचायत के मुखिया रवि भगत, लातेहार जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव सहित ने बताया कि विवेक भगत ऊंचे पद पर पहुंचने के बावजूद जमीन से हमेशा जुड़ा हुआ रहता था। सोमवार की काली रात ने विवेक को सभी से छीन लिया।

गढ़वा में नाबालिग की दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

गढ़वा : रामकांडा थानाक्षेत्र अंतर्गत कसमार गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गिरजा सिंह की पुत्री का शव गांव से करीब 700 मीटर दूर अरहर के खेत से बरामद किया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतक शाम गांव में ही आयोजित एक शादी समारोह से लौट रही थी। वह 4-5 वर्ष के दो छोटे बच्चों के साथ घर की ओर आ रही थी, लेकिन इसके बाद घर नहीं पहुंची। देर रात तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। सुबह परिजनों व ग्रामीणों ने बैठक कर खोजबीन की, इसी दौरान अरहर के खेत से किशोरी का शव बरामद हुआ। शव के गले पर निशान पाए गए हैं। परिजन दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जता रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह कुंटिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पिछले वर्ष के भांति इस बार भी महिला, युवा और आम नागरिकों को मिला है छलावा : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग सदर विधानसभा के विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट को पूरी तरह निराधार, दिशाहीन और जनविरोधी बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य की महिलाओं, युवाओं, किसानों एवं आम नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में असफल रहा है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि सरकार ने कुल 1,58,560 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया है किंतु इस भारी-भरकम आंकड़े के बावजूद जमीनी विकास की स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आती। राजस्व आय को 1,36,210.04 करोड़ तथा राजस्व व्यय को 1,20,851.90 करोड़ दशार्या गया है परंतु इन आंकड़ों में आम जनता के जीवन स्तर में ठोस सुधार का कोई रोडमैप नहीं दिखता। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के नाम पर केवल योजनागत प्रावधान दिखाए गए हैं, लेकिन रोजगार, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए ठोस एवं नवीन पहल का अभाव है। युवाओं के लिए कौशल विकास और स्थायी रोजगार सृजन की दिशा में कोई स्पष्ट नीति या बड़े निवेश की घोषणा नहीं की गई है। किसानों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए बजट में अपेक्षित प्राथमिकता नहीं दी गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य और शहरी विकास के मद में आवंटन तो दशार्या गया है, परंतु पिछली योजनाओं के परिणामों की समीक्षा और जवाबदेही का अभाव है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का खेल है, जिसमें पिछले वर्ष की तरह इस बार भी जनता को ह्लछलावाह्व परोसा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आधारभूत संरचना की चुनौतियों पर गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि हजारीबाग सहित पूरे झारखंड की जनता एक ऐसे बजट की अपेक्षा करती थी, जो युवाओं को रोजगार, महिलाओं को आत्मनिर्भरता, किसानों को राहत और शहरों को बेहतर आधारभूत सुविधाएँ प्रदान करे। किंतु प्रस्तुत बजट में न तो दूरदृष्टि है और न ही ठोस कार्ययोजना। विधायक प्रदीप प्रसाद ने सरकार से मांग की कि वह जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बजट प्रावधानों की पुनर्समीक्षा करे तथा वास्तविक विकास और पारदर्शिता सुनिश्चित करे।

संक्षिप्त खबरें

बोड़ाम के तीन उच्च विद्यालयों को 2.21 करोड़ की सौगात, 17 नए कमरों का हुआ शिलान्यास

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के तीन उच्च विद्यालय में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तहत दिघी भुला यूपीजी उच्च विद्यालय में आठ कमरा,लायलम उच्च विद्यालय में पांच कमरा और रसिकनगर उच्च विद्यालय में चार करने का शिलान्यास मंगलवार को किया गया ।इस दौरान विद्यालय के कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने कहा कि झारखंड सरकार के द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए तीन उच्च विद्यालयों को कुल 17 कमरों का भवन उपलब्ध करवाया हैं ।क्षेत्र के विधायक मंगल कालिंदी का विद्यालय परिवार और अभिभावकों ने इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया है। इस दौरान दिघी भुला यूपीजी उच्च विद्यालय को आठ, लायलम को पांच और रसिकनगर चार कमरा दिया गया हैं। जिससे स्कूली बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में सहूलियत होगी। प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने बताया कि वर्ग कक्ष की कमी के कारण बच्चों को क्लास लेने में समस्या होती थी। आठ कमरे बन जाने से कमरों की कमी दूर होगी। इस दौरान शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, सुभाष कर्मकार, मुखिया मंगल सिंह, उप मुखिया प्रतिनिधि संजय गोराई, पंचायत समिति सदस्य धीरेन भुईयां, प्राचार्य जितेंद्र कुमार, मनोरंजन कुमार, रेवती गोप, सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

एनडीपीएस के मामले में अभियुक्त को 15 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा

पलामू : जिले के व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा की अदालत ने मंगलवार को एनडीपीएस (यह नशीले पदार्थो के भंडारण, उपभोग, परिवहन, खेती, कब्जा, बिक्री, खरीद) से जुडे मामले के आरोपित मो नवाज अंसारी को दोषी पाते हुए 15 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर एक लाख 50 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त सजा भुगतान पड़ेगी। उल्लेखनीय है कि नवम्बर 2024 को अभियुक्त मो नवाज अंसारी लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के करमा गांव में स्थित घर से नशे के लिए कोरेक्स सिरप की बिक्री कर रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर लेस्लीगंज पुलिस मो नवाज के घर पहुंची तो पुलिस को देखकर वह भागने के क्रम में पकड़ा गया। उसके घर से 100 एमएल के 900 पीस नशीला सिरप बरामद किया गया। मामले को लेकर उसके खिलाफ लेस्लीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। अदालत ने साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त मो नवाज अंसारी को दोषी पाया और सजा सुनायी।

पुन्दोल गांव में साप्ताहिक बाजार का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड के ग्राम चंदौल पंचायत अंतर्गत पुन्दोल गांव बड़कीबागी में सर्वजातीय कमेटी के प्रयास से मंगलवार सप्ताहिक बाजार का शुभारंभ कराया गया। जिसका उद्घाटन सर्वजातीय समाज के अध्यक्ष विनोद यादव, सचिव सचिन नौशाद आलम एवं कोषाध्यक्ष अवधेश सिंह के हाथों नारियल फोड़ कर किया गया। बाजार के शुभारंभ के अवसर पर कुल 27 किसानों ने अपनी साग सब्जियां बाजार में बिक्री किया। इस दौरान सभी किसानों को सर्वजातीय समाज की ओर से माला पहनाकर स्वागत किया गया। बाजार में बिरहोर जाति का लड़का भी प्लास्टिक की रस्सी बेचने आया था। और अच्छी कमाई की। मौके पर उपमुखिया शमशेर अंसारी, पंसस प्रतिनिधि सुरेश चौधरी, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि रामचंद्र गंझू, अजय रजवार, राहुल पासवान, महेंद्र यादव, रंजन पांडेय, जगन्नाथ यादव, रवि पासवान, हाफिज अंसारी, प्रभु यादव, कौशल सिंह, अमन सिन्हा, जैनेन्द्र प्रसाद, कलाम अंसारी,सनी देओल, लालू यादव, रघु यादव, मन्नू प्रजापति, सुदामा प्रजापति, राजू साव, कृष्ण यादव, सुनील साव, सुरेश यादव, मघा महतो, अरुण महतो एवं संजय महतो सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

छतरपुर से 10 वर्ष से लापता जनजातिय युवक कोलकाता-बांग्लादेश बॉर्डर से बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू के छतरपुर थाना क्षेत्र के काला पहाड़ का जनजातीय युवक 10 वर्ष बाद बरामद हुआ है। युवक को कोलकाता-बांग्लादेश बॉर्डर स्थित 24 साउथ परगना से सकुशल बरामद किया गया। मंगलवार को उसे पलामू लाया गया और सार्वजनिक किया गया। पुलिस की इस सफलता पर युवक के परिजनों के साथ-साथ आम लोगों में हर्ष है। जिले की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि मंगल परहिया का पुत्र मंदीस परहिया 10 वर्ष पूर्व काम की तलाश में घर से निकला था। कई प्रयासों के बावजूद उसका कोई आता पता नहीं चल पा रहा था और ना ही परिवार से कोई संपर्क हुआ था। इस संबंध में एसपी के संज्ञान पर 18 दिसबंर 2025 को लापता की रिपोर्ट छतरपुर थाना में दर्ज कराई गई थी। छतरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध कुमार यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम (एसआइटी) का गठन किया गया। इस टीम में थाना प्रभारी, कांड के अनुसंधानकर्ता एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी को शामिल कर युवक को कई स्तरों पर ढूंढने की कोशिश की गई। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने मानवीय सूचना तंत्र और तकनीकी सहायता का सहारा लिया। सुराग मिला कि मंदीस परहिया वर्तमान में पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित बांग्लादेश बॉर्डर के आसपास किसी क्षेत्र में मौजूद है। टीम ने तत्काल कार्रवाई की और कोलकाता पहुंचकर इनपुट और निरंतर प्रयास के बाद मंदीस को 24 साउथ परगना क्षेत्र से खोज निकाला और उसे वापस पलामू लेकर पहुंची। 10 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अपने बेटे को जीवित और सकुशल देखकर मंगल परहिया और उसके पूरे परिवार की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। सभी ने पलामू पुलिस के इस कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्रवाई टीम में छतरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध कुमार यादव, थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, अनुसंधानकर्ता धर्मवीर कुमार यादव और जवान शामिल थे।

समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गुमला

प्रशिक्षण–सह–उत्पादन केन्द्र भवन, गुमला पिन–835207

ईमेल : ssa09gumla@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गुमला अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2025–26 में पी.एम.श्री. विद्यालयों के लिए बैंड–यूनिफार्म के क्रय हेतु द्वि–लिफाफा पद्धति के तहत अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिला के अधिकारिक वेबसाईट https://gumla.nic.in पर उपलब्ध है।

उपरोक्त कार्य हेतु इच्छुक निविदादाता/फर्म/संस्थान/प्रतिष्ठान निविदा प्रपत्र एवं शर्तो के अधीन सीलबन्द लिफाफे में निविदा हाथों–हाथ दिनांक 02.03.2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक झारखंड शिक्षा परियोजना, झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय, गुमला पता – प्रशिक्षण–सह–उत्पादन केन्द्र भवन, पुराना समाहरणालय परिसर, गुमला (झारखंड) में जमा कर सकते हैं।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गुमला।

PR 373517 Jharkhand Education Project Council(25-26)D

लापता युवक का कुएं में तैरता मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के सुदामडीह थाना क्षेत्र के मोहनबाजार स्थित पथरकट्टा मोहल्ला निवासी गणेश रवानी उर्फ बबुआ (38) का शव मंगलवार को पास के ही कुएं में तैरता हुआ पाया गया है। वहीं, शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव को देखने के लिए मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर सुदामडीह थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज मामले की जांच में जुट गई है। मृतक डेकोरेटर में मजदूरी का काम किया करता था, जो अविवाहित था तथा शराब का सेवन किया करता था। वहीं मृतक के बड़े भाई राजू ने बताया कि लगभग आठ दिनों से उसका भाई गणेश घर से लापता था। जिसकी खोज परिजनों की ओर से की जा रही थी।आज लोगों की ओर से सूचना मिली कि एक शव कुआं में गिरा पड़ा है। मौके पर पहुंच शव बाहर निकलवाने पर शव की पहचान उनके भाई गणेश के रूप में कई गई। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार कर रही है, उसके बाद ही मौत के कारणों और अनुसंधान को गति मिल सकेगी।

चौकेगारिया में पारम्परिक उल्लास के साथ सरहुल महोत्सव संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कुकडू प्रखंड अंतर्गत चौकेगारिया गांव में आदिवासी समाज का प्रमुख वसंत पर्व सरहुल पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सरहुल झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में उरांव, मुण्डा, संथाल और हो जनजातियों द्वारा मनाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण वसंत पर्व और आदिवासी नव वर्ष है। यह पर्व चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है, जो साल (सखुआ) वृक्ष में नई कोपलों के आगमन का प्रतीक माना जाता है। प्रकृति, जल और धरती माता की पूजा-अर्चना के साथ मनाया जाने वाला यह त्योहार मानव जीवन में प्रकृति के महत्व को स्मरण कराता है। चौकेगारिया में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मांदर की थाप पर युवक-युवतियों और ग्रामीणों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि अशोक साव भी आदिवासी समाज के साथ मांदर की थाप पर झूमते नजर आए।अपने संबोधन में उन्होंने सरहुल को प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम बताते हुए कहा कि यह पर्व सामाजिक एकता, भाईचारे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, समाज के गणमान्य लोग एवं युवा उपस्थित थे। पूरे क्षेत्र में सरहुल को लेकर उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। मौके पर उप मुखिया मनोज मछुआ, कार्तिक सिंह पतार, बादल महतो, डुंपा हांसदा, नारायण हांसदा, सुभाष चंद्र सोरेन, सुधीर बास्के, दशरथ हांसदा समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT, BUILDING DIVISION, SIMDEGA.
Email Id :- eengbcdsimdega@gmail.com

VERY SHORT TERM E- QUOTATION INVITATION NOTICE
RATE PURPOSE ONLY
Quotation Reference No : BCD/BD, SIMDEGA – 11/2025-26

Sealed Quotations are invited for the work **Construction of Weight Bridge and Operator Room for 1000 M.T Godown at Guljar Gali, Simdega** for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers/Suppliers/Retailers/Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table, If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition
1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

Note :- (1) Date of publication of e-Quotation in website : 27-02-2026 at 3:30 PM.
(2) Last date for uploading e-Quotation in Website : 06-03-2026 by 1:00 PM.
(3) Last date for submission of hard copy of uploaded e-Quotation : 11-03-2026 by 3:00 PM.
(4) Date & Time of opening of e-Quotations : 13-03-2026 at 3:30 PM.
(5) Name and address of the officer inviting e-quotation : Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Simdega.
(6) Telephone number of e-quotation cell : 8674835234
(7) Quotationer is required to upload photocopy of U-Can Registration.
Note : Only those quotation givers who submit hard copy in the office of Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Simdega, their rates will be considered incorrect. For any other information the website can be visited http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Simdega.

PR 373515 Simdega(25-26)#D

श्रद्धा और उल्लास के संग चौपारण में धूमधाम से मनी माता शबरी जयंती, निकली भव्य शोभायात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : माता शबरी जयंती के पावन अवसर पर चौपारण में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। अखिल भारतीय भुइयां कल्याण समिति, चौपारण के बैनर तले भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। भ्रमण के दौरान वातावरण भक्तिमय नारों और भजनों से गूंज उठा। समिति के अध्यक्ष आजाद भुइयां के नेतृत्व में शोभायात्रा चौपारण चतरा मोड़ से प्रारंभ होकर जीटी मार्ग से गुजरते हुए जोकट स्थित शबरी माता मंदिर प्रांगण पहुंची, जहां यह सभा में परिवर्तित हो गई। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने माता शबरी के त्याग, समर्पण और भक्ति को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। साथ ही समाज में नशा मुक्ति, शिक्षा के प्रसार, दहेज प्रथा पर रोक एवं सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर समाज के उत्थान हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान भुइयां समाज की ओर से सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, मंडल अध्यक्ष रेवाशंकर साव, समाजसेवी रामचन्द्र सिंह एवं मनोज यादव सहित अन्य अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा को सफल बनाने में समिति के सचिव दिगम्बर भुइयां, कोषाध्यक्ष संतोष भुइयां, प्रखंड प्रभारी बिरेंद्र भुइयां, सक्रिय सदस्य कैलाश भुइयां, पंचायत समिति सदस्य भुइयां, रामप्रसाद भुइयां, रेवाशंकर, शामलाल भुइयां सहित समाज के सैकड़ों लोगों की अहम भूमिका रही।

कार्यालय, अनुमंडल -सह- जिला कृषि पदाधिकारी, कोडरमा

आम सूचना

कोडरमा जिले के सभी कृषक बंधुओं को सूचित किया जाता है कि जिला कृषि पदाधिकारी कोडरमा द्वारा दिनांक 26.02.2026 को के0वी0के0 जयनगर के परिसर में जिला स्तरीय **''कृषि मेला –सह– उद्यान प्रदर्शनी''** का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी हेतु प्रादर्श/ उत्पाद लेकर आप सभी इस प्रदर्शनी को सफल बनायें।

समय सारणी:–
प्रादर्श का निबंधन – 9:00 बजे पूर्वा0 से 11:00 बजे तक
मेले का उद्घाटन – 11:30 बजे

उत्पादों की सूची।

क्र0 सं0	उत्पाद का नाम	क्र0 सं0	उत्पाद का नाम
1	सरसो का पौधा–02 जड़ सहित	14	ब्रोकली–02 पौधा जड़ सहित
2	मटर का पौधा–03 फली सहित	15	फ्रेंचबीन– लत्तर में 25 फली सहित
3	ईख का पौधा–02 पूर्ण पौधा	16	कद्दू–01
4	अरहर का पौधा–01 पूर्ण पौधा	17	कोहड़ा–01
5	आलु–01 पौधा 04 फली सहित	18	मशरूम – छता सहित
6	बैगन –02 पौधा 04 फली सहित	19	अदरक–05 पौधा सहित
7	टमाटर–02 पौधा जड़ सहित	20	हल्दी–05 पौधा सहित
8	मिर्चा –01 पौधा 10 फली सहित	21	प्याज –05 पौधा सहित
9	शिमला मिर्च–01 पौधा 02 फली सहित	22	अमरूद–03 डाली सहित
10	गाजर –06 पौधा सहित	23	पपीता –02
11	फूलगोभी –02 पौधा जड़ सहित	24	केला –01 (हत्था)
12	पात्तागोभी –02 जड़ सहित	25	नींबू– 04 डाली सहित
13	मूली –02 पौधा सहित		

PR 373549 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(25-26).D

जिला कृषि पदाधिकारी, कोडरमा

विश्वविद्यालय या वैचारिक युद्धक्षेत्र?

शैक्षणिक स्वतंत्रता, ज्ञान की खोज और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ऐसी चीजें हैं जिन पर विश्वविद्यालय अक्सर गर्व करते हैं। हालांकि, कुछ वामपंथी और इस्लामी वैचारिक समूह इनका दुरुपयोग समाज में असमानता और कई कॉलेजों में राष्ट्र-विरोधी आचरण को बढ़ावा देने के लिए करते हैं। सहकर्मी नेटवर्क और संस्थागत पुरस्कार प्रणालियाँ जो एक विशिष्ट असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी वैचारिक विचारधारा को दूसरों पर प्राथमिकता देती हैं, शैक्षणिक विभागों को ऐसे प्रतिध्वनि कक्षों में बदल देती हैं जहाँ कुछ विशेष दृष्टिकोण हावी हो जाते हैं। दुनिया इस साम्यवादी मानसिक और संज्ञानात्मक विकृति से पीड़ित होने लगी है। यह विकृति भारतीय विश्वविद्यालयों को भी प्रभावित करती है, जिससे राष्ट्र और समाज को गंभीर नुकसान पहुँचता है। कई विश्वविद्यालय जिनमें मानविकी विभाग है, एक साम्यवादी थीम पार्क बन गए हैं। लक्ष्य है भारत का विघटन करना और सनातन धर्म को विकृत सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से ध्वस्त करना, चाहे वह समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, भाषा या कानून का क्षेत्र हो। उच्च शिक्षा में बौद्धिक विविधता नष्ट करने और ज्ञान संबंधी भ्रम पैदा करने वाले कट्टरपंथी साम्यवादी विचारों को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र में विश्वविद्यालय के कुलपतियों सहित 200 से अधिक शिक्षा विशेषज्ञों ने देश की गिरती शैक्षिक स्थिति के लिए वामपंथी कार्यकताओं के एक समूह को जिम्मेदार ठहराया है। वामपंथियों की भ्रामक प्रवृत्ति युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध भड़काने की है। 1980 के दशक में जब वामपंथी संगठनों ने देश के युवाओं और ग्रामीणों को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया था, तब से वामपंथी उग्रवाद और वामपंथी विचारधारा की आड़ में देश को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि जेएनयू से लेकर जामिया, एएमयू से लेकर जादवपुर तक के परिसरों में हो रही घटनाएं दशार्ती हैं कि कैसे मुट्ठी भर वामपंथी कार्यकताओं की गतिविधियों से शैक्षणिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विश्वविद्यालय में केवल शिक्षा के उद्देश्य से दाखिला लेने वाले और किसी भी समूह से असंबंधित छात्र सबसे अधिक पीड़ित हैं। सोशल मीडिया पर गलत प्रचार, झूठी कहानी और झूठे विमर्श जैसे शब्दों का अक्सर इस्तेमाल होता है। सनातन धर्म/हिंदुत्व की झूठी कहानियां मीडिया में बड़े पैमाने पर फैलाई जाती है और कई सरकारी कर्मचारी, बहुराष्ट्रीय निगमों के कर्मचारी, गैर सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों, मीडिया संस्थानों आदि में विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी इन झूठी कहानियों को सत्य मान लेते हैं। मेरा मानना है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के एक बड़े हिस्से के लिए भी यही सत्य है। आखिरकार, लाखों लोग-जिनमें से कई असहमत हो सकते हैं, उनको इन विभिन्न कहानियों को अपनाने के लिए मजबूर किया गया है, जबकि हम जानते हैं कि वे गलत हैं। हमारे शिक्षा तंत्र में व्याप्त मार्क्सवादी माहौल ने बच्चों और युवाओं के दिमाग में झूठी कहानियों को व्यवस्थित रूप से बिठा दिया है। परिणामस्वरूप, ये छद्म-उदारवादी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कड़ा विरोध करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। युवाओं को साम्यवाद का विचार विशेष रूप से आकर्षित करता है। समानता, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता और क्रांति जैसे विषयों पर चर्चा करना कितना रोमांचक होता है! युवा मन ऐसे विषयों से प्रेरित हो सकता है। युवा स्वभाव से भावुक होते हैं। साम्यवाद हमें यथास्थिति को उखाड़ फेंकने और एक गैरकानूनी और अमानवीय क्रांति शुरू करने के लिए कहता है। परिणामस्वरूप, संविधान के विरुद्ध होने के बावजूद युवा वामपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते हैं। वे साम्यवाद की गहरी वास्तविकता को समझने में असमर्थ हैं। न केवल प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के छात्रों बल्कि अमेरिका और कई यूरोपीय देशों जैसे पूंजीवादी देशों में भी साम्यवाद जहर फैला रहा है।

सूडोकु नवताल- 7716

✱✫✫✫✫ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7715 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

ललित गर्ग

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निमार्ता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम" का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाजार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

एआई समिट में कांग्रेस का शर्टलेस प्रदर्शन के मायने

विजय केसरी

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने एकाएक शर्टलेस प्रदर्शन, देश के प्रधानमंत्री और आयोजन के औचित्य के खिलाफ नारे बाजी कर एक अक्षम्य अपराध करने जैसा कृत्य किया है। अगर मैं ऐसा लिखता हूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं के शर्टलेस प्रदर्शन का देशभर में व्यापक निंदा हो रही है। हम सबों को ज्ञात होना चाहिए कि अगर भारत एआई के क्षेत्र में पीछे रह गया तो बहुत पीछे चल जाएगा। अगर भारत एआई के क्षेत्र में सृजन कर्ता बनेगा तभी भारत 2047 तक एक विकसित देश के रूप में स्वयं को स्थापित कर पाएगा। अन्यथा भारत विश्व भर के देशों की कंपनियों के उत्पादों का केवल एक बाजार बनकर रह जाएगा। क्या कांग्रेस पार्टी भारत को विश्व भर की कंपनियां के उत्पादों के बिक्री केन्द्र के रूप में विकसित करना चाहती हैं? अगर यह सच है, तो भारत का स्वालंबन, देश की प्रतिभा और विकास के बढ़ते कदम पर रोक लगाने जैसा होगा।

भारत का संविधान देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है। इसका कदापि अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि लोग अपनी नैतिक जिम्मेवारी को भूल जाएं। पार्टी स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो। नीतिगत स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो। ऐसा करने से उन्हें कौन रोक रहा है? राज्यसभा और लोकसभा में विरोध प्रदर्शन होते ही रहते हैं। वहां पर इस मुद्दे को तरीके से उठाते। दिल्ली में आयोजित एआई समिट से उन्हें क्या शिकायत है? इस मुद्दे को दोनों सदनों में उठाते। यह एक लोकतांत्रिक तरीका होता है। लेकिन इस तरह के वैश्विक आयोजन के दौरान शर्टलेस प्रदर्शन करना किसी भी सूरत में उचित नहीं है। हम सबों को ज्ञात होना चाहिए कि अभिव्यक्ति की आजादी के साथ ही नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है कि कोई ऐसा काम न करें, जिससे कि भारत की छवि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल हो। इसके साथ ही यह भी ज्ञात होना चाहिए कि विकास के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम पर भूल कर भी रोका न लगाया जाए। लोकतंत्र की मजबूती का तकाजा यह है कि देश की सुरक्षा और विकास के मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच मैत्री भाव रहे। यह देश के हित में होगा। देश की सुरक्षा और विकास के मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष दोनों को आपसी वैमनस्य और राजनीति से मुक्त होकर कार्य करने की जरूरत है।

युवा कांग्रेस के कार्यकताओं को यह कदापि भूलना नहीं चाहिए कि जिस कार्यक्रम में वे सभी शर्टलेस प्रदर्शन कर रहे हैं, वह कोई राजनीति कार्यक्रम नहीं बल्कि एक वैश्विक स्तर पर सरकारी कार्यक्रम था। दिल्ली में आयोजित एआई समिट कार्यक्रम में सौ से अधिक देशों के प्रतिनिधि मंडल, बीस की संख्या में विभिन्न देशों से आए राष्ट्राध्यक्ष तथा साठ मंत्रीगण सम्मिलित हुए थे। उन सबों की महती मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी के युवा कार्यकताओं ने ऐसा कर देश की ही छवि को एक तरह से बिगड़ने का काम किया है। इससे भारत की छवि वैश्विक स्तर पर क्या बनी होगी? विचारणीय है। अब सवाल यह उठता है कि क्या युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से इस तरह विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत ली थी? आगे सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की इजाजत के बिना ऐसा उग्र प्रदर्शन युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता गण कर सकते हैं। जबाब है, कदापि नहीं। अर्थात कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व भी इस शर्टलेस प्रदर्शन में शामिल हैं। यह बेहद चिंता की बात है। निष्कर्ष यह है कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व राजनीतिक वैमनष्यता के कारण मोदी सरकार की छवि वैश्विक स्तर पर खराब करने के लिए, ऐसा की है। विचारणीय यह है कि इस शर्टलेस व उग्र प्रदर्शन का संपूर्ण देश में तीव्र आलोचना हो रही है। वहीं कांग्रेस पार्टी का शीर्ष नेतृत्व, युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के इस शर्टलेस व उग्र प्रदर्शन पर इतरा रही है।

देश वासियों को यह जानना चाहिए कि आई इम्पैक्ट समिट,औपचारिक रूप से इण्डिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न था, जिसका आयोजन भारत मण्डपम, नयी दिल्ली में 16 - 21 फरवरी को सम्पन्न हुआ। यह वैश्विक एआई सम्मेलनों की श्रृंखला का चतुर्थ आयोजन था, इसके पूर्व 2023 में ब्लेच्ली पार्क एआई सेफ़्टी समिट, 2024 में एआई सियोल समिट तथा 2025 में पेरिस में एआई ऐक्शन समिट आयोजित हुए थे। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय के अधीन इण्डियाएआई मिशन के अन्तर्गत आयोजित यह सम्मेलन इस श्रृंखला का प्रथम आयोजन था, जिसकी मेजबानी किसी वैश्विक दक्षिणराष्ट्र ने की थी। इस एआई सम्मेलन में अनेक भारतीय एआई प्रतिरूप एवं उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। एक भारतीय ने एआई प्रयोगशाला, सर्वम एआई ने 30 अरब तथा 1.50 खरब प्राचलों वाले विशेषज्ञ-मिश्रण आधारित नवीन भाषा-प्रतिरूपों के साथ-साथ, लेख-से-वाक, वाक-से-लेख एवं दृष्टि प्रतिरूप प्रस्तुत किया। सर्वम ने 'काजे' स्मार्टग्लासेस, चतुर-चश्मा,भी प्रदर्शित किया, जिनका परीक्षण प्रधानमन्त्री मोदी ने इस प्रदर्शनी में किया। भारत सरकार-समर्थित भारतजेन 'परम 2' प्रतिरूप, जो 17 अरब प्राचलों वाला, 22 भारतीय भाषाओं को समर्पित और बहु-विध क्षमताओं से युक्त है, भी इस सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। एआई के क्षेत्र में भारत बहुत ही मजबूती के साथ और बहुत ही सूझबूझ के साथ बढ़ाया है, जिसकी सराहना वैश्विक स्तर पर हो रही है। अगर भारत एआई के क्षेत्र में पीछे रह गया तो यह देश सिर्फ विभिन्न देशों की कंपनियों का एक बाजार बनकर रह जाएगा। आने वाले समय में एआई के क्षेत्र में जबरदस्त ढंग से रोजगार भी सृजन होगा। इस सम्मेलन में माइक्रोसॉफ़्ट ने घोषणा की कि वह दशक के अन्त तक निम्न-आय वाले देशों में एआई पहुँचाने हेतु 50 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के मार्ग पर अग्रसर है।

इस सम्मेलन की विशेषता यह रही कि सम्मेलन के दौरान भारत ने चौबीस घण्टों में एआई उत्तरदायित्व अभियान हेतु सर्वाधिक प्रतिज्ञाएँ प्राप्त करने का गिनीज विश्व-रिकॉर्ड स्थापित कर लिया। 16 -17 फरवरी के मध्य 250946 वैध प्रतिज्ञाएँ संकलित की गईं। इण्टेल इण्डिया के सहयोग से इण्डियाएआई मिशन के अन्तर्गत संचालित इस अभियान ने अपने प्रारम्भिक 5000 प्रतिज्ञाओं के लक्ष्य को अत्यधिक पार कर लिया। इससे पूर्व आयोजित हुए एआई सम्मेलनों में आयोजन देश को इस तरह की उपलब्धि प्राप्त नहीं हो पाई थी। यह भारत के लिए एक सुनहरा अवसर के समान था। इस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'दुनिया के अनेक विकसित देश आज भारत के साथ व्यापारिक समझौते कर रहे हैं। आज विकसित देश भारत के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं। क्योंकि उनको भारत के विकास में अपना भविष्य दिखता है। उनको भारत की युवाशक्ति में उम्मीद दिखती है। आज दुनिया को लगता है कि भारत वो ताकत है, जो 21 वीं सदी की चुनौतियों का समाधान दे सकती है।'

उपरोक्त बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। आज संपूर्ण विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हुई हैं। भारत दुनिया का एक बड़ा बाजार के साथ आधुनिकतम तकनीकी और व्यापार के क्षेत्र में बहुत तेजी साथ कदम बढ़ाने वाले एक देश के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है। भारत सरकार ने इंडिया एआई मिशन के तहत लगभग 1.2 अरब डॉलर का प्रावधान किया है। यह एक सकारात्मक कदम है । देशवासियों को यह भी जानना चाहिए कि आज हमारा देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआई के वैश्विक दौड़ में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। वैश्विक एआई क्षेत्र में विकसित देशों के प्रयोगशालाओं में भारतीय मूल के वैज्ञानिक ही अपने अपने कुशल बुद्धिमता का परिचय दे रहे हैं। बस! जरूरत है,मिलजुल कर सहयोग कर आगे बढ़ने की। वह दिन अब दूर नहीं है, जब एआई के क्षेत्र में भारत विश्व भर में अपना परचम लहरा पाएगा।

विदेश भेजने की होड़ और बदलती मानसिकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जाना-यह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है। धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना पड़ेगा। लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है? क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं? भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकल कर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है।

विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहाँ अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है। आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि इसे सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है।

सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं- खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना-फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है।

समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना अच्छा अवसर हो सकता है। कई भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा लेकर नई तकनीक और ज्ञान प्राप्त करते हैं और बाद में देश के विकास में योगदान भी देते हैं। लेकिन जब यह निर्णय समझदारी के बजाय भीड़ का हिस्सा बनकर लिया जाता है, तब कई बार परिणाम निराशाजनक भी हो सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं। आज भारत में बैठकर भी दुनिया के साथ काम किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं- भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी।

समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है। हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं- विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति, उद्योग और तकनीक में। दुनिया के कई बड़े मंचों पर भारतीय अपनी पहचान बना चुके हैं। यह सब यहीं से शुरू हुआ है। एक और चिंता का विषय प्रतिभा का देश से बाहर जाना भी है। कई वर्षों तक "ब्रेन ड्रेन" की चर्चा होती रही है। हालांकि अब स्थिति बदल रही है और कई लोग विदेश से अनुभव लेकर वापस भी लौट रहे हैं। फिर भी यह जरूरी है कि देश का युवा अपने देश की संभावनाओं पर विश्वास बनाए रखे। अगर योग्य लोग ही देश से दूर चले जाएंगे तो विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है। माता-पिता, शिक्षक और समाज- तीनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि सफलता किसी देश की मोहताज नहीं होती। असली पहचान मेहनत, ज्ञान और चरित्र से बनती है। विदेश जाना यदि शिक्षा और अनुभव के लिए है तो यह अच्छी बात है लेकिन केवल दिखावे या सामाजिक दबाव के कारण लिया गया निर्णय कई बार भारी पड़ सकता है।विदेश जाना विकल्प हो सकता है, लेकिन लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य होना चाहिए- योग्यता, आत्मनिर्भरता और सार्थक जीवन।

दैनिक पंचांग

25 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.23 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.53 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.34 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.32 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.45 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	17.01 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.13 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.24 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.39 ब.से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	धनु	01.55 बजे से
		मकर	04.00 बजे से
		कुंभ	05.46 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 56 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 02.41 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 13.39 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 01.29 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 15.47 बजे तदनन्तर कौलव 02.41 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 7.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 10' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872631 **जूलियन दिन** 2461096.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 07 **विशेष** रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

जामताड़ा में फेसबुक फ्रेंड बन साइबर अपराधियों ने ठगे 25 लाख

जामताड़ा : सोशल मिडिया के इस दौर में लोगों को काफी सावधान रहने की जरुरत है क्यों की इन दिनों साइबर अपराधियों के द्वारा ठगी करने का नए नए हथकंडे अपनाएं जा रहे हैं, कुछ ऐसा ही मामला जामताड़ा जिले से सामने आया है दरअसल सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती कर उनके साथ कोई नया व्यवसाय शुरू करने की योजना एक व्यक्ति को काफी महंगा पड़ गया इसलिए थोड़ा सावधान हो रहने की जरुरत है मही तो आप अपने जीवन की सारी पूंजी गंवा देंगे और फिर सिर पीटने के अलावा आपके हाथ में कुछ नहीं रहेगा। ऐसा ही एक मामला जामताड़ा थाना क्षेत्र में से सामने आया है। जहां फेसबुक पर दोस्ती करने के बाद एक किराना दुकानदार को 25 लाख का चपत लगा दिया गया। एक व्यक्ति ने अपने फेसबुक फ्रेंड के कहने पर क्रिप्टो करेंसी में ज्यादा मुनाफा कमाने की लालच में 25 लाख रुपए का निवेश किया। जब मुनाफा नहीं आया और दोस्त का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया तब जाकर उसे समझ में आया की वह साइबर ठगी का शिकार हो गया है। इस अनोखे ठगी की बात की जाये तो किराना दुकानदार कृष्णा मंडल जो की देवघर जिला के चितरा थाना क्षेत्र के आसनबनी गांव का रहने वाला है। घटना को लेकर पीड़ित ने साइबर थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाई है।

शादी समारोह से लौट रही युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म

गुमला : गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता पास के ही एक दूसरे गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गई थी। इसी दौरान आरोपियों ने उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। समारोह से घर लौटने के क्रम में रास्ते में चार युवकों ने युवती को अकेला पाकर उसे घर छोड़ देने का झांसा दिया। आरोपियों ने उसे अपनी बाइक पर बैठा लिया, लेकिन रास्ते में सुनसान जगह देखकर उन्होंने नीयत बदल ली। वहां चारों युवकों ने बारी-बारी से युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद किसी तरह अपने घर पहुँची पीड़िता ने परिजनों को अपनी आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजनों के साथ भरनो थाना पहुँचकर पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और छापेमारी कर चारों नामजद आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजकुमार उरांव (21 वर्ष), विष्णु गोप (19 वर्ष), विकास मुंडा (22 वर्ष) और विकास उरांव (21 वर्ष) के रूप में हुई है।

वोट देने निकले युवक की खेत में मिली लाश हत्या की आशंका

जामताड़ा : जामताड़ा थाना क्षेत्र के सुपाईडीह पंचायत भवन के समीप स्थित जोरिया (छोटी नदी) के पास खेत में एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। राहगीरों ने जब खेत के पास एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में पड़ा देखा तो नजदीक जाकर जांच की, जहां वह मृत पाया गया। मृतक की पहचान जामताड़ा नगर पंचायत के नामुपाड़ा निवासी आनंद बाउरी के रूप में की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार आनंद बाउरी वोट देने के लिए घर से निकला था। परिजनों ने बताया कि वह सोमवार सुबह करीब 11 बजे से लापता था, जिसके बाद परिवार के लोग उसकी खोजबीन कर रहे थे। काफी तलाश के बाद शाम करीब 7 बजे उसका शव सुपाईडीह पंचायत भवन के समीप जोरिया के पास खेत में मिला। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों का कहना है कि मृतक के पैर में जले होने जैसा निशान दिखाई दे रहा था। घटनास्थल के पास बाइक के टायर के निशान भी देखे गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

हजारीबाग सांसद का 2026-27 के 'अबुआ दिशोम' बजट पर तीखा हमला

रोजगार, किसान, महिलाएं और पेंशनधारी उपेक्षित, यह विकास नहीं आंकड़ों की बाजीगरी : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

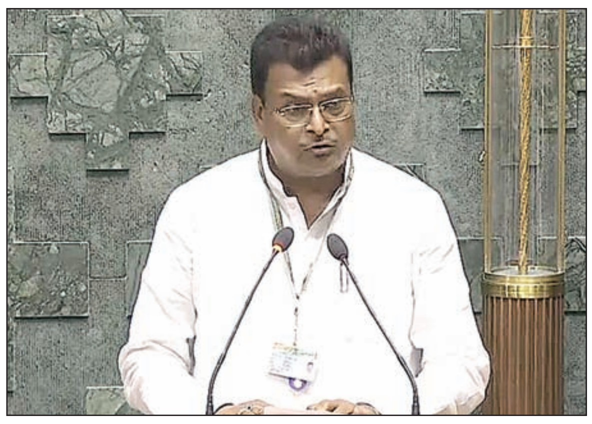

रामगढ़ : झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के अबुआ दिशोम बजट को लेकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य के समग्र विकास का रोडमैप प्रस्तुत करने में असफल रहा है और वित्तीय कुप्रबंधन की झलक देता है। मनीष जायसवाल ने आरोप लगाया कि रजत जयंती वर्ष के नाम पर पेश किया गया यह बजट दिशाहीन और दूरदृष्टिहीन प्रतीत होता है। सरकार न तो राजस्व सृजन की स्पष्ट रणनीति रख पाई है और न ही दीर्घकालिक विकास की ठोस योजना सामने आई है। उनके अनुसार यह बजट आंकड़ों का ऐसा मायाजाल है, जिसका आम जनता की वास्तविक जरूरतों से कोई सीधा सरोकार नजर नहीं आता। सांसद ने कहा कि राज्य का युवा वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। बजट में रोजगार सृजन को लेकर ठोस पहल का अभाव है। 10 लाख नौकरियों के वादे के बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया, अनुबंध कर्मियों के भविष्य और युवाओं के सशक्तिकरण पर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं दिखता। छात्रवृत्ति और कौशल विकास के क्षेत्र में भी ठोस विस्तार योजना का उल्लेख नहीं है। किसानों को लेकर उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं को राहत देने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन हेतु भी मजबूत योजना का अभाव है। वृद्ध और दिव्यांगजनों की पेंशन में सम्मानजनक वृद्धि नहीं होना सरकार की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में मनीष जायसवाल ने कहा कि जिला अस्पतालों में मेमोग्राफी और पेट स्कैन जैसी सुविधाओं की घोषणा तब तक व्यवहारिक नहीं मानी जा सकती, जब तक बुनियादी स्वास्थ्य ढांचा सुदृढ़ नहीं किया जाता। उन्होंने इसे अव्यावहारिक घोषणा बताते हुए कहा कि राज्य को कागजी वादों की नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और ठोस क्रियान्वयन की आवश्यकता है। सांसद ने दावा किया कि यह बजट जन अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि झारखंड की जागरूक जनता सरकार की नीतियों का गंभीरता से मूल्यांकन करेगी और राज्य की प्रगति के लिए ठोस, समावेशी और जवाबदेह वित्तीय दृष्टिकोण की अपेक्षा रखती है।

मतकमा रेलवे फाटक के पास जर्जर डायवर्सन रोड दुरुस्त, विधायक के हस्तक्षेप से मिली राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा क्षेत्र में मतकमा रेलवे फाटक के समीप निमार्णाधीन पुल के पास बने डायवर्सन रोड की दयनीय स्थिति से परेशान ग्रामीणों और राहगीरों को आखिरकार राहत मिल गई है। लगातार बारिश के बाद यह अस्थायी मार्ग कीचड़ और फिसलन से भर गया था, जिससे आवागमन पूरी तरह जोखिमभरा हो गया था। समस्या की गंभीरता को देखते हुए बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी ने त्वरित हस्तक्षेप करते हुए सड़क की मरम्मत सुनिश्चित कराई। बीते दिनों हुई तेज बारिश के कारण डायवर्सन रोड पर भारी कीचड़ जमा हो गया था। दुपहिया वाहन चालक लगातार फिसलकर गिर रहे थे, जबकि चारपहिया वाहनों के लिए भी मार्ग पार करना मुश्किल हो गया था। स्कूल जाने वाले बच्चों, कामकाजी लोगों और स्थानीय व्यापारियों को प्रतिदिन परेशानी झेलनी पड़ रही थी। ग्रामीणों ने स्थिति से अवगत कराते हुए विधायक से तत्काल समाधान की मांग की थी। शिकायत मिलते ही विधायक रोशन लाल चौधरी ने मामले को गंभीरता से लिया और पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता राजीव रंजन कुमार मुंडा से बातचीत कर तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों के दौरान आम जनता की सुरक्षा और सुविधा से समझौता नहीं किया जा सकता। विधायक के निर्देश के बाद विभागीय टीम ने युद्धस्तर पर काम शुरू किया। डायवर्सन रोड पर जीएसबी (ग्रेन्युलर सब-बेस) की परत बिछाकर सड़क को समतल और मजबूत बनाया गया। मरम्मत के बाद मार्ग से कीचड़ और फिसलन की समस्या समाप्त हो गई है तथा आवागमन अब सुगम हो गया है। सड़क की स्थिति में सुधार होते ही क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने त्वरित कार्रवाई के लिए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना है कि समय पर हस्तक्षेप नहीं होता तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। निमार्णाधीन पुल के कारण यह डायवर्सन रोड फिलहाल मुख्य मार्ग के रूप में उपयोग में है। ऐसे में इसकी बेहतर स्थिति बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि भविष्य में भी बारिश के मौसम में सड़क की नियमित निगरानी की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आवागमन सुरक्षित एवं सुचारु रूप से जारी रहे।

पीठासीन पदाधिकारी की डायरी और निर्वाचन संबंधी दस्तावेजों की हुई स्क्रूटनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : नगरपालिका चुनाव में खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र में मतदान सम्पन्न होने के बाद मंगलवार को पीठासीन पदाधिकारी की डायरी और अन्य निर्वाचन संबंधी दस्तावेजों की स्क्रूटनी को लेकर कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में सभी अभ्यर्थियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामान्य प्रेक्षक रश्मि लकड़ा उपस्थित थीं। साथ ही सभी निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी और उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित थीं। बैठक के दौरान 23 फरवरी को संपन्न हुए मतदान के कुल प्रतिशत की जानकारी साझा की गई। इसके अतिरिक्त वार्डवार हुए मतदान प्रतिशत की भी विस्तृत जानकारी अभ्यर्थियों को दी गई। बैठक में आगामी 27 फरवरी को होने वाली मतगणना की तिथि और समय के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही मतगणना के लिए काउंटिंग एजेंट की नियुक्ति की प्रक्रिया, जरूरी प्रपत्र, पहचान पत्र एवं निर्धारित दिशा-निदेशों के बारे में भी अवगत कराया गया। निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अभ्यर्थियों को सभी जरूरी जानकारी साझा की गई और किसी भी शंका के समाधान के लिए मार्गदर्शन दिया गया। जिला प्रशासन की ओर स्पष्ट किया गया कि मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जाएगी।

पेरवांघाघ और पांडुपुडिंग जल प्रपात के बहुरेंगे दिन, बजट में किया गया प्रावधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : राज्य के सबसे खूबसूरत और पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शुमार पेरवांघाघ और पांडुपुडिंग जल प्रपात के दिन बहुत जल्द बहुरने वाले हैं। राज्य सरकार ने तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया के अनुरोध पर खूंटी जिले के इन दोनों जल प्रपातों को इको टूरिज्म मॉडल में विकसित करने के लिए बजट में प्रावधान किया है। इस पर खुशी जाहिर करते हुए विधायक ने कहा कि इससे खूंटी के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों ने विधायक की इस पहल का स्वागत करते हुए उसे हेमंत सरकार की दूरदर्शी और पर्यावरण के प्रति सोच को दशार्ती है। इको टूरिज्म के तहत इन दोनों पर्यटन स्थलों पर आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जाएगा। इसमें पर्यटकों के लिए सुरक्षित पहुंच मार्ग का निर्माण, पार्किंग की व्यवस्था, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं, सुरक्षा रेलिंग वी व्यू का निर्माण करना शामिल है। बजट में घोषणा के बाद जिलेवासियों ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों का मानना है कि इन स्थलों के विकसित होने से जिले को नई पहचान मिलेगी और बाहर से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। इससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और अन्य छोटे व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलेगा।

वहीं विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि यह खूंटी की जनता के लिए बड़ा उपहार की तरह है। उन्होंने राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वे आगे भी प्रयासरत रहेंगे। उनका कहना है कि इको टूरिज्म के माध्यम से खूंटी को राज्य के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित होगा।

राजेश ठाकुर बने महासमिति अध्यक्ष, 30-40 हजार श्रद्धालुओं संग रामगढ़ में भव्य शोभायात्रा का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामनवमी की तैयारियों को लेकर किला मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में रामनवमी पूजा महासमिति रामगढ़ के नए अध्यक्ष का चयन किया गया। सर्वसम्मति से राजेश ठाकुर को महासमिति का अध्यक्ष चुना गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने की, जबकि संचालन महासचिव विशाल जायसवाल ने किया। बैठक में आगामी रामनवमी महोत्सव की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष चुने जाने के बाद राजेश ठाकुर ने सभी अखाड़ा समितियों, महासमिति सदस्यों और संरक्षक मंडल के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस वर्ष रामनवमी का आयोजन भव्य और ऐतिहासिक होगा। राजेश ठाकुर ने घोषणा की कि 24 मार्च 2026 को रामगढ़ में भव्य मंगल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में पूरे क्षेत्र से 30 से 40 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि आयोजन को अनुशासित, आकर्षक और यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जाएंगी। पूर्व अध्यक्ष छोटन सिंह ने विश्वास जताया कि राजेश ठाकुर के नेतृत्व में महासमिति नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि समिति के सभी सदस्य एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करेंगे। बैठक का समापन महासचिव तुलेश्वर पासवान ने किया। इस अवसर पर शुभम वर्मा, राहुल वर्मा, बच्चन सिंह, संतोष कुमार नायक, पवन पासवान, अजय कुमार, अंशु पांडे, शंभू महतो, गोलू कुमार, आशीष सोनी, सूरज वर्मा, बबीता कुमारी, कीर्ति गौरव, दीपक सिसोदिया, कुणाल दास, दीपक सोनकर, अयोध्या वर्मा, बद्री विश्वकर्मा, मनीष मिश्रा, आयुष कुमार, सौरव गुप्ता, सुमित कुमार पांडा, अनामिका श्रीवास्तव, नंद किशोर राम, दानिश पटेल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

रामगढ़ में 14 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, लंबित मामलों को मिलेगा समाधान

रामगढ़ : आगामी 14 मार्च 2026 को व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), रामगढ़ के तत्वावधान में होगा, जिसमें विशेष रूप से मोटर वाहन दुर्घटना दावा वाद से जुड़े समझौता योग्य मामलों के निपटारे पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर व्यवहार न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रामगढ़ मो. तौफीकुल हसन ने की। इस अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम विशाल श्रीवास्तव, डीएलएसए के सचिव अनिल कुमार, एलएडीसी प्रमुख सुजित कुमार सिंह, अधिवक्तागण तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की कि मोटर वाहन दुर्घटना दावा वाद के जो मामले समझौते के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं, उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन आपसी सहमति से निपटाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से मामलों का त्वरित समाधान संभव है, जिससे न्यायालय शुल्क की बचत होती है और दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध भी बने रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे से न्यायिक प्रक्रिया में समय और संसाधनों की बचत होती है तथा पीड़ितों को जल्द राहत मिलती है। बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं और बैंक प्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की गई, ताकि अधिक से अधिक मामलों का समाधान लोक अदालत में हो सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने समझौता योग्य मामलों के निपटारे के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं और न्याय की प्रक्रिया को सरल, सुलभ और त्वरित बनाने में सहयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

राधा गोविन्द विवि में मेगा प्लेसमेंट ड्राइव, 400 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा 24 फरवरी 2026, मंगलवार को भव्य मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अनुदीप फाउंडेशन, रांची के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। प्लेसमेंट ड्राइव में 12 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए। इस रोजगार मेले में टेक महिंद्रा, कॉनसेंट्रिक्स, आउटर ऑर्बिट, निम्बस, जगन्नाथ हॉस्पिटल, श्रीराम फाइनेंस, आयुदा सॉल्यूशंस, बर्लिन हॉस्पिटल और क्रेडिटल हॉस्पिटल सहित अन्य कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कंपनियों द्वारा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों की योग्यता, तकनीकी दक्षता और संवाद कौशल का मूल्यांकन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के 400 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता सुनिश्चित की। चयन प्रक्रिया पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। कई विद्यार्थियों का प्रारंभिक चयन होने से परिसर में उत्साह का माहौल देखा गया। यह आयोजन विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं से परिचित कराने का प्रभावी मंच साबित हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाना भी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट जगत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की सफलता पर विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार तथा प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने प्लेसमेंट सेल की टीम को शुभकामनाएं दीं। मौके पर विभागाध्यक्ष, व्याख्यातागण और प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉ. प्रशांत कुमार, मो. रिजवान नूरी, कुंदन कुमार, साई प्रकाश, डॉ. दिलकेश्वर प्रसाद, मनोज करमाली, डॉ. सौरभ सिंह, निशा रानी और वैष्णवी सहित सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कस्तूरबा इंटर महिला महाविद्यालय को मिली नई दिशा, डॉ. उमा सेन गुप्ता बनीं प्राचार्य

रामगढ़ : क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान कस्तूरबा इंटर महिला महाविद्यालय को नई नेतृत्वकर्ता मिल गई हैं। डॉ. उमा सेन गुप्ता ने मंगलवार को पूर्वाह्न 10 बजे प्राचार्य पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के साथ ही महाविद्यालय परिसर में स्वागत और उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद महाविद्यालय के व्याख्याताओं और कर्मचारियों ने डॉ. उमा सेन गुप्ता का स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय की शासी निकाय अध्यक्ष और स्थानीय विधायक ममता देवी ने भी नई प्राचार्य को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संस्थान नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। डॉ. उमा सेन गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि छात्राओं की संख्या बढ़ाने, नियमित कक्षाओं के संचालन, अनुशासन को सुदृढ़ करने और शिक्षण की गुणवत्ता को उन्नत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही महाविद्यालय की आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक और सुरक्षित वातावरण आवश्यक है। इसी उद्देश्य से शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग से योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। नई प्राचार्य के स्वागत में डॉ. शशिधर कुमार, प्रो. गोविंद झा, प्रो. अंजू शर्मा, प्रो. सुधीर कुमार, प्रो. प्रिया रानी, प्रो. बबीता कुमारी, प्रो. नीलिमा झा, प्रो. डोली शरण, प्रो. मोनी ज्योति, स्नेहा प्रसाद, रवीश कुमार, शशि कुमार, राधा देवी और मंजू देवी सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई है कि डॉ. उमा सेन गुप्ता के नेतृत्व में संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुशासन के नए मानक स्थापित करेगा।

खूंटी नगर पंचायत चुनाव : 27 फरवरी को खुलेगा 80 प्रत्याशियों के भाग्य का पिटारा

खूंटी : खूंटी नगर पंचायत चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए किस्मत आजमा रहीं तीन प्रत्याशियों समेत वार्ड पार्षद पद के 77 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 27 फरवरी को होगा। हालांकि मतगणना अभी शेष है, लेकिन शहरी क्षेत्र में चुनाव परिणाम को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। प्रत्याशी ही नहीं, उनके समर्थक भी अपने-अपने समीकरण के आधार पर जीत-हार के दावे कर रहे हैं। नगर पंचायत का यह चुनाव भले ही गैर-दलीय आधार पर संपन्न हुआ हो, लेकिन स्थानीय स्तर पर प्रमुख राजनीतिक दलों ने खुलकर अपने-अपने समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाया। अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी ने रानी टूटी को समर्थन दिया है, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सोनम बागे के पक्ष में ताकत झोंकी है। वहीं कांग्रेस ने मनोनीत बोदरा को अपना समर्थन दिया है। इस चुनाव की सबसे बड़ी राजनीतिक विशेषता यह रही कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ लड़ने वाले इंडी गठबंधन के दो प्रमुख दल—झामुमो और कांग्रेस—ने यहां अलग-अलग प्रत्याशियों को समर्थन दिया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इससे गठबंधन की जमीनी एकजुटता पर सवाल खड़े हुए हैं। शहरी मतदाताओं के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या इस विभाजन का असर सीधे चुनाव परिणाम पर पड़ेगा। स्थानीय राजनीति पर पैनी नजर रखने वाले विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस और झामुमो के अलग-अलग चुनावी रणनीति अपनाने से वोटों का बिखराव संभव है। खासकर आदिवासी और ईसाई मतदाताओं के बीच यदि समर्थन बंटता है तो इसका सीधा लाभ भाजपा समर्थित प्रत्याशी को मिल सकता है। हालांकि दूसरी ओर कुछ जानकार यह भी मानते हैं कि नगर निकाय चुनाव में स्थानीय मुद्दे, व्यक्तिगत छवि और जनसंपर्क अधिक प्रभावी भूमिका निभाते हैं। ऐसे में अंतिम परिणाम पूरी तरह से जमीनी समीकरण और मतदाताओं की प्राथमिकताओं पर निर्भर करेगा। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह चुनाव परिणाम स्पष्ट करेगा कि खूंटी शहरी क्षेत्र में किस दल की वास्तविक पकड़ मजबूत है। अध्यक्ष पद के साथ-साथ वार्ड पार्षदों के परिणाम भी भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने में अहम संकेत देंगे। अब सबकी निगाहें 27 फरवरी की मतगणना पर टिकी हैं, जब यह साफ हो जाएगा कि शहरी मतदाताओं ने किसे अपना भरोसा सौंपा है और किसके समीकरण सही साबित हुए हैं।

एक नजर

अनियंत्रित होकर टोटो पलटने से चालक सहित एक यात्री घायल, रेफर

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के लखीपुर पेट्रोल पंप के पास अनियंत्रित होकर टोटो पलट जाने से चालक सहित एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मनसिंघा की सरीफा खातुन (21) फुलवरिया से अपने घर जाने के लिए टोटो पर जा रही थी। तभी लखीपुर के पास टोटो चालक की लापरवाही से अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। उसमें उक्त महिला और नया बाजार मोगलानी चक के सोहेल शेख (18) गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर कुमार सौरभ ने दोनों को इलाज किया। गंभीर स्थिति में सरीफा खातुन को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

तीन दिवसीय मोबलाइजर्स प्रशिक्षण शुरू

साहिबगंज : जिले के उधवा प्रखंड कार्यालय में सोमवार को तीन दिवसीय पेसा मोबलाईजर्स प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मौके पर राजमहल, तालझारी एवं उधवा प्रखंड के मोबलाईजर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, मास्टर ट्रेनर पैलुस मुर्मू व मो. मुस्ताकिम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मास्टर ट्रेनर पैलुस मुर्मू व मो. मुस्ताकिम ने बारी-बारी से पेसा कानून के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कानून (पेशा एक्ट) के तहत रूढ़िगत स्वशासन, ग्राम सभा की भूमिका, जल-जंगल-जमीन से जुड़े अधिकारों और वन संसाधनों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर प्रखंड समन्वयक विनोद मरांडी, पंचायत सचिव मोनिका मुर्मू, मोबलाईजर सेलीम अख्तर, दिपक कुमार शर्मा, पवन कुमार मंडल, मोहम्मद जसीमुद्दीन, मो. फिरोज आलम, विरेश स्वर्णकार, नाईम आलम, खालिदा खातून, संजय टुडू, मांथा मुर्मू व तबस्सुम खातून आदि थे।

अपहृत नाबालिग दो लड़कियों को पुलिस ने किया बरामद, आरोपी किशोर निरुद्ध

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र से अपहृत दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया है। घटना को लेकर थाना क्षेत्र निवासी एक मां ने अपनी दो नाबालिग पुत्रियों के अपहरण का आरोप लगाई थी। मामले को लेकर महिला की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। महिला के अनुसार बीते 20 फरवरी की रात्री घर के सभी लोग खाना खाकर सो गये थें। अहले सुबह 3:00 बजे नींद खुलने पर देखी कि 15 वर्षीय और 13 वर्षीय मेरी दोनों नाबालिग पुत्रियां घर से नदारत थीं। काफी खोज-बीन करने पर भी दोनों का कोई सुराग नहीं मिला, हालांकि बाद में पता चला कि राजमहल थाना क्षेत्र का ही एक किशोर ने दोनों नाबालिग पुत्रियों का अपहरण किया है। नाबालिग का मामला होने के कारण पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया। थाना कांड संख्या 63/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर तकनीकी आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों नाबालिग लड़कियों को बरामद कर दिया। साथ ही आरोपी किशोर को निरुद्ध किया गया है। जिसे बाल सुधार गृह भेजने की प्रक्रिया की जा रही थी।

आम आदमी को निराश करने वाला बजट : रघुवर दास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड सरकार की ओर से मंगलवार को पेश किए गए बजट पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि यह बजट आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा है। रघुवर दास ने बयान जारी कर कहा कि बजट में बड़े-बड़े आंकड़ों का खेल दिखाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के लिए भारी-भरकम राशि आवंटित करने की घोषणा मात्र से विकास सुनिश्चित नहीं होता। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या सरकार ने पिछले बजट में घोषित योजनाओं की राशि का पूरा और प्रभावी उपयोग किया कितनी योजनाएं धरातल पर उतरीं और कितने लाभुकों तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचा उन्होंने कहा कि इन सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए। रघुवर दास ने कहा कि किसी भी बजट की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि योजनाओं का क्रियान्वयन समय पर और पारदर्शी तरीके से हो। यदि आवंटित राशि का सही उपयोग नहीं होता है, तो वह केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। दास ने आरोप लगाया कि मौजूदा बजट में ठोस कार्ययोजना और प्रभावी निगरानी तंत्र की स्पष्ट झलक नहीं दिखाई देती। रघुवर दास ने कहा कि इस बजट में गरीबों, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं की अपेक्षाओं की अनदेखी की गई है। विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार सृजन को लेकर कोई प्रभावी और ठोस पहल नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि राज्य में बेरोजगारी एक गंभीर समस्या है, लेकिन बजट में इसे दूर करने के लिए कोई स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत नहीं किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से अपील की कि वह केवल घोषणाओं तक सीमित न रहकर परिणाम देने की दिशा में ठोस कदम उठाए। उन्होंने इस बजट को घोर निराशाजनक बताते हुए कहा कि यह राज्य के समग्र विकास को गति देने में सक्षम नहीं दिखता।

जनता दरबार में आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन विवाद से संबंधित, अनुकम्पा के आधार पर चौकीदार बहाली से संबंधित एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

श्रीराम राज्याभिषेक प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु, जयकारों से गूंजा कथा पंडाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी रेलवे स्टेशन के निकट प्रख्यात कथा वाचिका देवी राज नंदनी के मुखारविंद से प्रवाहित हो रही श्रीराम कथा के अंतिम दिन कथा स्थल पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर पुण्य लाभ कमाया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान की दिव्य आरती के साथ हुआ, जिसके बाद देवी राजनंदनी जी ने श्रीराम के राज्याभिषेक और वनवास के मार्मिक प्रसंग का वर्णन किया। कथावाचिका ने बताया कि महाराज दशरथ ने जब ज्येष्ठ पुत्र श्रीराम को राजा बनाने का निर्णय लिया, तो पूरी अयोध्या नगरी उत्सव के सागर में डूब गई थी। चारों ओर हर्षोल्लास का वातावरण था और प्रजा अपने प्रिय राजकुमार के राजतिलक की प्रतीक्षा कर रही थी। भगवान राम ने भी इस समाचार को अत्यंत सहजता के साथ स्वीकार किया, जो उनके स्थितप्रज्ञ व्यक्तित्व को दशार्ता है। कथा के दौरान उस दुखद मोड़ का वर्णन करते हुए देवी राज नंदनी ने कहा कि कैसे मंथरा के बहकावे में आकर रानी कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वरदान मांग लिए। एक ओर भरत के लिए राजसिंहासन और दूसरी ओर राम के लिए 14 वर्ष का कठिन वनवास।₹पिता के वचनों को निभाने के लिए श्रीराम ने बिना किसी संकोच के राजसी वस्त्र त्याग दिए और वल्कल धारण कर वन की ओर प्रस्थान किया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि कर्तव्य और धर्म, सत्ता से कहीं ऊपर होते हैं। कथा के समापन सत्र में बताया गया कि वनवास की अवधि पूरी करने और रावण का संहार करने के पश्चात, श्रीराम का भव्य राज्याभिषेक हुआ। उन्होंने 11,000 वर्षों तक न्यायपूर्ण शासन किया, जिसे आज भी हम 'रामराज्य' के रूप में याद करते हैं। कथा के अंत में श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती की और प्रसाद ग्रहण किया। अंत में कथा वाचिका देवी राजनंदिनी जी के द्वारा श्रीराम कथा का सफल आयोजन करने पर समिति के सभी सदस्य, मुख्य अतिथि एवं पत्रकार को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

होली पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर थाना परिसर में होली पर्व को लेकर शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी दिलीप टुडु ने की। इस दौरान प्रशासनिक पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों तथा विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य होली पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ मनाना सुनिश्चित करना था। अध्यक्षता करते हुए बीडीओ ने कहा कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, जो आपसी प्रेम और एकता का संदेश देता है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि पर्व के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में मुस्लिम समुदाय के पवित्र रोजे चल रहे हैं। ऐसे में सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वे एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें और संयम के साथ त्योहार मनाएं। उन्होंने कहा कि आपसी समझदारी और सहयोग से ही क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द बना रह सकता है। थाना प्रभारी विनय कुमार ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार से अशांति फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोग होली का त्योहार पारंपरिक रीति-रिवाजों और उत्साह के साथ मनाएं, लेकिन किसी भी तरह की जबरदस्ती, हुड़दंग या कानून-व्यवस्था भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी अप्रिय घटना से न केवल क्षेत्र, बल्कि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और पूरे समाज की छवि प्रभावित होती है। इसलिए सभी नागरिक इस पर्व को अपने घर का त्योहार समझकर परिवार, मित्रों और मोहल्ले के लोगों के साथ मिल-जुलकर शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। वहीं बैठक में उपस्थित लोगों ने भी प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे होली के दौरान शांति बनाए रखने में पूरा सहयोग करेंगे। अंत में सभी ने मिलकर आपसी सद्भाव, भाईचारे और एकता के साथ पर्व मनाने का संकल्प लिया।

आनंद मार्ग का जागरूकता अभियान में डायन प्रथा को बताया अंधविश्वास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर के गदरा क्षेत्र में आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से 100 जरूरतमंद लोगों के बीच मंगलवार को साड़ी और धोती का वितरण किया गया। इस अवसर पर संघ के कार्यकताओं ने डायन कुप्रथा, जीव बलि और ओझा-गुनी जैसी कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुनील आनंद ने कहा कि देवी-देवताओं के नाम पर जीव बलि देना महापाप है और इसका धर्म से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तंत्र-मंत्र के नाम पर किसी को हानि पहुंचाने की बातें निराधार और अंधविश्वास हैं। मंत्र साधना का उद्देश्य मानव के मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान के लिए है, न कि किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए। उन्होंने कहा कि डायन प्रथा और बलि प्रथा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही सामाजिक बुराइयां हैं, जिन्हें समाप्त करने के लिए वैज्ञानिक, व्यावहारिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। लोगों से अपील की गई कि बीमारी या सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं। परमात्मा भक्ति, कीर्तन और साधना से मनुष्य की आंतरिक शक्ति बढ़ती है और वही समाज को अंधविश्वास से मुक्त कर सकती है।

जमशेदपुर प्रोफेशनल कॉलेज में शुरू होगी पढाई, बजट में मिली स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : लंबे समय से अधर में लटका जमशेदपुर प्रोफेशनल कॉलेज अब शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू होगा। सरकार ने इसे संचालित करने की औपचारिक स्वीकृति मंगलवार को पेश किए गए बजट में दे दी है। बजट के जरिए कॉलेज को इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के रूप में विकसित किया जाएगा और इसका संचालन राज्य सरकार खुद करेगी। इसे पीपीपी मोड पर देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इस संबंध में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा है कि उन्हें विधानसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया था। उन्होंने तैयार भवन के बावजूद कॉलेज शुरू नहीं होने पर सवाल किया था। सरकार ने जवाब में स्पष्ट किया कि सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं और आगामी सत्र से पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। सरकार की ओर से मिली जानकारी के अनुसार यहां मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन ,इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट और डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे। इससे स्थानीय छात्रों को उच्च स्तरीय प्रोफेशनल शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।
उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में सिदगोड़ा स्थित इस भवन का निर्माण कराया गया था, लेकिन बीते कई वर्षों से यह उपयोग में नहीं आ सका था। अब कॉलेज की शुरूआत होने से कोल्हान के युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेगा। विधायक ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में यहां कौशल विकास से जुड़े और पाठ्यक्रम भी जोड़े जाएंगे, जिससे क्षेत्र में शिक्षण और रोजगार दोनों को नई दिशा मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

गायत्री महामंत्र से आत्म शक्ति का विस्तार होता है : अनिल

साहिबगंज : महामंत्र जितने जग माही कोऊ गायत्री सम नाही अर्थात हमारे वेद पुराणों में वर्णन है कि गायत्री महामंत्र सर्वशक्तिमान है जिसके जपने से हमारे अंदर आत्म शक्ति का विस्तार होता है। इसलिए सभी जाति धर्म संप्रदाय के लोगों को गायत्री महामंत्र जपना चाहिए। शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए नव पदस्थापित उप जोन समन्वयक इंजीनियर अनिल कुमार ने ये बातें कही। बताया गया कि शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा साहिबगंज उप जोन में पद स्थापित समन्वयक श्याम नंदन सिंह का स्थानांतरण बोकारो कर दिया गया है तथा उनके स्थान पर इंजीनियर अनिल कुमार को पदस्थापित किया गया है। विदाई समारोह की शुरूआत समन्वयक श्याम नंदन सिंह अनिल कुमार कमलकांत मंडल और वीरेंद्र कुमार चौधरी ने सामूहिक दीप प्रज्वलित कर किया। निवर्तमान समन्वयक श्याम नंदन सिंह को गायत्री मंत्र दुपट्टा पहनाकर तथा अंग वस्त्र सौंप कर उन्हें सम्मानित किया गया। सभी उपस्थित परिजनों ने उन्हें तिलक लगाकर तथा पुष्पांजलि देकर उनके मंगलमय तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामना की। निवेदन किया गया की साहिबगंज और पाकुड़ जिला में अपना आशीर्वाद अगले दिनों की बनाए रखेंगे। मौके पर की समन्वयक श्याम नंदन सिंह ने शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। मौके पर बोरियो से महादेव ठाकुर, राजमहल से सुबल कुमार शाह, बरहरवा से संजय भगत, मिजाचौकी से इना देवी, राज किशोर राय, वीरेंद्र कुमार चौधरी, हरिहर प्रसाद मंडल, सत्यदेव प्रसाद सिंह, शिवशंकर निराला, सरिता पोद्दार, निभा देवी, आदि मौजूद थे।

साहिबगंज उपायुक्त को आवेदन सौंप कर क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कार्य कराने की मांग

साहिबगंज : जिला के सदर प्रखंड अंतर्गत लाल बथानी गांव को साहिबगंज से जोड़ने वाले एकमात्र सड़क जो बलुआ दियारा और किसन प्रसाद के बीच बने मरगंग पुल लगभग पांच वर्षों से क्षतिग्रस्त है। वही 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी अभी तक जिला प्रशासन की ओर से ना ही किसी जनप्रतिनिधि ने अभी तक क्षतिग्रस्त पुल का कोई निदान नहीं निकाला है।वही पुल पर बड़ा हादसा हो सकता है क्योंकि इस पुल से मालवाहक गाड़ी पांच साल से बंद है। वही इस क्षतिग्रस्त पुल के पूरब साइड से डायवर्सन का निर्माण कर बड़ी गाड़ी को पार किया जाता है। वही बरसात के मौसम में लगभग तीन से चार महीना मालवाहक गाड़ी का रास्ता बंद हो जाता है,आसपास गांव वाले को आने-जाने में बहुत ही कठिनाई का सामना करना पड़ता है, वही राजमहल विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस नेता मो. कौसर आलम ने साहिबगंज उपायुक्त को आवेदन सौंप कर क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कार्य कराने की मांग की है। वही युवा कांग्रेस नेता मो. कौसर आलम ने बताया कि साहिबगंज जिला प्रशासन को इस पर संज्ञान लेने की जरूरत है,वही मरगंग में बने उच्च स्तरीय पुल की मरम्मत कराई जाए ताकि भविष्य में कोई हादसा न हो और आसपास के ग्रामीणों का आवागमन सुचारू रूप से चल सके।

महादेवगंज जागरूचौकी में शिव परिवार सह हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा हेतु निकली भव्य कलश यात्रा

साहिबगंज : जिला महादेवगंज जागरूचौकी स्थित गौशाला के जजमान परिवार रामगोपाल यादव उनकी धर्म पत्नी जीरिया देवी के आवास पर नव निर्माण शिवपरिवार सह हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा के लिए भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 पंच तेरह भाई त्यागी महामंडलेश्वर श्री बृजमोहन दास जी महाराज का आगमन हुआ। उनके साथ महामंडेश्वर राम बालक दास जी महाराज, महामंडलेश्वर सुदामा दास जी महाराज,महंडलेश्वर धर्म दास जी महाराज,महामंडलेश्वर महावीर दास जी महाराज श्री अयोध्या धाम खाक चौक उत्तरप्रदेश से पधारे, इस पावन अवसर पर पूरी बनारस के पुरोहित द्वारा मंत्रों उच्चारण विधि विधान से पूजा स्थानीय पत्थर घाट मां गंगा से जल भर 251 मातृशक्ति, कन्या द्वारा कलश यात्रा में शामिल हुई। इस अवसर पर पप्पू यादव, बबन यादव, माखनलाल यादव, अनुराग राहुल, श्री कृष्ण जी महाराज शांति कुंज हरिद्वार कमलेश यादव निर्मल यादव, विजय पासवान, बिनोद कुमार बौद्ध, भगवान, सहित सैकड़ो श्रद्धालुगण शामिल थे।

सात बकायादारों का कटा विद्युत कनेक्शन

साहिबगंज : उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उधवा चौक तथा मसना गांव में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले 7 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 7 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने के साथ-साथ विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रशीद लेकर ही बिजली उपयोग करने को कहा गया। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल,इस्लाम शेख,पूरन साहा,शौकत शेख,अरूण मंडल,प्रकाश मंडल,दिपक मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

सर्पदंश से बालक अचेत

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड अंतर्गत कन्हैया स्थान में मंगलवार को एक बालक को सांप ने डस लिया। इलाज के लिए उसे अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां मिली जानकारी के अनुसार कन्हैया स्थान निवासी आनंद मंगल के पुत्र शिव कुमार (13) को घर के नजदीक मछली पकड़ने के लिए गया हुआ था। इसी दौरान एक सांप ने उसे डस लिया। लोगों ने परिजनों को सूचना दी। इधर अस्पताल लाने के बाद चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज के क्रम में उसे एंटी वेनम का डोज दिया और बालक को अगले 24 घंटे तक चिकित्सीय निगरानी में रखने की सलाह दी। बालक की स्थिति स्थिर बनी हुई थी।

विधानसभा में सीएम नीतीश ने विपक्ष से कहा- फालतू बात मत करिए, सब दिन रहेगी हमारी सरकार

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभ में विपक्ष दफदार-चौकीदार संघ के सदस्यों की पिटाई के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहा था। इसी बीच सीएम नीतीश कुमार खड़े हो गए। उन्होंने राजद, वामदल और कांग्रेस के विधायकों से कहा कि फालतू बात मत करिए। बिहार विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। विपक्ष ने दफादार और चौकीदार संघ के सदस्यों की पिटाई के मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछा। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक कुमार सर्वजीत ने सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि निर्मम तरीके से दफादारों और चौकीदारों को पीटा गया। इसके बाद विपक्ष के विधायक ₹लाठी गोली की सरकार नहीं चलेगी₹ का नारा लगाने लगे। इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री ने उन्हें टोकते हुए कहा कि अगर सरकार नहीं चलेगी तो दफादार और चौकीदार संघ की बात कौन सुनेगा? विपक्ष फिर नारेबाजी करने लगा। सीएम नीतीश कुमार अचानक खड़े हो गए। उन्होंने विपक्ष से कहा कि आपलोग क्या बोल रहे हैं कि यह सरकार नहीं चलेगी? सरकार सब दिन रहेगी। आप लोग अब कितना हो गए? कितनी कम संख्या हो गई आपलोगों की? हमलोगों की संख्या भी देख लीजिए। सीएम नीतीश बोले- आपलोग गड़बड़ करते थे राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने सीएम नीतीश कुमार से कहा कि लाठी गोली की सरकार नहीं चलेगी। इस पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि फालतू बात मत कीजिए। आपलोगों की सरकार ने कोई काम नहीं किया है। पहले तो लोग शाम को घर से बाहर निकलने से डरते थे। आपलोग गड़बड़ करते थे इसलिए आपलोगों को छोड़ दिए। आपकी सरकार ने कोई काम ही नहीं किया। अब आप जानते हैं कि बिहार कितना आगे बढ़ गया है। इसलिए फालतू बात मत कीजिए। बिना मतलब का प्रदर्शन मत कीजिए। आपलोग जो भी बात कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं है। आप अपनी संख्या की बात कीजिए न। सीएम नीतीश के सामने विपक्ष की नारेबाजी सीएम नीतीश कुमार की बातें सुनकर विपक्ष के विधायकों ने वेल में आकर जमकर नारेबाजी की। सीएम नीतीश कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष से अपील करते हुए कहा कि कहा कि जो सदन में गड़बड़ करे, उसे बाहर कर दीजिए। विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के विधायकों को समझाने की काफी कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। सभी विधायक हंगामा करने लगे। विधायकों ने जमकर प्रदर्शन किया। ₹नीतीश सरकार होश में आओ और नीतीश सरकार हाय हाय का नारा लगाने लगे। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री ने दफादार और चौकीदार संघ मामले पर विपक्ष के सवाल का जवाब दिया। जानिए मंत्री विजय चौधरी ने क्या कहा? संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि सोमवार को दफादार-चौकीदार संघ की ओर से प्रदर्शन किया गया। सरकार ने उन्हें प्रदर्शन करने दिया। अगर सरकार प्रदर्शन के खिलाफ होती तो प्रदर्शन को रोक देती। इसलिए विपक्ष का आरोप गलत है। जहां तक चौकीदार-दफादार की बात है तो उनकी सेवा शर्तों पर सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो निर्णय लिए गए हैं, वह ऐतिहासिक है। किसी संगठन को लोक व्यवस्था को छिन्न भिन्न करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। लोगों को परेशानी हुई। इसलिए कार्रवाई हुई। विजय चौधरी ने कहा कि सरकार किसी पर अन्याय नहीं करती है। चौकीदारों के संबंध जितना बड़ा ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार ने लिया है, उतना किसी ने नहीं लिया। उन्होंने विपक्ष से कहा कि घड़ियाली आंसू बहाने का कोई फायदा नहीं है।

सिक्योरिटी कम करने पर बोले पप्पू यादव, एक जाति विशेष के लिए इतनी नफरत क्यों

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने अपनी सुरक्षा में कमी करने पर बिहार सरकार और गृह मंत्री सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर तंज कसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरी गिरफ्तारी और सुरक्षा में कटौती अहंकार और बदले की भावना का परिणाम है। जब पहली बार लॉरेंस से जुड़े खतरे की चर्चा सामने आई थी, तब सरकार ने सुरक्षा बढ़ाई थी और ८ प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। कुछ दिनों बाद बिना स्पष्ट कारण बताए सुरक्षा घटा दी गई। आखिर किस आधार पर मेरी सुरक्षा कम की गई ? लिखित आदेश क्यों नहीं दिया गया ? कई बार डीजीपी को फोन करने के बावजूद कॉल नहीं उठाया गया। एक सांसद का फोन तक नहीं उठाया गया, यह अपमान है। इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। सांसद ने सम्राट चौधरी से अपील करते हुए कहा कि वे जाति विशेष के प्रति नफरत और बदले की भावना से ऊपर उठें। राजनीति अटल और नेहरू जी जैसी होनी चाहिए, जहां मतभेद हो सकते हैं लेकिन मनभेद नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे बिहार में सरकार के निशाने पर सिर्फ पप्पू यादव हैं। विपक्ष भी समझौता कर चुका है, लेकिन मैं नहीं करूंगा। सांसद ने आरोप लगाया कि विधानसभा में मेरे बारे में भ्रामक और अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया गया। नेताओं से मयार्दा की उम्मीद होती है, लेकिन यहां अमयार्दा दिखाई दे रही है। बंदर के हाथ में नारियल वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरी गिरफ्तारी भी सरकार के अहंकार का परिणाम था। आपने दिखा दिया कि आप ताकतवर हैं, लेकिन लोकतंत्र में ताकत जनता की होती है।

30 साल से बंद सकरी और रैयाम चीनी मिलें फिर से खुलेंगी

पटना (एजेंसी)। 30 साल से बंद पड़ीं दरभंगा की रैयाम और मधुबनी की सकरी चीनी मिलों को फिर से शुरू किया जाएगा। इसके लिए सोमवार को सहकारिता विभाग और राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ लिमिटेड, नई दिल्ली के बीच समझौता हुआ। संघ 15 दिनों में मिलों को खोलने की डीपीआर बनाएगा। सहकारिता विभाग के अब्दुल रब खां और संघ के प्रबंध निदेशक प्रकाश नाईकनवारे ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। ये चीनी मिलें साल 1996 से बंद पड़ी हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि सकरी और रैयाम में गन्ना कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा। इसमें चीनी, इथेनॉल और सीएनजी का उत्पादन होगा। सकरी चीनी मिल में 30.848 एकड़ तथा रैयाम में 68.176 एकड़ भूमि उपलब्ध है। जमीन सहकारिता विभाग को हस्तांतरित करने की कार्रवाई जारी है। डीपीआर बनाने के लिए संघ दोनों चीनी मिलों के क्षेत्र के किसानों से बात करेगा। मिट्टी की जांच करेगा और संसाधनों को तलाशेगा। संघ के एमडी प्रकाश नाईकनवारे ने बताया कि काम शुरू हो गया है। टीम दरभंगा और मधुबनी में अगले 7-8 दिनों तक क्षेत्र अध्ययन करेगी। 1930 में दरभंगा महाराज ने मिलें शुरू की थी साल 1930 में दरभंगा महाराज ने सकरी और रैयाम चीनी मिलें खोली थीं। वर्ष 1976 में मिलें घाटे में जाने लगीं। कारण कि एक चीनी मिल से 800 से 1000 टन ही गन्ने की पेराई हो रही थी। घाटे में जाने के कारण बिहार शुगर कोऑपरेशन दोनों मिलों को चलाने लगा। साल 1995 तक सरकार के अनुदान से दोनों मिलों का संचालन होता रहा। फिर साल 1996 में घाटे में जाने के कारण दोनों चीनी मिलों को बंद करना पड़ गया। तब 2401 गांवों के चार लाख से अधिक किसान प्रभावित हुए थे। अब 2401 गांवों में फिर से गन्ने की खेती होगी रैयाम और सकरी चीनी मिलों के बंद होने के बाद इलाके के किसान धान-गेहूं की खेती करने लगे। अब जब मिलें फिर से शुरू होंगी तो गन्ना उद्योग विभाग और कृषि विभाग इन 2401 गांवों के किसानों से दोबारा गन्ने की खेती कराएगा। इसके लिए किसानों को अनुदान देने के साथ सिंचाई की व्यवस्था करेगा।

दरभंगा पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन :संजय सरावगी की मां के द्वादशा कार्यक्रम में हुए शामिल

दरभंगा (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दरभंगा पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर समर्थकों ने उनक भव्य स्वागत किया। इसके बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की मां स्वर्गीय राधा देवी सरावगी के द्वादशा कार्यक्रम में शामिल हुए। तैल्य चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को ढांढस बंधाया। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री दिलीप जायसवाल, केंद्रीय राज्यमंत्री नित्यानंद राय, सांसद गोपाल जी ठाकुर, संजय जयसवाल, धर्मशीला गुप्ता और बीजेपी विधायक जीवेश मिश्रा ने भी तैल्य चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। द्वादशा कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत बिहार सरकार के मंत्री और विधायक भी शामिल होंगे। सीएम नीतीश दोपहर 3 बजे के बाद पहुंचेंगे। राज्यपाल-सीएम और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर दरभंगा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक पुलिस बल की तैनाती, रूट लाइनिंग और यातायात प्रबंधन की विशेष तैयारी की गई है। शहर में आज ट्रैफिक-व्यवस्था बदली गई है। कार्यक्रम खत्म होने तक बदली ट्रैफिक व्यवस्था से ही वाहन चलेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जहां ट्रैफिक व्यवस्था बदली गई है। उन मार्गों को छोड़कर अन्य सभी रूटों पर वाहनों का परिचालन पहले जैसा ही जारी रहेगा। विशेष परिस्थिति में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि निर्धारित रूट और पार्किंग व्यवस्था का पालन करें, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हो सके। प्रशासन ने बताया कि वीआईपी मूवमेंट के दौरान निर्धारित मार्गों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराया जाएगा। वहीं, सीएम नीतीश के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, रूट लाइनिंग और ट्रैफिक कंट्रोल की विशेष व्यवस्था की है।

तेजप्रताप-ऐश्वर्या की शादी बचेगी या टूटेगी, सुलह की आखिरी कोशिश

पटना (एजेंसी)। लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजप्रताप और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय से जुड़े डिवोर्स मामले में आज सुलह की तारीख है। फैमिली कोर्ट के प्रिंसिपल जज सुनील दत्त पांडेय के सामने दोनों पक्षों के बीच तीसरी बार समझौता कराने की कोशिश होगी। कोर्ट ने पहले ही दोनों पक्षों को मध्यस्थता में सहयोग करने के लिए कहा है। दोनों का यह मामला फैमिली कोर्ट में चला। उसके बाद हाईकोर्ट गया और फिर से केस फैमिली कोर्ट में है। पटना हाईकोर्ट में ऐश्वर्या राय का रिव्यू पीटिशन खारिज हो चुका है। कोर्ट कह चुका है कि हम मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे और दोनों पक्ष मध्यस्थता में सहयोग करें। इन सब के बीच तेजप्रताप यादव का नाम अनुष्का यादव से जुड़ रहा है। चर्चा है कि अनुष्का ने उनकी संतान को जन्म दिया। अनुष्का को लेकर तेजप्रताप यादव के बयान बदलते रहे हैं। तेजप्रताप ने अनुष्का से संबंध को इनकार कर दिया है। राजनीतिक परिवार के चलते मामला हाईप्रोफाइल तेजप्रताप और ऐश्वर्या राय का मामला इसलिए हाईप्रोफाइल है कि तेजप्रताप यादव , पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के बड़े बेटे हैं और ऐश्वर्या राय बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री दारागा प्रसाद राय की पोती। पिता चंद्रिका राय भी कई बार विधायक-मंत्री रह चुके हैं। 24 फरवरी को तेज प्रताप और ऐश्वर्या मामले को लेकर फैमिली कोर्ट में मध्यस्थता की फिर से कोशिश होगी। पटना हाईकोर्ट के सीनियर वकील सर्वदेव सिंह के मुताबिक, कोर्ट के सामने अगर साक्ष्य नहीं है तो वह तेज प्रताप यादव के डिवोर्स पीटिशन को डिसमिस कर सकते हैं। जहां तक अनुष्का की बात है तो हिंदू मैरिज एक्ट में दो पत्नी रखने या एक पत्नी के रहते हुए दूसरे के साथ संबंध नाजायज है। यह एक्स्ट्रा मैरेटल रिलेशन का मामला बनता है। कोर्ट इस मामले में ऐश्वर्या को कह सकता है कि आप तेज प्रताप यादव पर त्रक्षक कीजिए। तीसरी बात यह कि जब ऐश्वर्या पब्लिक डोमेन में आकर यह सवाल उठा चुकी ह

छोटे भाई को पार्टी पंडाल से बाहर खींचकर गोली मारी':फिर बड़े पर फायरिंग की; पिता ने कहा- पहले धमकी दी

पटना (एजेंसी)। 'मेरे परिवार और गोतिया (रिश्तेदार) से पुश्तैनी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जमीन 6 एकड़ 56 डिसमिल है। इसको लेकर पिछले 40 साल से कोर्ट में मामला चल रहा था। 5 महीने पहले कोर्ट ने हमारे पक्ष में फैसला सुनाया था। इस फैसले के बाद भी हमने अपने गोतिया को 3 एकड़ 28 डिसमिल यानी आधी जमीन देने की पेशकश की। लेकिन वो लेने को तैयार नहीं थे। कृष्णा राय और प्रेम शंकर राय पूरी जमीन हड़पना चाहते थे, क्योंकि इसकी कीमत करोड़ों में है। इस जमीन की वजह से ही मेरे दोनों बेटों की हत्या कर दी गई।' ये कहना है मृतक भाइयों के पिता राज किशोर राय का। सोमवार को भास्कर रिपोर्टर मृतक भाइयों के घर पहुंचे। मरने वाले बड़े भाई मनीष की पत्नी पिंकी बेसुध थीं, वो बार-बार पति-देवर के हत्यारे के लिए फांसी की मांग कर रही थीं। पटना के गोपालपुर में रविवार की रात करीब 8:30 से 9 के बीच रिसेप्शन पार्टी थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल से करीब 12 अपराधी मौके पर पहुंचे। सभी अपराधी हाथ में हथियार लेकर मनीष और मनजीत कुमार के बाहर निकलने का इंतजार कर रहे थें। जैसे ही दोनों पार्टी से बाहर निकले, वैसे ही ताबड़तोड़ गोलियां चलने लगी। मनीष और मनजीत कुमार को 6 गोलियां लगी, जिससे दोनों की मौत हो गई। दोनों के पिता राज किशोर राय ने गोपालपुर थाने में 12 नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है। एसआईटी की 4 टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी कर रही हैं। हालांकि, आरोपी परिवार के साथ फरार है। पंडाल से खींचकर छोटे भाई को बाहर ले गए बदमाश मृतक के भाई रजनीश ने बताया कि 20-22 की संख्या में बदमाश पंडाल के पास पहुंचे। इसके बाद मेरे छोटे भाई को पंडाल से खींचकर बाहर ले गए। फिर उसपर गोलियां चलाईं। उसका सिर फट गया था। इसी दौरान मेरे बड़े भाई वहां पहुंचे तो उनपर भी गोलियां चला दी। दोनों भाइयों को सिर, सीने और शरीर के ऊपरी हिस्से में 5-6 गोलियां मारी गईं। गोली लगने से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रात करीब 9 बजे दोनों भाई गांव के ही दौलत राय के बेटे विक्की की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने पहुंचे थे। खेत में पंडाल लगाकर भोज का आयोजन किया गया था,

फिलहाल खाली नहीं होगा राबड़ी आवास:10 सर्कुलर वाले घर से लालू परिवार को BJP नेता हटाना चाहते थे

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने एक लेटर निकाला। जिसमें लिखा था- विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को 39, हार्डिंग रोड बंगला अलॉट किया जाता है। इस लेटर के सामने आते ही बिहार की राजनीति में खलबली मच गई। कहा गया- राबड़ी देवी को 20 साल बाद 10 सर्कुलर रोड वाला बंगला खाली करना होगा। इस नोटिस को निकले आज 90 दिन हो गए हैं। राबड़ी देवी अब भी उसी बंगले में आराम से हैं। सूचना है कि ना वह खाली करेंगी और ना सरकार उसे खाली कराना चाहती है। राबड़ी देवी लेटर निकलने के बाद भी आवास क्यों खाली नहीं करेंगी। सरकार ने कैसे अपने फैसले को बदलने का मन बनाया है। जानिए, इस एक्सक्लूसिव रिपोर्ट मेंह्व। भाजपा के बड़े नेता के दबाव में निकला था आदेश सूत्रों के मुताबिक, राबड़ी आवास को खाली कराने का प्लान भाजपा के एक बड़े मंत्री का था। नई सरकार में ताकत मिलने के बाद उन्होंने तुरंत इसे अप्लाई करना शुरू किया। उन्होंने एक अफसर को ऐसा करने को कहा। सरकारी भवनों की रखवाली करने की जिम्मेदारी वाला भवन निर्माण विभाग खउब्र कोटे के मंत्री विजय चौधरी के पास है। चौधरी को नीतीश कुमार का खास माना जाता है। भाजपा के बड़े नेता ने जिस अफसर को ऐसा करने को कहा था वह भी मुख्यमंत्री के खास अफसरों में से है। बताया जा रहा है कि भाजपा नेता ने जब ऐसा करने को कहा तो मंत्री और अफसर ने उनकी बात मान ली। क्योंकि पहली बार गृह मंत्रालय छोड़ने के फैसले ने मंत्री और अफसरों में नीतीश कुमार के कमजोर होने की छवि को मजबूत कर दिया था। हालांकि, मंत्री और अफसर ने यहां थोड़ी चालाकी कर दी थी, राबड़ी देवी को नया आवास को अलॉट कर दिया लेकिन ना खाली करने का नोटिस दिया और ना ही 10 सर्कुलर रोड वाले बंगले को किसी और मंत्री को अलॉट किया। मीडिया में खबर आने पर नीतीश हुए एक्टिव बताया जाता है कि नीतीश कुमार को राबड़ी देवी के नए आवास के बारे में जानकारी नहीं थी। मीडिया में जब घर खाली करने की खबरें चलने लगी तो उन्होंने अफसर से बुलाकर पूछा। अफसर ने पूरी बात बताई। इसके बाद उन्होंने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। सूत्रों के मुताबिक, इसे लेकर नीतीश कुमार ने भाजपा नेता से बात की और फटकार तक लगाई। साथ ही आगे से दूसरे के विभाग में दखल नहीं देने की हिदायत दी। अब जानिए, क्या है 39 हार्डिंग रोड वाले बंगला की हालत? राबड़ी देवी को अलॉट नए कोठी की मरम्मत कराई जा रही है। इसमें रंग-रोगन से लेकर अन्य तरह की बेसिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है। मरम्मत से जुड़े काम को पूरा कर लिया गया है। बिजली, प्लंबर आदि के काम हो गए हैं। पेड़-पौधों की छटाई कर ली गई है। साफ है नई कोठी राबड़ी देवी के इंतजार में है। राबड़ी के लिए नए घर में रहना मुश्किल 39 हार्डिंग रोड बंगला की सुविधाओं के बारे में हमने यहां रह चुके पूर्व मंत्री रामसूरत राय से बात की। उन्होंने बताया कि यह आवास एक परिवार के रहने के लिए काफी बड़ा है। हालांकि राबड़ी देवी अगर अपने दोनों बेटों, सभी बेटियों और उनके बच्चों के साथ रहना चाहें तो मुश्किल होगी। इसके लिए उन्हें दूसरा आशियाना देखना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह घर इतना बड़ा जरूर है कि राबड़ी देवी और लालू यादव रह सकें। बंगले की मुख्य इमारत दो मंजिला है। इसमें ऊपर 3 और नीचे 3 बड़े बेडरूम हैं। इसके अलावा ड्रांइग रूम, डाइनिंग रूम, एक बड़ा हॉल है।

संक्षिप्त डायरी

बाढ़ के लाई को जीआई टैग दिलाएगी सरकार

पटना (एजेंसी)। बाढ़ विधायक सियाराम सिंह ने बाढ़ की प्रसिद्ध खोबी की लाई के जीआई टैग का मामला विधानसभा में उठाया तो कई विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र की प्रसिद्ध मिठाइयों का मसला उठाया। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी और उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि इस संबंध में कार्रवाई की जाएगी। स्पीकर प्रेम कुमार ने कहा कि इस सत्र में वसंतोत्सव के दौरान प्रदर्शनी की व्यवस्था करा पाना संभव नहीं है। आगामी सत्र में बिहार के विभिन्न क्षेत्रों के जीआई टैग प्राप्त एवं अन्य विशिष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। राज्य के किसानों को 266 रुपए बोरा वाला यूरिया 350-400 रुपए में मिल रही है। भाजपा के देवेश कांत सिंह, जदयू के मंजीत कुमार सिंह समेत 5 विधायकों ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से ये बातें कहीं। देवेशकांत ने कहा कि खाद आपूर्ति करने वाली कंपनियां खुदरा दुकानदार को ट्रांसपोर्टेशन का खर्च नहीं दे रही। दुकानदार सारा खर्च जोड़कर 350-400 रुपए में यूरिया बेच रहे हैं। इस पर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि इस मसले पर सरकार बैठक कर शीघ्र समीक्षा करेगी। पूर्व मंत्रियों ने पूछा- मंदिर की घेराबंदी को निबंधन जरूरी क्यों? राज्य के मंदिरों की घेराबंदी व बाउंड्री के मसले पर भाजपा के दो पूर्व मंत्रियों तारकिशोर प्रसाद और सुनील कुमार ने सवाल उठाए। सदन में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पूछा कि मंदिर की घेराबंदी के लिए धार्मिक न्यास पर्षद से निबंधित होना क्यों जरूरी बनाया गया है? 10 हजार कब्रिस्तानों की घेराबंदी की गई, पर उनमें तो निबंधित होने की शर्त नहीं है। सम्राट ने कहा कि निबंधन से मुक्त करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सुनील कुमार ने फिर कहा कि बिहारशरीफ में 83 डिसमिल सरकारी जमीन कब्रिस्तान के लिए घेर ली गई है। इसको मुक्त कराएं।

बिहार की 11 इकाइयों से ही इथेनॉल खरीदने का एग्रीमेंट

पटना (एजेंसी)। बिहार की 11 इकाइयों से इथेनॉल खरीदने का एग्रीमेंट है। जबकि 8 इथेनॉल प्लांट बिना परमिशन के लगाए गए हैं। इनसे इथेनॉल खरीदने का एग्रीमेंट नहीं है। उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने विधानसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में सुधर रही औद्योगिक स्थिति को बिगाड़ने के लिए अस्थिरता का माहौल फैलाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर रोने-गाने का वीडियो फैलाया जा रहा है। हकीकत यह है कि राज्य में स्थापित 11 इथेनॉल इकाइयों से उत्पादित 46 करोड़ लीटर इथेनॉल खरीदने के एग्रीमेंट के विरुद्ध 35 करोड़ लीटर इथेनॉल पेट्रोलियम कंपनियां खरीद रही हैं। सभी उत्पादित इथेनॉल खरीदने के लिए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री तैयार हो गए हैं। बिहार में वहीं, भाजपा विधायक और इथेनॉल इकाई से जुड़ी कोमल सिंह ने विधानसभा में सवाल किया कि अगर बिहार की इथेनॉल इकाइयां ठीक से काम कर रहीं हैं तो 26 रुपए किलो बिकने वाला वाला मक्का 16 रुपए में बाजार में क्यों बिक रहा है? इथेनॉल इकाइयों को घटाकर 50% कैपेसिटी पर ही उत्पादन करने को क्यों कहा जा रहा है? इस 50% उत्पादन में 40% उत्पादन पंजाब से आने वाले चावल से ही करने को क्यों कहा जा रहा है? इथेनॉल खरीदने के लिए लांग टर्म एग्रीमेंट क्यों किया गया? इस पर उद्योग मंत्री ने कहा कि पूरे बिहार में 2958 करोड़ निवेश वाली 58 फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगनी हैं। मुजफ्फरपुर में ही 714 करोड़ की 30 इकाइयां काम करेंगी।

वार्ड सदस्यों को पांच लाख रुपए तक खर्च करने का अधिकार मिलेगा : श्रवण

पटना (एजेंसी)। सौरभ कुमार ने कहा कि मुखिया को अपने क्षेत्र में विकास कार्य के लिए राशि दी जाती है, जबकि वार्ड सदस्यों को कोई वित्तीय अधिकार नहीं है। मुखिया की स्वीकृति के बाद ही वार्ड में विकास कार्य होता है। कई स्थानों पर मुखिया अपने समर्थकों के क्षेत्रों में ही विकास कार्य कराते हैं। ऐसे में वार्ड सदस्यों को भी 5 लाख रुपए तक विकास कार्य कराने का अधिकार दिया जाना चाहिए। उनके प्रस्ताव का समर्थन सच्चिदानंद, कुमार नागेंद्र, संतोष कुमार सिंह और दिनेश प्रसाद सिंह सहित अन्य सदस्यों ने किया। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इस विषय में समीक्षा की जाएगी और वार्ड सदस्यों को वित्तीय अधिकार देने पर विचार होगा। डॉ. संजीव कुमार सिंह के प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि नदी और पोखरों के किनारे बनी सड़कों के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी, जिससे सड़क की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। जदयू एमएलसी नीरज कुमार ने विपक्ष पर गलत और भ्रामक आंकड़े पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दानापुर के दुलरुआ मामले पर भी विपक्ष को तथ्यों की जानकारी लेनी चाहिए। गलत आंकड़े पेश करने वालों को शो-कॉज नोटिस भेजा जाएगा। तरुण कुमार ने योजनाओं के उद्घाटन के बाद शिलापट्ट पर जनप्रतिनिधियों के नाम नहीं लिखे जाने का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि जहां शिलापट्ट पर जनप्रतिनिधियों का नाम नहीं है, वहां संबंधित कार्यपालक अभियंता को शो-कॉज नोटिस जारी किया जाएगा। विधान परिषद में बजट पर चर्चा के दौरान राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने राज्य में बढ़ते अपराध और किसानों को मुफ्त बिजली देने का मुद्दा उठाया। इसी दौरान उन्होंने बिहार पुलिस के कर्मियों के कद को लेकर ह्यलिलिपुटह्न शब्द का इस्तेमाल किया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आसन की ओर अंगुली उठाकर बोलने पर आपत्ति दर्ज कराई। मामला बढ़ता देख सभापति अवधेश नारायण सिंह ने हस्तक्षेप किया और कहा कि इस तरह की भाषा और इशारे सदन की मयार्दा के अनुरूप नहीं हैं।

बाढ़ के तीन गांवों में अबतक खसरा के 32 मरीज मिले

पटना (एजेंसी)। अनुमंडल क्षेत्र में खसरा का आउटब्रेक गंभीर रूप लेता जा रहा है। बाढ़ के पछियारी मलाही, सलेमपुर और सिकंदरा गांव में खसरा के 32 मरीज अबतक मिले हैं। इससे स्थानीय लोगों में दहशत है। इधर, डब्ल्यूएचओ की टीम 28 दिनों का कैंप कर रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संदिग्ध मरीजों के पांच सैंपल जांच के लिए पटना भेजे गए थे। इनमें से चार की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके बाद सघन जांच में पिछ्यारी मलाही व सलेमपुर गांव में 19 और सिकंदरा गांव में 13 मरीजों की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, किसी भी इलाके में दो या उससे अधिक मरीज मिलने पर उसे खसरा का आउटब्रेक माना जाता है। चिंता का विषय यह है कि क्षेत्र में अभी भी हर दिन खसरे के नए मरीज सामने आ रहे हैं। इससे कुछ दिनों पहले भी इब्राहिमपुर पंचायत के पछियारी मलाही (वार्ड 9 और 8) और नयाटोला सलेमपुर (वार्ड 12) में खसरा के 4 मरीज मिल चुके हैं। इस बीमारी के फैलाव पर काबू पाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम पूरी तरह से अलर्ट है। प्रभावित इलाकों में डब्ल्यूएचओ के डॉक्टरों की टीम कैंप कर रही है। यह टीम डोर-टू-डोर अभियान चलाकर हर घर में बच्चों के टीकाकरण की जांच कर रही है और ग्रामीणों को जागरूक कर रही है। टीकाकरण में कोताही नहीं बरतेंः हालात को नियंत्रित करने और संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए डब्ल्यूएचओ की टीम अगले 28 दिनों तक इन क्षेत्रों में लगातार कैंप करेगी। स्वास्थ्य विभाग लोगों से अपील कर रहा है कि वे बच्चों के टीकाकरण में कोई कोताही न बरतें। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि फिलहाल इस आउटब्रेक को सीधे तौर पर टीकाकरण की विफलता नहीं कहा जा सकता। इस क्षेत्र में अचानक बीमारी फैलने के कारणों पर रिसर्च की जा रही है। खसरा मुक्त देश बनाने के अभियान को चुनौती : बाढ़ में हुआ यह आउटब्रेक भारत सरकार के दिसंबर 2026 तक देश को खसरा मुक्त बनाने के अभियान के लिए एक चुनौती बन गया है। स्थिति से निबटने के लिए सरकार और स्वास्थ्य विभाग को इलाके में एक बार फिर से युद्ध स्तर पर सघन टीकाकरण अभियान चलाना होगा।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

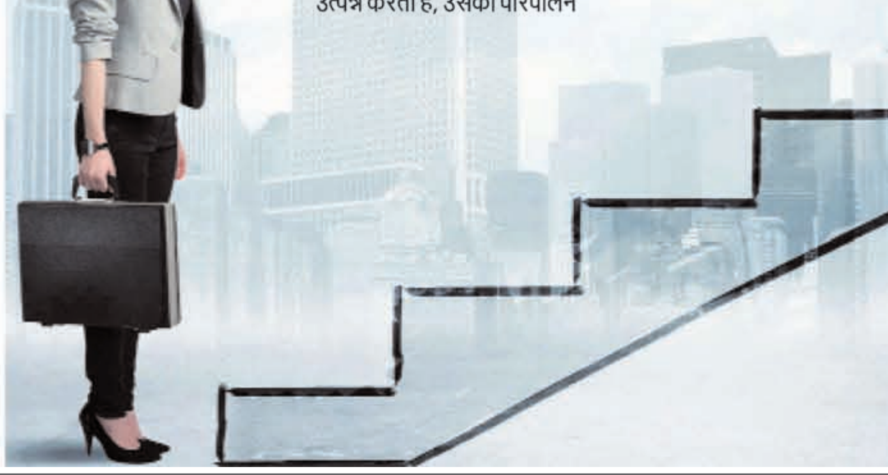

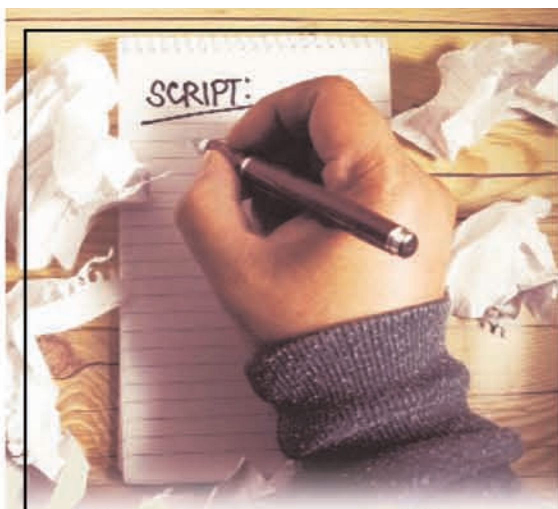

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

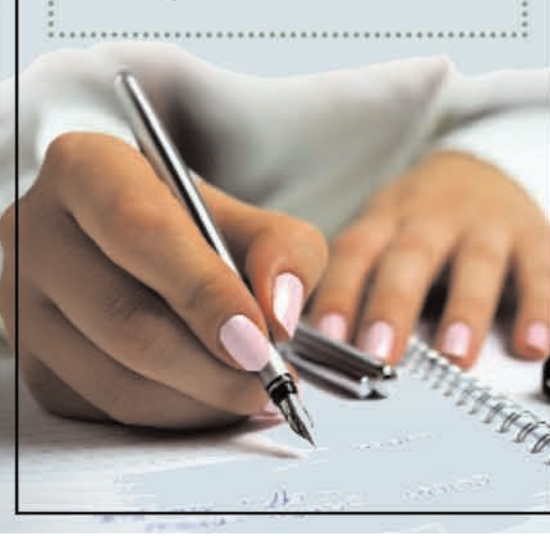

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है।

सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं।

कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

-सैमसन को मिले अवसर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, ÷अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे।÷

श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

ब्रिस्बेन वनडे में टीम इंडिया की करारी हार, स्मृति मंधाना का अर्धशतक गया बेकार

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए वनडे द्विपक्षीय श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज में 1-2 से हार के बाद इस मैच में उतरी थी। उन्होंने मेहमान टीम को 214 रनों पर रोककर 215 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान हीली ने फोएबे लिचफील्ड (32 गेंदों में 32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। श्री चरानी ने 11वें ओवर में अपनी टीम को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने इसी ओवर में जॉर्जिया वोल को भी आउट किया। आउट होने वाली कप्तान हीली ने 70 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्होंने बेथ मूनी (79 गेंदों में 76 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। एनाबेल सदरलैंड (44 गेंदों पर 48 रन नाबाद) और गार्डनर (4 गेंदों पर 5 रन नाबाद) नाबाद रहीं और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच जिताने वाली इस शानदार पारी के लिए मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, भारतीय महिला टीम ने पहले ही ओवर में अपना पहला विकेट खो दिया जब मेगन शट ने विकेट के सामने प्रतिका रावल को कैच दे दिया। शेफाली वर्मा एक रन पीछे बल्लेबाजी करने आईं और लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने 17 गेंदों में सिर्फ चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। डार्सी ब्राउन ने उन्हें आठवें ओवर में कैच आउट किया। जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गईं। पावरप्ले खत्म होने के तुरंत बाद एशले गार्डनर ने उन्हें आउट कर दिया। बेथ मूनी ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच पकड़ा।

स्मृति मंधाना ने 20वें ओवर में ताहलिया मैकग्राथ की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मैकग्राथ ने अपने अगले ओवर में मंधाना को 58 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली पारी में सात चौके लगाए। दीप्ति शर्मा क्रीज पर आईं और जल्द ही सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद ऋचा घोष कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ शामिल हुईं और दोनों ने छठे विकेट के लिए 37 रन जोड़े।

आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं क्योंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आज टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइव ?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में

ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है। इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स?टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

गंभीर की पॉलिटिक्स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया, पूर्व पाक बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर तीखी टिप्पणी की है। शहजाद का दावा है कि गंभीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि का असर टीम के माहौल पर पड़ा है। साथ ही उन्होंने चयन फैसलों और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

सुपर 8 हार के बाद बढ़ा दबाव

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली बड़ी हार ने भारतीय खेमे में चिंता बढ़ा दी है। इस हार के बाद सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो सकती है, जिससे कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजमेंट पर दबाव साफ दिख रहा है। कुछ चयन फैसलों ने भी बहस को जन्म दिया। अहम मुकाबले में अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका देने पर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

पॉलिटिक्स टीम में भी आ गई : शहजाद

अहमद शहजाद ने कहा कि 2019 से 2024 के बीच राजनीति में सक्रिय रहने के दौरान गंभीर का दृष्टिकोण बदल गया। उनका इशारा उस समय की ओर था जब गंभीर सांसद रहे। शहजाद का मानना है कि राजनीति का असर अब टीम प्रबंधन में भी दिखाई दे रहा है। उनके मुताबिक, किसी भी खेल में सफलता के लिए पूर्ण फोकस जरूरी होता है, और अगर ध्यान बंटे तो उसका असर टीम के माहौल पर पड़ सकता है।

कुलदीप यादव को लेकर उठे सवाल

शहजाद ने यह भी कहा कि टीम अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कुलदीप यादव का जिक्र किया, जिन्हें टूर्नामेंट में सीमित मौके मिले हैं। उनका कहना था कि कुलदीप जैसे मैच-विनर स्पिनर को लगातार बाहर रखना समझ से परे है। टी20 फॉर्मेट में विविधता और विकेट लेने की क्षमता बेहद अहम होती है, और कुलदीप उस भूमिका को निभा सकते हैं।

कप्तान के साथ विवाद की चर्चा

शहजाद ने एक कथित घटना का भी जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और कुलदीप के बीच कहासुनी की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में दोनों खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी अनबन से इनकार किया। फिर भी शहजाद का मानना है कि कुलदीप को बाहर रखने के पीछे कोई और कारण हो सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चयन और रणनीति पर बहस

टीम इंडिया के चयन और रणनीति को लेकर चर्चा तेज है। आलोचकों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट में टीम कॉम्बिनेशन का संतुलन बेहद अहम होता है। स्पिन विकल्पों और ऑलराउंडर्स के बीच सही तालमेल बनाना जीत की कुंजी साबित हो सकता है। इसके बावजूद यह भी तथ्य है कि गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हालिया बाइलेटरल सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एफआई प्रो लीग में स्पेन ने भारतीय हॉकी टीम को हराया

होबार्ट । स्पेन ने एफआई एच प्रो लीग के ऑस्ट्रेलियाई चरण में भारतीय हॉकी टीम को शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। दोनो टीमों के बीच तय समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा पर इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना पर गोल नहीं कर पायीं। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह के एक पास पर मनिंदर सिंह ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने जबरदस्त प्रहार किये पर भारतीय रक्षा पंक्ति और गोलकीपर ने बचाव कर लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये। स्पेन के ब्रूनो फॉन्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार गोल दागकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं इसके बाद हुए शूटआउट में भारत के अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल नहीं कर पाये जिससे स्पेन ने 4-3 से मुकाबला जीत लिया।

बीसीएल में खेलते नजर आयेंगे धवन

मुम्बई। हाल में आयरलैंड की सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन अब बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते नजर आएंगे। धवन बीसएल के दूसरे सत्र में 'यूपी ब्रिज स्टार्स' की ओर से खेलेंगे। धवन जैसे अनुभवी क्रिकेटर का लाभ टीम के युवाओं को मिलेगा। इससे पहले इसे लीग के पहले सत्र में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा के खेल परिसर में होगा। ये टूर्नामेंट 11 मार्च से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला 22 मार्च को खेला जाएगा। यूपी ब्रिज स्टार्स प्रबंधन को उम्मीद है कि धवन की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज करेगी। उनके रहने से से युवा खिलाड़ियों को भी सीखने का काफी अवसर मिलेगा।बीसएल एक ऐसा टूर्नामेंट हैं जिसमें गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अवसर मिलता है। इस लीग में डॉक्टर, इंजीनियर, दुकानदार, वकील, किसान या किसी भी अन्य पेशे से जुड़ा व्यक्ति खेल सकता है। खास बात ये है कि आम खिलाड़ियों को भी अंतररष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलता है।

जब हम वेस्टइंडीज से खेलेंगे तो नेट रन-रेट जरूर मायने रखेगा : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपट 'पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग द्व में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया।

पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा, '12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिंपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था।'

पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा, 'सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज़्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के खिलाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ़्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉड 'वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है।'

पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग द्भ्रु में वापसी पर कहा, 'मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा, खासकर यह देखते हुए कि भारतीय लेफ्ट-हैंडर ऑफ-स्पिनर के खिलाफ बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। जब आप जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हैं, तो सिकंदर रजा भी पावरप्ले में काम आ सकते हैं। मैं तिलक की जगह संजू सैमसन को नहीं उतारूंगा। हां, संजू सैमसन भी अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। या शायद, भारत बैटिंग ऑर्डर बदलने की कोशिश कर सकता है, फिर सूर्या को नंबर तीन पर बैटिंग करनी होगी।'

दर्दनाक हादसा-घर में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के छह लोग जिंदा जले, महिला घायल

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ जिले में एक मकान में आग लगने से पांच बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने मंगलवार को यहां बताया कि घटना किदवई नगर इलाके में बीती रात करीब आठ बजे हुई। उन्होंने बताया कि इकबाल अहमद के आवास पर आग लगने की सूचना रात आठ बजकर 49 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि तीन मिनट के भीतर, डायल 112 पुलिस प्रतिक्रिया वाहन मौके पर पहुंच गया और उसके तुरंत बाद दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। पुलिस के मुताबिक, घर में सिलाई का काम होता था और बड़ी मात्रा में कपड़े रखे हुए थे जिससे आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं। उन्होंने कहा कि इलाके में संकरी गलियों के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में चुनौती पेश आती है इसीलिए अग्निशमन विभाग के बेड़े में शामिल की गईं नयी मोटरसाइकिलों को भेजा गया। एसएसपी ने बताया कि एक स्थानीय निवासी ने भी फंसे लोगों को निकालने में मदद के लिए सीढ़ी लगाकर बचाव प्रयासों में सहायता की। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्ट्या शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है और विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना में सात लोग झुलसे हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में चिकित्सकों ने उनमें से छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रुखसार (25), महबीश (12), हम्माद (चार), अकदस (चार), नबिया (चार माह) और इनायत (चार माह) के रूप में की गई है, जो किदवई नगर में सुराही वाली मस्जिद के पास गली नंबर तीन के निवासी थे। एसएसपी ने बताया कि घायल महिला अमीर बानो (55) का उपचार किया जा रहा है। परिवार के एक सदस्य मोहम्मद फारूक ने कहा कि जब उन्हें आग लगने की सूचना मिली तो वह नमाज पढ़ने गए थे।

नीतिश के मंत्री का राहुल गांधी पर हमला, देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेती

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीतिश सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से बिल्कुल नहीं लेती। राहुल गांधी की पहचान अब इसतरह के नेता के तौर पर है जो देश की छवि को धूमिल करने का काम कर रहा हैं, लेकिन राहुल गांधी को सफलता हाथ नहीं लग रही है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस विरोध पर नीतिश सरकार में मंत्री पांडे ने कहा कि जब भी भारत को बदनाम करने या देश की इमेज खराब करने के लिए कांग्रेस सबसे आगे रहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तेजी से मजाक का विषय बनते जा रहे हैं। इसकारण भारत की जनता राहुल गांधी को कभी गंभीरता से नहीं लेती। मंत्री पांडे ने कहा कि एआई समिट विश्व का मंच था, जहां 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष आए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा वहां जिस तरह का प्रदर्शन हुआ है, वह निंदनीय है। कांग्रेस के इस प्रोटेस्ट से सभी को बहुत आघात पहुंचा है। कांग्रेस के लोग पता नहीं कि अब लोकतंत्र में क्या दिखाना क्या चाहती है। कांग्रेस ने शर्टलेस प्रोटेस्ट से देश की छवि को खराब करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने इंडिया एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर कहा कि आपने देखा कि एआई समिट में 140 देशों के प्रतिनिधियों का कॉन्फ्रेंस चल रहा था और किस प्रकार से कांग्रेस के द्वारा एक छोटी-सी बात को लेकर भारत की छवि को दुनिया के सामने खराब करने की कोशिश की गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने पर 13 छात्रों को नोटिस

लखनऊ (एजेंसी)। रमजान के महीने में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने को लेकर पुलिस प्रशासन ने छात्रों के खिलाफ कार्रवाई कर दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित लाल बारादरी में नमाज पढ़ने के प्रकरण में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई कर 13 छात्रों को नोटिस दे दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट, महानगर कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा के तहत जारी नोटिस में आरोप लगाया गया है कि संबंधित छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में लाल बारादरी के पास चल रहे निर्माण कार्य को बाधित करने का काम किया। कैंटीन के सामने सड़क पर बैठकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने की कोशिश की, जिससे शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जारी आदेश में कहा गया है कि इन गतिविधियों से विश्वविद्यालय परिसर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई और भविष्य में लोक शांति भंग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने सभी 13 छात्रों को निर्देश दिया है कि वे एक वर्ष तक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की गारंटी के रूप में 50 हजार का व्यक्तिगत मुचलका और 50-50 हजार के दो जमानतदार प्रस्तुत करें। लखनऊ यूनिवर्सिटी परिसर की लाल बारादरी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हिंदू छात्रों ने चेन बनाकर मुस्लिम छात्रों को नमाज पढ़ने में मदद की थी। सोमवार को छात्रों के दूसरे संगठन ने इसके विरोध में प्रदर्शन किया था। आरोप है कि लाल बारादरी में रेनोवेशन का काम चल रहा है। इसके बावजूद छात्र यहां नमाज अदा करने पहुंचे थे। जब छात्रों को नमाज पढ़ने से रोका गया तब हिंदू छात्रों ने बैरिकेटिंग को गिरा दिया और ह्यूमन चेन बनाकर खड़े हो गए। इसके बाद छात्रों ने नमाज अदा की और रोजा खोला।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर महंगे आभूषण, लग्जरी घड़ियां और विदेशी मुद्रा के साथ महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई कर एक महिला यात्री को अवैध रूप से महंगे आभूषण, लग्जरी घड़ियां और विदेशी मुद्रा लाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अमेरिकी पासपोर्ट धारक यह महिला हांगकांग से फ्लाइट नंबर सीएक्स-695 द्वारा टर्मिनल-3 पर पहुंची थी। महिला पर संदेह होने पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने उन्हें रोका और सामान की एक्स-रे जांच की। निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत विस्तृत तलाशी लेने पर भारी मात्रा में अघोषित विदेशी सामान बरामद हुआ।

बंगाल के एसआईआर में लाखों दावों-आपत्तियों से निपटेंगे झारखंड-ओडिशा के जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर में 80 लाख दावों और आपत्तियों से निपटने के लिए सिविल जजों को नियुक्त करने और पड़ोसी राज्यों झारखंड व ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति दे दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के एक पत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया था कि एसआईआर कवायद के लिए तैनात 250 जिला न्यायाधीशों को दावों और आपत्तियों से निपटने में करीब 80 दिन लगेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गंभीर स्थिति और समय की कमी को ध्यान में रखते हुए पीठ ने प्रक्रिया संचालित करने के लिए सिविल जजों की तैनाती की अनुमति दी। उसने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से झारखंड और ओडिशा के अपने समकक्षों से

अनुरोध करने और स्थिति से निपटने के लिए समान पदों के न्यायिक अधिकारियों की मांग करने को कहा। पीठ ने निर्वाचन आयोग को झारखंड और ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का खर्च वहन करने का निर्देश भी दिया। हाई कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति भी दी और स्पष्ट किया कि सत्यापन प्रक्रिया आगे बढ़ने पर चुनाव आयोग पूरक सूचियां जारी कर सकता है। वर्ष 2002 की मतदाता सूची से पारिवारिक संबंध जोड़ने में तार्किक विसंगतियों में ऐसे मामले शामिल हैं, जिनमें माता-पिता के नाम में असंगति पाई गई है और मतदाता व उसके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी को पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच गतिरोध से निराश होकर राज्य में विवादों से घिरे एसआईआर में आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का एक निर्देश जारी किया था। चुनाव आयोग और बंगाल में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई टीएमसी सरकार के बीच दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप और विश्वास की कमी पर अफसोस जताते हुए पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कई नए निर्देश पारित किए थे।

सुगौली जीआरपी के पूर्व थानाध्यक्ष समेत नौ पर एफआईआर

मोतिहारी (एजेंसी)। जिले के सुगौली जंक्शन रेलवे स्टेशन से बरामद चरस के ईंट में बदल जाने के सनसनीखेज मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने इस प्रकरण में सुगौली के तत्कालीन जीआरपी थानाध्यक्ष सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। यह प्राथमिकी पुलिस मुख्यालय के आदेश पर गठित त्रिस्तरीय जांच समिति और एडीजी रेलवे की रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की गई है। नामजद अभियुक्तों में तत्कालीन सुगौली जीआरपी थानाध्यक्ष सोती कुमार, आरपीएफ ओपी प्रभारी संजीव रतन प्रसाद सिंह, आरपीएफ सिपाही गोविंद कुमार महतो, अनुसंधान पदाधिकारी सह इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, जीआरपी सिपाही समीर आलम, जीआरपी सिपाही मो. जाकिर, आरपीएफ एएसआई प्रभु हाजरा, आरपीएफ प्रधान आरक्षी रितेश प्रसाद वर्मा और दंडाधिकारी सह अंचलाधिकारी कुंदन कुमार शामिल हैं। यह मामला मार्च 2025 का है, जब सुगौली रेल थाना में कांड संख्या 04/25 दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस मामले में पैकेट में भारी मात्रा में चरस बरामद करने का दावा किया था। हालांकि, लगभग दो महीने बाद जब जब्त सामान को न्यायालय में प्रदर्श के लिए प्रस्तुत किया गया, तो पैकेट खोलने पर चरस की जगह ईंटें मिलीं। इस चौंकाने वाली घटना के सामने आने के बाद विस्तृत जांच के आदेश दिए गए थे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके: अनुराग ठाकुर

कांगड़ा (एजेंसी)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके हैं। कांगड़ा में भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए। सांसद ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी देश विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बने हुए हैं। वह भारत में रहकर और भारत के बाहर रहकर देश विरोधी एजेंडा चलाते हैं, इतना ही नहीं नकारात्मक पॉलिटिक्स को बढ़ावा देकर अराजकता फैलाने का प्रयास करते हैं। अब उनका एकमात्र काम झूठ बोलना, कन्फ्यूजन पैदा करना, भारत को बदनाम करना और मोदी विरोधी राजनीति करना है। जब भारत की इकॉनमी सबसे तेजी से बढ़ रही है, तब वह भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी कहते हैं। उन्हें भारत की तरक्की पसंद नहीं है। भाजपा सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया ने एआई समिट की तारीफ की, वहां राहुल गांधी के इशारे पर उनके कार्यकर्ता शर्टलेस प्रदर्शन कर देश की छवि को धूमिल करने की कोशिश की। क्या राहुल गांधी की राजनीति विदेशों से तय हो रही है। कांग्रेसी विदेशियों का एजेंडा चला रहे हैं। कांग्रेस पार्टी जॉर्ज

सोरेस के कहने पर चल रही है। कांग्रेस पार्टी राजीव गांधी फाउंडेशन में चंदा ले रही है और फिर चीन का गुणगान कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज राहुल का मतलब क्या हो गया है? आर से रार, ह से हुडदंग, ल से लंफगई। उनकी जगहंसाई हो रही है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या राहुल गांधी सच में नेता प्रतिपक्ष हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि संसद में महिला सांसदों को भेजकर पीएम की सीट का घेराव करना किस तरह की राजनीति है। विदेशी मंचों पर जाकर राहुल गांधी बयान देते हैं। एक के बाद एक झूठ बोलते हैं, उनका यही काम रह गया है। कांग्रेस अराजकता, अफवाह और दंगा फैलाने की हरसंभव कोशिश कर रही है। राहुल गांधी जो सोच रहे हैं, वह सफल नहीं हो सकते है।

कांग्रेस डरपोक नहीं, संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा करेंगे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को लेकर दी तीखी प्रतिक्रिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि वे हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस न तो डरपोक है और न ही डरने वाली है। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे।

बेंगलुरु में मीडिया से बातचीत में खड़गे ने कहा कि जब कॉमनवेल्थ गेम्स हो रहे थे, तो नितिन गडकरी और बीजेपी नेताओं ने क्या किया? ऐसे हर इवेंट में वे देश की भावना को समझने में नाकाम रहे। उन्होंने यह नहीं सोचा कि इससे उस समय भारत और विदेश के एथलीटों को क्या संदेश जाएगा। बीजेपी दूसरों के बारे में तो बहुत कुछ कहती है, लेकिन अपने गिरेबान में नहीं झांकती है। अगर वे अपने गिरेबान में झांकेंगे, तो शायद उन्हें अपनी सच्चाई दिखाई देगी। मैं यूथ कांग्रेस अध्यक्ष

भानु की गिरफ्तारी की निंदा करता हूं।

रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है कि उसके कारण केंद्र सरकार के प्रति लोगों में भारी रोष है। मैं चाहता था कि पीएम मोदी देश के लिए कुछ अच्छा कार्य करें, लेकिन केंद्र सरकार नहीं कर रही है। हमारी सरकार वह कर रही है जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप के सामने सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका ट्रेड डील से किसानों का नुकसान होगा। हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है।

खड़गे ने कहा कि सरकार की ओर से कांग्रेस को डराया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। हम लड़ते रहेंगे और सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद पुलिस की कार्रवाई पर कहा कि प्रदर्शन करने के बाद अगर हिरासत में लिया जाता है तो पुलिस कुछ देर बाद छोड़ देती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस को निशाना बनाकर डर पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं और कांग्रेस डरने वाली नहीं है।

केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने पर थरूर का मजाकिया अंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने की चर्चा के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक दिलचस्प लेकिन अहम भाषाई सवाल उठा दिया है। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने अपनी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि नाम परिवर्तन सभी के लिए अच्छा कदम हो सकता है, लेकिन अंग्रेज़ी बोलने वालों के लिए एक छोटा सा भाषाई प्रश्न खड़ा होता है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में पूछा कि अगर राज्य का नाम 'केरलम' हो जाएगा, तब वहां के निवासियों को क्या कहा जाएगा....केरलाइट', 'केरलन' या कुछ और?

कांग्रेस सांसद थरूर ने मजाकिया लहजे में लिखा कि 'केरलमाइट' शब्द सुनने में किसी सूक्ष्म जीव (माइक्रोब) जैसा लगता है, जबकि 'केरलमियन' किसी दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ मटीरियल) की तरह प्रतीत होता है। उन्होंने केरल के सीएम ऑफिस को टैग कर सुझाव दिया कि शायद मुख्यमंत्री नए शब्द के चयन के लिए कोई प्रतियोगिता आयोजित कर सकते हैं। उनका यह बयान तब आया है जब केंद्र की मोदी सरकार राज्य का नाम आधिकारिक रूप से 'केरलम' करने सहमति जता चुकी है।

महाराष्ट्र से एनसीपी पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उतारेगी, बीजेपी के अंदर नामों को लेकर मंथन

-शिवसेना शिंदे गुट के लिए एक सीट सुरक्षित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सियासत में हलचल तेज हो गई है। महायुति की सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने इस लेकर अपने उम्मीदवार पर बड़ा फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार की रात प्रफुल्ल पटेल के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की हुई बैठक में पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उतरने पर सहमति बनी है। बैठक में प्रफुल्ल पटेल के अलावा उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। 26 फरवरी को होने वाली बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर मुहर लग सकती है, जहां सुनेत्रा पवार का नाम सबसे आगे माना जा रहा है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) भी अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। पार्टी इस बार राज्यसभा की चार सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। इसमें रामदास अठावले का नाम करीब तय है, जबकि विनोद तावड़े, विजया रहाटकर और धैर्यशील पाटिल के नामों पर

अंतिम निर्णय होना बाकी है।

बात दें कि महाराष्ट्र में इस बार राज्यसभा की 7 सीटें खाली हैं और 286 विधायकों के आधार पर एक उम्मीदवार को जीत के लिए 37 वोटों की जरूरत होगी। आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास स्पष्ट बढ़त है। सिर्फ बीजेपी के पास एक निर्दलीय को मिलाकर कुल (131+1) यानी 132 विधायकों का समर्थन है, इस संख्याबल के दम पर 3 से 4 सांसद आसानी से भेज सकती है। वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) अपने 58 विधायकों के साथ एक सीट सुरक्षित कर सकती है, जबकि एनसीपी (अजित पवार गुट) भी एक सीट जीतने की स्थिति में है, क्योंकि अजित पवार की मौत के बाद उसके पास 40 विधायक हैं।

इसके मुकाबले महाविकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (ठाकरे गुट) शामिल हैं, के पास कुल मिलाकर करीब 49 विधायकों का समर्थन है। इस संख्या के आधार पर एमवीए केवल एक सीट ही सुरक्षित कर सकती है। राजनीतिक समीकरणों के हिसाब से महायुति गठबंधन 6 सीटों पर मजबूत दिख रहा है, जबकि विपक्षी गठबंधन को सीमित सफलता मिलने की संभावना है।

उड़ान भरते ही विमान इंजन हुआ फेल, दिल्ली एसरपोर्ट पर कराई आपात लैंडिंग

-कॉकपिट में नहीं मिला फायर वार्निंग संकेत, विमान में सवार थे 150 यात्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से लेह जा रहे स्पाइस जेट विमान की मंगलवार उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण लेह जाने के बजाय दिल्ली एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में करीब 150 यात्री सवार थे। इस घटना में किसी को नुकसान नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इंजन नंबर-2 फेल होने से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। लैंडिंग के बाद यात्रियों के लिए यात्रा की वैकल्पिक व्यवस्था की उम्मीद है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि तकनीकी खराबी के चलते दिल्ली से लेह जा रहे विमान को वापस बुलाना पड़ा। विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। कॉकपिट में फायर वार्निंग का कोई संकेत नहीं मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि फ्लाइट एसजी121 दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से

निकली थी। टेक ऑफ के तुरंत बाद ही क्रू मेंबर्स को तकनीकी खराबी का पता चला। सावधानी बरतते हुए पायलटों ने विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करने का फैसला लिया। विमान की पूरे प्रोटोकॉल के साथ लैंडिंग करवाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के साथ मेडिकल टीम और फायर सर्विस भी वहां मौजूद थी।

बता दें इससे पहले असम के डिब्रूगढ़ से कोलकाता के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो एयरलाइन के एक विमान में 14 फरवरी को बम होने की धमकी मिली थी जिसके बाद विमान की तुरंत ही इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। वहीं बीते साल 2 दिसंबर को कुवैत से हैदराबाद आ रही इंडिगो के एक विमान में बम की धमकी के बाद मुंबई में उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई थी। विमान में बम की चेतावनी की धमकी ई-मेल से मिली थी जो कि बाद में फर्जी निकली। वहीं बीते साल ही 12 नवंबर को एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुंबई से वाराणसी जा रहे विमान के टॉयलेट में कागज पर बम लिखा मिलने के बाद वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई थी।

कांग्रेस गुटबाजी, अविश्वास और सहयोगी दलों के साथ तालमेल की कमी से हाशिये पर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफा देने के बाद पार्टी की लगातार गिरती राजनीतिक स्थिति और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। बोरा ने चुनाव से ठीक पहले पार्टी छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया है, जिससे संगठनात्मक कमजोरी और आंतरिक कलह तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कई राज्यों में कांग्रेस की इकाइयां अंदरूनी गुटबाजी, आपसी अविश्वास और सहयोगी दलों के साथ तालमेल की कमी के कारण हाशिये पर आ रही है। आलोचकों के मुताबिक शीर्ष नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया में कथित 'सुस्ती' और समय पर हस्तक्षेप न कर पाने की प्रवृत्ति पार्टी के लगातार क्षरण का कारण बन रही है।

कर्नाटक में सीएम सिद्दारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संतुलन को लेकर लंबे समय से खींचतान चल रही है। बताया जाता है कि राहुल गांधी की मुलाकातों के बावजूद मतभेद खत्म नहीं हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रतिभा सिंह गुटों के बीच प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर संघर्ष जारी है। पार्टी ने राज्य इकाई भंग कर संतुलन साधने की कोशिश की, लेकिन असंतोष बना रहा। दिल्ली में जहां कभी शीला दीक्षित के नेतृत्व में 15 साल तक कांग्रेस की सरकार रही, पार्टी आज एकजुट चेहरा पेश करने में नाकाम है।

वहीं हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा के बीच मतभेदों ने 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच टकराव ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। बाद में चरणजीत सिंह चन्नी को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन तब तक काफी क्षति हो चुकी थी। यूपी में संगठन भंग करने के बावजूद कांग्रेस पुनर्जीवित नहीं हो पाई। पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर असम और अरुणाचल प्रदेश में भी पार्टी अव्यवस्था का सामना कर रही है। पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने कांग्रेस से दूरी बना ली है। झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी के साथ गठबंधन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सका।

बिहार में राजद के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को 'बोझ' के रूप में देखा गया। ओडिशा में संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच टकराव को 2023 में सत्ता गंवाने की बड़ी वजह माना गया। गुजरात और महाराष्ट्र में भी पार्टी दो दशक से ज्यादा समय से बीजेपी को चुनौती देने में विफल रही है। तमिलनाडु में द्रमुक के साथ गठबंधन के बावजूद सीट बंटवारे को लेकर मतभेद उभरे हैं, जिससे आगामी चुनावों से पहले असहज स्थिति बन रही है। कुल मिलाकर कई राज्यों में लगातार गुटबाजी, नेतृत्व संकट और सहयोगियों के साथ तालमेल की कमी ने कांग्रेस की स्थिति को कमजोर किया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या चुनौतियों के लिए शीर्ष नेतृत्व जिम्मेदार है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरय पब्लिकेशन्स एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।

संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902